खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम : 19°C
न्यूनतम : 09°C

देहरादून, बुधवार 11 फरवरी 2026 देहरादून संस्करण: वर्ष 25 अंक 185 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com | फाल्गुन कृष्ण पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2082 | 22 शाबान 1447 हिजरी | नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

विदेशी निर्भरता से किसान बर्बाद, भाजपा किसान विरोधी : अखिलेश पेज 2

पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार का फैसला लिया वापस खेल टाइम्स

मूलभूत विज्ञान की सबसे बड़ी भूमिका सम्पादकीय

शबाना महमूद होंगी ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री ! पेज 12

संक्षिप्त समाचार

अब एआई-जनित सामग्री की देनी होगी स्पष्ट जानकारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के लिए आदेश जारी किया। इसमें कहा गया कि ये प्लेटफॉर्म एआई-जनित सामग्री पर स्पष्ट रूप से लेबल (वाटरमार्क) लगाएं। ऐसी सामग्री में पहचान के लिए संकेत जरूर होने चाहिए। सरकार ने कहा कि एक बार एआई लेबल या मेटा डाटा लगाने के बाद उसे हटाया या दबाया नहीं जा सकता। सरकार ने कहा कि अब मानव निर्मित या कृत्रिम रूप से बनाई गई जानकारी को स्पष्ट रूप से पहचान योग्य लेबल के साथ दिखाना अनिवार्य होगा। इसमें ऑडियो, वीडियो, फोटो या ग्राफिक सहित किसी भी डिजिटल सामग्री को शामिल किया गया है, जिसे कंप्यूटर या किसी संसाधन से बनाया गया, संशोधित किया गया या बदला गया हो। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को यह सुनिश्चित करना होगा कि कोई भी यूजर ऐसी सामग्री का गलत इस्तेमाल न करे। अगर कोई यूजर गैरकानूनी, अश्लील, धोखाधड़ी या बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री बनाए या साझा करे, तो प्लेटफॉर्म्स उसे रोकने के लिए स्वचालित तकनीक का इस्तेमाल करेंगे।

दिल्ली में एक्यूआई 267 के साथ खराब श्रेणी में पहुंचा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में मंगलवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 267 के साथ 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। राजधानी के कई हिस्सों में मंगलवार सुबह धुंध की एक परत दिखाई दे रही थी, जबकि आनंद विहार, बवाना और नरेला जैसे इलाकों में एक्यूआई 'बहुत खराब' बताया गया, जिससे सेहत को लेकर नई चिंताएं बढ़ गईं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के डेटा के मुताबिक मंगलवार सुबह एक्यूआई सोमवार की 206 से काफी ज्यादा था। सुबह करीब सात बजे, दिल्ली का औसत एक्यूआई 267 था। सबसे ज्यादा प्रभावित जगहों में, आनंद विहार में एक्यूआई 317 दर्ज किया गया, जबकि बवाना में 333 रिकॉर्ड किया गया और यह राजधानी के सबसे वायु प्रदूषित इलाके हैं।

मणिपुर के उखरुल में पांच दिन के लिए इंटरनेट बंद

इंफाल। मणिपुर में नई सरकार बनने के एक हफ्ते के भीतर ही हिंसा भड़क गई। उपद्रवियों ने उखरुल जिले के लितान सरेइखोंग गांव में 25 घर और चार सरकारी क्वार्टर में आग लगा दी। हिंसा के बाद पूरे जिले में कर्फ्यू लागू कर दिया गया। 10 फरवरी की सुबह 11:30 बजे से अगले पांच दिनों के लिए इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं। तांगखुल और कुकी जनजातियों के बीच हिंसक झड़प के बाद इलाके में सिक्योरिटी फोर्स मौजूद हैं। हिंसा की शुरुआत 7 फरवरी की शाम लितान सरेइखोंग में हुए एक शराब के नशे में झगड़े से हुई थी, जिसमें तांगखुल नागा समुदाय के स्टर्लिंग नाम के व्यक्ति के साथ मारपीट हुई थी। उखरुल जिले के लितान इलाके के आसपास गांवों में उपद्रवियों ने कई घरों में आग लगा दी। पुलिस ने बताया कि हिंसा के दौरान राइफल से गोलियां भी चलाई गईं।

हिमंता शूटिंग वीडियो विवाद में सुप्रीम कोर्ट सुनवाई को तैयार

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई-एम व सीपीआई के नेताओं ने याचिका की दायर

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के विवादित वीडियो को लेकर सीपीआई-एम और सीपीआई के नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति जताई है। वीडियो में मुख्यमंत्री मुस्लिम लोगों की ओर राइफल ताने हुए दिखाई दे रहे थे। इस वीडियो के आधार पर वामपंथी नेताओं ने मुख्यमंत्री के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सीनियर वकील निजाम पाशा ने मंगलवार को यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत के सामने मेंशन किया। उन्होंने कहा कि असम के मौजूदा मुख्यमंत्री के भाषणों और हाल में सामने आए वीडियो को लेकर सुप्रीम कोर्ट के तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है। निजाम पाशा ने यह भी बताया कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को शिकायतें दी गई हैं, लेकिन अब तक किसी भी शिकायत पर एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। जस्टिस सूर्यकांत ने यह भी कहा कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई के लिए तारीख तय करेगा। दरअसल, 8 जनवरी को कांग्रेस ने दावा किया कि असम बीजेपी एक्स हैंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया जिसमें असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा मुसलमानों को गोली मारते दिख रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा, यही है असली बीजेपी, सामूहिक हत्यारे

■ यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी

कांग्रेस प्रवक्ता ने लिखा कि यही है असली बीजेपी: सामूहिक हत्यारे। यह जहर, नफरत और हिंसा आप पर है, मिस्टर मोदी। उन्होंने पूछा कि क्या अदालतें और अन्य संस्थाएं सो रही हैं? वीडियो वायरल होने के बाद संगठन के प्रभारी कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने इस मुद्दे पर बीजेपी की आलोचना की।

वेणुगोपाल ने एक्स पर कहा कि एक आधिकारिक बीजेपी हैंडल ने एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें अल्पसंख्यकों की टारगेटेड, प्वाइंट-ब्लैंक हत्या दिखाई गई है। उन्होंने कहा कि यह नरसंहार का आह्वान करने के अलावा और कुछ नहीं है। एक ऐसा सपना जिसे यह फासीवादी शासन दशकों से पाले हुए है। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने 27 जनवरी को कहा था कि राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) में 4 से 5 लाख मियां मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। उन्होंने कहा था कि हिमंता बिस्व सरमा और भाजपा सीधे तौर पर मियां समुदाय के खिलाफ हैं। उन्होंने लोगों से मियां समुदाय को परेशान करने की अपील की। उनका कहना था कि जब तक उन्हें परेशानी नहीं होगी, वे असम नहीं छोड़ेंगे। मियां बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल होने वाला एक अपमानजनक शब्द है। असम सीएम के मुताबिक वे मूल निवासियों के संसाधनों, नौकरियों और जमीन पर कब्जा कर रहे हैं। तिनसुकिया जिले के डिगबोई में एक कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से सरमा ने कहा वोट चोरी का मतलब यह है कि हम कुछ मिया वोट चुराने की कोशिश कर रहे हैं। आदर्श रूप से उन्हें असम में वोट डालने की अनुमति नहीं होनी चाहिए, बल्कि बांग्लादेश में वोट देना चाहिए।

लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस पेश

शाह टाइम्स ब्यूरो

नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर, लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या 99

प्रस्ताव पर फैसला होने तक सदन में नहीं आएंगे स्पीकर ओम बिरला, नौ मार्च को चर्चा की संभावना

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए उनके खिलाफ कांग्रेस तथा अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा है।

कांग्रेस सूत्रों के अनुसार नोटिस लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया है। नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या 99 है। विपक्ष के लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध दायर इस अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस में लगाए गए आरोपों की जांच होगी। नियमों के अनुसार जांच प्रक्रिया के बाद इस नोटिस पर आगे की कार्यवाही को लेकर सचिवालय विचार करेगा। सूत्रों के अनुसार अविश्वास प्रस्ताव का यह नोटिस श्री बिरला को पद से हटाने के लिए अनुच्छेद 94(सी) के तहत दिया गया है। उन पर आरोप लगाया गया है कि वह सदन की कार्यवाही पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं। नोटिस में कहा गया है कि वह सत्ता पक्ष के सदस्यों को पर्याप्त समय सदन में बोलने का देते हैं, जबकि विपक्षी दलों के नेताओं को बोलने का मौका तक नहीं दिया जाता है और बार-बार और अनावश्यक रूप से उन्हें रोका तथा टोका जाता है। इसमें दो -शेष पृष्ठ दो पर

अविश्वास प्रस्ताव में हुई बड़ी चूक

2026 की जगह लिखा 2025

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने की विपक्ष की कोशिश उस समय अटक गई, जब प्रस्ताव के नोटिस में तकनीकी खामियां पाई गईं। नोटिस में वर्ष 2026 की जगह बार-बार 2025 लिखा गया था, जिसे गंभीर प्रक्रियागत चूक माना गया। इसके बाद कांग्रेस को संशोधित नोटिस के साथ प्रस्ताव दोबारा जमा करना पड़ा। प्रक्रियागत नियमों के अनुसार, ऐसे किसी भी प्रस्ताव में सभी जानकारियों का सटीक और तथ्यात्मक रूप से सही होना अनिवार्य होता है। साल की गलती सामने आने के बाद नोटिस को स्वीकार नहीं किया गया, जिससे विपक्ष को असहज स्थिति का सामना करना पड़ा। यह मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि हाल ही में तत्कालीन उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ लाए गए एक प्रस्ताव को भी तकनीकी कारणों से खारिज कर दिया गया था।

पेंग्विन रैंडम हाउस ने कहा: अभी प्रकाशित नहीं हुई नरवणे की किताब

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा में चल रहे जनरल मनोज नरवणे की किताब 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' से जुड़े विवाद के बीच पुस्तक के प्रकाशक पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया ने कहा कि उसके पास इस किताब के प्रकाशन अधिकार हैं और उसने अब तक इसे किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं किया है।

प्रकाशक ने अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि जनरल नरवणे का संस्मरण डिजिटल रूप या प्रिंट रूप में न तो जनता के सामने रिलीज़ किया गया है, न बेचा गया है और न ही वितरित किया गया है। पीआरएचआई ने चेतावनी दी कि किताब का प्रिंट या पीडीएफ स्वरूप साझा करना उसके कॉपीराइट का उल्लंघन होगा। प्रकाशक ने कहा कि वह बिना इजाज़त के इस पुस्तक का वितरण करने वालों के खिलाफ़ उचित कानूनी कार्रवाई करेगा। बयान में कहा गया कि अपनी स्थिति साफ करने के लिए स्पष्टीकरण रिकॉर्ड में रखा जा रहा है। यह विवाद पिछले हफ्ते तब शुरू हुआ, जब कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस में हिस्सा लेते हुए अपने भाषण के -शेष पृष्ठ दो पर

किताब पर जनरल नरवणे की पहली प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। पूर्व सेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित किताब को लेकर संसद में गतिरोध जारी है। इसी बीच पूर्व सेना प्रमुख ने विवाद पर विराम लगा दिया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किताब से संबंधित प्रकाशक पेंग्विन रैंडम हाउस इंडिया के आधिकारिक बयान को रीपोस्ट किया। इससे पहले प्रकाशन ने कहा था कि कंपनी द्वारा पुस्तक की कोई भी प्रति मुद्रित या डिजिटल रूप में प्रकाशित, वितरित, बेची या किसी अन्य तरीके से जनता के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई है।

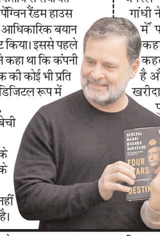

मुझे लगता है जनरल नरवणे सही बोल रहे हैं : राहुल

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने कहा है कि पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की पुस्तक के प्रकाशन को लेकर भ्रम की जो स्थिति सामने आई है उसमें सही वही लगता है जो जनरल नरवणे कह रहे हैं। श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के सवाल पर कहा कि पूर्व सेना प्रमुख कहते हैं कि किताब छपी है और इसे ऑफलाइन खरीदा जा सकता है जबकि पुस्तक के प्रकाशक पेंग्विन इसके प्रकाशन से इन्कार करता है। दुविधा की इस स्थिति में उन्हें लगा है कि पूर्व सेना प्रमुख सही बोल रहे हैं।

सम्भल प्रकरण: एएसपी अनुज चौधरी को हाईकोर्ट से अंतरिम राहत

■ कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर को भी मिली राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने संभल की सीजेएम अदालत द्वारा एएसपी अनुज चौधरी समेत पुलिसकर्मियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी है। अदालत ने तत्कालीन कोतवाली इंस्पेक्टर अनुज तोमर को भी राहत प्रदान की है।

न्यायमूर्ति समित गोपाल की एकलपीठ ने 9 जनवरी को पारित संभल सीजेएम न्यायालय के आदेश पर रोक लगाते हुए शिकायतकर्ता यामीन से दोनों याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई पांच सप्ताह बाद निर्धारित की गई है। उल्लेखनीय है कि संभल के सीजेएम विभांशु सुधीर ने दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 156(3) के तहत एएसपी अनुज चौधरी सहित 20 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था।

असम में फाइनल वोटर लिस्ट प्रकाशित, 2.43 लाख नाम कटे

■ राज्य में अब 2.49 करोड़ वोटर्स, असम में इस साल विधानसभा चुनाव होने हैं

गुवाहाटी। चुनाव आयोग (ईसी) ने मंगलवार को असम में हुए स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) 2026 के तहत फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी।

ईसी के मुताबिक, ड्राफ्ट वोटर लिस्ट की तुलना में 2.43 लाख से ज्यादा नाम हटाए गए हैं। अब राज्य में कुल 2,49,58,139 वोटर्स रजिस्टर्ड हैं। ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में मतदाताओं की संख्या 2,52,01,624 थी। स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया के बाद लिस्ट में 2,43,485 नाम हटाए गए हैं। अब फाइनल लिस्ट में 1,24,82,213 पुरुष, 1,24,75,583 महिलाएं और 343 थर्ड-जेंडर शामिल हैं। स्पेशल रिवीजन की इंटीग्रेटेड ड्राफ्ट वोटर लिस्ट 27 दिसम्बर 2025 को पब्लिश हुई थी। इस पर 27 दिसम्बर 2025 से 22 जनवरी 2026 तक दावे और आपत्तियां करने का समय था। असम की 126 विधानसभा सीटों पर अगले तीन महीनों में चुनाव होने हैं। असमें 22 नवम्बर से 20 दिसम्बर 2025 तक पूरे राज्य में घर-घर (एच2एच) वेरिफिकेशन अभियान चलाया गया था। इससे पहले चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की टाइमलाइन में बदलाव करते हुए फाइनल पब्लिकेशन की तारीख 14 फरवरी 2026 तक बढ़ा दी थी।

मथुरा में एक ही परिवार के पांच लोगों की संदिग्ध मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ प्रारंभिक जांच में मामला 'हत्या के बाद आत्महत्या' का प्रतीत हो रहा : एसएसपी

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा जिले के महावन क्षेत्र स्थित खप्परपुर गांव में मंगलवार को एक ही परिवार के पांच सदस्यों के शव संदिग्ध परिस्थितियों में उनके घर से बरामद होने से सनसनी फैल गई। मृतकों की पहचान किसान मनीष, उनकी पत्नी सीमा और उनके तीन बच्चों के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुबह काफी देर तक घर से कोई बाहर नहीं निकला तो मनीष के भाई सुधीर को अनहोनी की आशंका हुई। उन्होंने दीवार फांदकर घर में प्रवेश किया और कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर बेड पर मां और दो बच्चों के शव पड़े थे, एक बेटी का शव चारपाई पर मिला, जबकि मनीष का शव फर्श पर पड़ा था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) श्लोक कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मामला 'हत्या के बाद आत्महत्या' का प्रतीत हो रहा है। पुलिस के अनुसार आशंका है कि मनीष ने पहले पत्नी की हत्या की, फिर सोते हुए तीनों बच्चों का गला घोंट दिया और अंत में स्वयं करंट लगाकर आत्महत्या कर ली। मौके पर खून के निशान भी मिले हैं। पुलिस को घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं। कमरे की दीवार पर एक सुसाइड नोट लिखा मिला है, जिसमें मनीष और सीमा द्वारा अपनी मर्जी से जान देने की बात कही गई है और पुलिस से किसी को परेशान न करने का अनुरोध किया गया है। एक कागज पर भी कथित सुसाइड नोट मिला है। इसके अलावा मनीष के मोबाइल फोन से 48 सेकंड का एक वीडियो बरामद हुआ है, जिसमें उसने आत्मघाती कदम उठाने की बात कही है। हालांकि प्रथम दृष्ट्या मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस अन्य संभावित पहलुओं जैसे आपसी रंजिश या अन्य कारणों की भी गंभीरता से जांच कर रही है। फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य एकत्र कर लिए हैं और सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

यूजीसी नियमों ने उलझाई भाजपा की हिंदू एकजुटता की राजनीति

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ नए नियमों ने रणनीति को झटका दिया, उप्र की राजनीति में नई असहजता पैदा कर दी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में भाजपा बीते कुछ समय से हिंदू मतदाताओं को धर्म के आधार पर एकजुट करने की रणनीति पर काम कर रही थी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे, तो सेफ रहेंगे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक रहेंगे तो नेक रहेंगे जैसे नारों के जरिये पार्टी जातिगत पहचान से ऊपर उठकर हिंदू वोट बैंक को मजबूत करने का प्रयास कर रही थी। हालांकि, केंद्र सरकार के अधीन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा 2026 में जारी नए नियमों ने इस रणनीति को झटका दिया है और प्रदेश की राजनीति में नई असहजता पैदा कर दी है। यूजीसी के नए नियमों में उच्च शिक्षा संस्थानों में जाति आधारित भेदभाव रोकने के उद्देश्य से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विशेष सुरक्षा प्रावधान किए गए। लेकिन इन नियमों में फर्जी शिकायतों पर दंड का स्पष्ट प्रावधान न होने से सामान्य वर्ग, खासकर अगड़े समाज में नाराजगी देखने को मिली। उच्चतम न्यायालय ने हालांकि इन नियमों पर अंतरिम रोक लगा दी है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि तब तक नुकसान हो चुका है। नियमों को लेकर पैदा हुए असंतोष ने एक बार फिर हिंदू समाज के भीतर जातिगत विभाजन को उजागर कर दिया है। भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी के अनुसार, उत्तर प्रदेश में भाजपा की चुनावी मजबूती ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य, कायस्थ और भूमिहार जैसे वर्गों पर टिकी रही है। इन्हें पार्टी का कोर वोटर माना जाता है।

संक्षिप्त समाचार

देश की हवाई पट्टियों पर निगरानी मजबूत करने का निर्देश

नई दिल्ली। नागरिक उड्डयन मंत्री के. राम मोहन नायडू ने देश की विभिन्न हवाई पट्टियों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से निगरानी मजबूत करने का निर्देश दिया है। पिछले दिनों महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की बारामती हवाई पट्टी पर हुए विमान हादसे में मौत के मद्देनजर मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम महत्वपूर्ण है। नायडू ने यहां मंगलवार को नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा, नागर विमानन महानिदेशालय में महा. निदेशक फैज अहमद किदवई, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अध्यक्ष विपिन कुमार और मंत्रालय तथा डीजीसीए के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक बैठक में यह निर्देश दिया।

सेशेल्स के राष्ट्रपति का आगरा दौरा रद्द

आगरा। सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डा. पैट्रिक हर्मिनी का मंगलवार को प्रस्तावित आगरा दौरा रद्द हो गया है। पुरातत्व विभाग के अनुसार राष्ट्रपति अपनी पत्नी के साथ ताजमहल का दीदार करने आगरा आने वाले थे, लेकिन आगमन से ठीक पहले कार्यक्रम निरस्त कर दिया गया। राष्ट्रपति के प्रस्तावित दौरे को लेकर प्रशासन ने व्यापक तैयारियां की थीं।

पप्पू को बेल, लेकिन जेल में ही रहेंगे

पटना। बिहार के पूर्णिया के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव को मंगलवार को एमपी-एमएलए कोर्ट ने 31 साल पुराने मामले में जमानत दे दी है, लेकिन वे फिलहाल जेल में ही रहेंगे। बताया जा रहा है कि कोतवाली थाना और बुद्धा कॉलोनी थाने से जुड़े मामलों में पप्पू यादव को अभी जमानत नहीं मिली है। इन मामलों में बुधवार को सुनवाई होगी। तब तक पप्पू यादव पटना के बेऊर जेल में ही रहेंगे।

यूपी में दिव्यांग पेंशन तीन गुना बढ़ी

पात्र लाभार्थियों को मिलेगा सीधे लाभ: नरेन्द्र कश्यप

लखनऊ, वार्ता

उत्तर प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तीकरण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप ने मंगलवार को विधान परिषद में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि योगी सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण, पारदर्शिता और समयबद्ध लाभ सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

विभाग की सभी योजनाएं टॉनलाइन, पारदर्शी और दलाल-मुक्त व्यवस्था के तहत संचालित की जा रही हैं, जिससे पात्र लाभार्थियों को सीधे लाभ मिल रहा है। नरेंद्र कश्यप ने सदन को बताया कि दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग द्वारा संचा. लित विशेष विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में वर्ष 2011 में चयनित जेटीसी ग्रेड शिक्षकों में से एलटी ग्रेड के 9 रिक्त पदों पर पदोन्नति हेतु 16 जुलाई 2025 को तथा एलटी ग्रेड से प्रवक्ता के 28 पदों के लिए 12 दिसम्बर 2022 को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को अध्याचन भेजा जा चुका है, जिस पर कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वितरण कार्यक्रमों में वरिष्ठ एवं कनिष्ठ सभी जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित करना अनिवार्य है। यदि भविष्य में इस संबंध में कोई शिकायत मिलती है, तो संबंधित अधिकारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कश्यप ने बताया कि भारत सरकार के स्वावलंबन पोर्टल के माध्यम से यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा रहे हैं। आकांक्षी जनपद सिद्धार्थनगर में 31 जनवरी 2026 तक 24,414 दिव्यांगजनों को यूडीआईडी कार्ड जारी किए जा चुके हैं। वहीं वित्तीय वर्ष 2025-26 में 14,356 पात्र दिव्यांगजनों को दिव्यांग पेंशन, 153 लाभार्थियों को कुष्ठावस्था पेंशन तथा 321 दिव्यांगजनों को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण योजना का लाभ दिया गया है। 31 दिसम्बर 2025 तक कोई भी पात्र लाभार्थी लंबित नहीं है। वर्ष 2017 से पहले दिव्यांग पेंशन मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी, जिसे योगी सरकार ने बढ़ाकर 1,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया है। पात्रता की शर्तें पूरी करने वाले दिव्यांगजन एकीकृत सामाजिक पेंशन पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

देश में रहना है, तो कानून का पालन करना सीखें: योगी

बाराबंकी, वार्ता

बाबरी ढांचा फिर से नहीं बनेगा, कानून तोड़ने वालों पर होगी कार्रवाई

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कयामत की कामना करने वालों को अब समझ लेना चाहिए कि न तो कोई कयामत आने वाली है और न ही बाबरी ढांचे का निर्माण फिर कभी होगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश में रहना है, तो कायदे से रहना सीखना होगा, क्योंकि कानून का पालन करने वाला ही लाभ में रहता है और कानून तोड़ने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री मंगलवार को दरियाबाद विधानसभा क्षेत्र के दुल्हदेपुर स्थित बाबा हरिशंकर दास की कुटी पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार रुकने वाली नहीं है। यह सरकार जितना बोलती है, उतना ही करती है और उतना ही बोलती है जितना करने का संकल्प लेती है। जो लोग कयामत के दिन का सपना देख रहे हैं, वह दिन आने वाला नहीं है। बाबरी मस्जिद अब कभी नहीं बनेगी और सरकार अपनी विरासत को निरंतर सशक्त करती रहेगी। उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का उल्लेख करते हुए कहा कि 500 वर्षों बाद अयोध्या में गौरवपूर्ण क्षण आया। कई सरकारें आईं और गईं, अनेक राजा-महाराजा हुए, लेकिन राम मंदिर का निर्माण नहीं हो सका। आज यह कार्य संपन्न हुआ है। उन्होंने कहा, ष्राम सबके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ लोग अवसरवादी रवैया अपनाते हुए संकट के समय राम को याद करते हैं और शेष समय उन्हें भूल जाते हैं। ऐसे लोगों को अब आत्मचिंतन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कयामत की प्रतीक्षा करने के बजाय हिंदुस्तान में कानून का पालन करना सीखें। कानून मानेंगे तो लाभ में रहेंगे, अन्यथा कानून तोड़ने वालों का भविष्य अंधकारमय होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतवासी का ध्येय 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' होना चाहिए। देश वैभवशाली और विकसित बने, यही सरकार का लक्ष्य है।

प्रदेश ने जमीन से जुड़े और जनजातीय समाज के सशक्त नेताओं को खो दिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन में शोक व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश ने जमीन से जुड़े और जनजातीय समाज के सशक्त नेताओं को खो दिया है, जिनका जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान रहा। फरीदपुर (बरेली) से भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल का निधन 2 जनवरी 2026 को 60 वर्ष की आयु में हुआ। वे दूसरी बार विधानसभा सदस्य निर्वाचित हुए थे। योगी ने कहा कि प्रोफेसर श्याम बिहारी लाल मिलनसार स्वभाव के और जमीन से जुड़े जनप्रतिनिधि थे।

खड़गे ने केंद्र पर संप्रभुता, किसानों एवं उद्योग से विश्वासघात का लगाया आरोप

किसानों की पीठ में घोपा गया छुरा: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

जीएम पशु आहार के आयात से देश के दो करोड़ किसानों और पशु धन को नुकसान होगा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिका के साथ हुए समझौते को 'ट्रैप डील' करार दिया और कहा कि इस समझौते की सच्चाई अब धीरे-धीरे सामने आ रही है और यह भारत के रणनीतिक, आर्थिक और कृषि हितों के खिलाफ है।

खड़गे ने मंगलवार को सोशल मीडिया एक्स के जरिए आरोप लगाया कि रूसी तेल को लेकर भारत की रणनीतिक मामलों से समझौता किया गया है। उन्होंने इसे देश की संप्रभुता पर सीधा हमला बताते हुए कहा कि किसानों के 'पीठ में छुरा' घोंपा गया है। पहली बार भारतीय कृषि को विदेशी उत्पादों के लिए पूरी तरह खोला गया है। व्हाइट हाउस के नए दस्तावेज में चुपचाप 'दालों' को शामिल किया गया, जो पहले संयुक्त बयान का हिस्सा नहीं थीं। कांग्रेस अध्यक्ष ने डेयरी क्षेत्र को लेकर भी चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि अमेरिकी आनुवंशिक रूप से परिवर्तित (जीएम) पशु आहार के आयात से देश के दो करोड़ दुग्ध किसानों और देशी पशुधन को नुकसान होगा। उन्होंने परिधान उद्योग पर असर का जिक्र करते हुए कहा कि जहां भारत पर 18 प्रतिशत आयात शुल्क थोपा गया, वहीं बंगलादेश को शून्य शुल्क का लाभ दिया गया। खड़गे ने सवाल किया कि यह जीत है या फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की झूठी लोकप्रियता में लिपटी देशहित की कुर्बानी।

भाजपा सांसद के 'मिनी पाकिस्तान' कहने पर भड़के तृणमूल सदस्य

नई दिल्ली। राज्यसभा में भाजपा सांसद समिक भट्टाचार्य के कोल. काता बंदरगाह के एक हिस्से पर अवैध कब्जे का मुद्दा उठाते हुए उसे 'मिनी पाकिस्तान' कहने पर विपक्षी तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने कड़ी आपत्ति जताई और सदन के बीचों-बीच आकर नारेबाजी की। प्रश्नकाल शुरू होते ही भट्टाचार्य ने बालागढ़ लॉजिस्टिक्स परियोजना के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए अंग्रेजी में अपना पूरक प्रश्न पूछा। पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के बंगला भाषा में इसका जवाब देते हुए कहा कि यह परियोजना 900 एकड़ में होगी जिसमें कोलकाता के मौजूदा श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह की 300 एकड़ जमीन भी शामिल है।

विदेशी निर्भरता से किसान बर्बाद, भाजपा किसान विरोधी: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि यदि खेती से जुड़ी हर चीज़ विदेश से आएगी तो देश का किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा। उन्होंने सवाल उठाया कि ऐसी स्थिति में किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा और अपनी मेहनत की कमाई से परिवार कैसे चलाएगा। मंगलवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट कर अखिलेश यादव ने कहा कि जब किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा तो वह बच्चों की पढ़ाई, घर के बुजुर्गों का इलाज और बेटियों की शादी जैसे सामाजिक दायित्व कैसे निभा पाएगा। आज का पेट भरना मुश्किल होगा, तो कल के लिए बचत की उम्मीद करना बेमानी है। उन्होंने आरोप लगाया कि किसानों को नुकसान पहुंचाकर कोई भी सरकार लंबे समय तक देश नहीं चला सकती। भाजपा सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह विदेशी ताकतों के सामने देश के अन्नदाता के हितों का समर्पण क्यों कर रही है।

भर्ती प्रक्रिया में आरक्षण नियमों के अनुपालन को लेकर सरकार प्रतिबद्ध: केशव मौर्य

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को विधान परिषद में 2026-27 के बजट सत्र के दौरान स्पष्ट किया कि उत्तर प्रदेश सरकार सरकारी सेवाओं में आरक्षण संबंधी प्रावधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराने के अपने संकल्प पर पूरी तरह दृढ़ है। उन्होंने कहा कि आरक्षण नीति को लेकर किसी भी प्रकार की भ्रम की स्थिति नहीं है और सभी भर्तियां नियमों के अनुरूप पारदर्शी ढंग से की जाएंगी।

उप मुख्यमंत्री ने सदन को बताया कि प्रदेश में सरकारी सेवाओं में अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 27 प्रतिशत, अनुसूचित जाति के लिए 21 प्रतिशत, अनुस. ूचित जनजाति के लिए 2 प्रतिशत तथा सामान्य वर्ग के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस) के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि 40 प्रतिशत अनारक्षित श्रेणी किसी एक वर्ग के लिए आरक्षित नहीं है, बल्कि आरक्षित वर्ग का कोई भी पात्र अभ्यर्थी अनारक्षित श्रेणी में भी चयनित हो सकता है। केशव प्रसाद मौर्य ने बताया कि सभी सरकारी भर्तियों में आरक्षण नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिए कार्मिक विभाग द्वारा 30 दिसम्बर 2025 को शासनादेश जारी किया जा चुका है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भर्ती प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप हो।

काम कोर्स उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

संसेक्स 84273.92
निफ्टी 25935.15

सोना 157550
प्रति 10 ग्राम (24 कैरेट)

अर्थ व्यापार

चांदी रु. 257567
प्रति किलो

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन रही तेजी

मुंबई, वार्ता

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई का 30 शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 200 अंक से अधिक के बढ़त के साथ बंद हुआ। सेंसेक्स 208.17 अंक (0.25 प्रतिशत) चढ़कर 84,273.92 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक 67.85 अंक यानी 0.26 प्रतिशत ऊपर 25,935.15 अंक पर रहा। यह दोनों का 7 जनवरी के बाद का उच्चतम स्तर है।

चौतरफा लिवाली के बीच निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.32 प्रतिशत और निफ्टी स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.49 प्रतिशत चढ़ गया। टॉटो, मीडिया, धातु, रियलटी और तेल एवं गैस सेक्टरों में लिवाली का जोर रहा जबकि फार्मा, स्वास्थ्य, रसायन और सार्वजनिक बैंकों के समूहों में बिकवाली हावी रही। सेंसेक्स की कंपनियों में इटरनल का शेयर पांच प्रतिशत से अधिक चढ़ा। टाटा स्टील में भी करीब तीन फीसदी की तेज रही। महिंद्रा एंड महिंद्रा, पावरग्रिड, टेक महिंद्रा, एनटीपीसी, एलएंडटी, टीसीएस, मारुति सुजुकी और एक्सिस बैंक के शेयर एक प्रतिशत से ज्यादा की बढ़त में रहे। हिंदुस्तान यूनीलिवर और आईसीआईसीआई बैंक के शेयर भी हरे निशान में बंद हुए। एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 1.86 प्रतिशत की गिरावट रही। बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल के शेयर एक से दो प्रतिशत के बीच टूटे। एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, अडानी पोर्ट्स और आईटीसी के शेयर भी लाल निशान में रहे।

चांदी और सोने की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। मंगलवार को एमसीएक्स पर सोने-चांदी की कीमतों में गिरावट देखी गई। सोना 1,525 गिरकर 1,57,550 पर आ गया, चांदी भी 3,129 सस्ती होकर 2,57,567 प्रति किलो पर ट्रेड कर रही है। मंगलवार को खरीदारों और निवेशकों के लिए अच्छी खबर आई।

चांदी 4.20 लाख के ऑल टाइम हाई से अब तक 1.63 लाख रुपये से ज्यादा सस्ती हो गई है। वहीं सोना 1.94 लाख के ऑल टाइम हाई से अब तक 37,000 रुपये से ज्यादा नीचे जा चुका है। अगर कोई भारतीय नागरिक एक साल से ज्यादा समय विदेश में रहा है, तो वह सीमित मात्रा में सोने के गहने बिना ड्यूटी भारत ला सकता है। पुरुषों के लिए यह सीमा 20 ग्राम और महिलाओं के लिए 40 ग्राम है। यानी पुरुष यात्री 20 ग्राम और महिला यात्री 40 ग्राम तक के सोने के गहने बिना किसी टैक्स यानी ड्यूटी फ्री ला सकते हैं। रीवा के सर्राफा व्यपारी लखनलाल खंडेलवाल कहते हैं कि सिर्फ विंध्य क्षेत्र ही नहीं, बल्कि भारत में शादियां हो या कोई त्योहार हो, एक दूसरे को उपहार दिया ही जाता है। ऐसे मौके पर कई लोग सोना-चांदी जैसे मूल्यवान धातुएं तोहफे में देते हैं, लेकिन इन मेटल्स की कीमत बढ़ने के कारण अब लोग सोना चांदी खरीदने का प्लान कैंसिल करके दूसरे ऑप्शन (हीरा, प्लैटिनम, आभूषणों के अलावा अन्य उपहार) की तलाश कर रहे हैं। सोने चांदी की कीमतें बढ़ने के पीछे भू राजनीतिक तनाव का बढ़ना, फेड रेट कट की बढ़ती उम्मीद और मार्केट में बढ़ रही अनिश्चितताओं की स्थिति है। सोने के दाम बढ़ने के कारण मध्य और गरीब परिवारों के लिए सोना खरी. दना महंगा हो गया है।

चावल, चीनी, खाद्य तेलों के दाम बढ़े, दालों में रही घट-बढ़

नई दिल्ली, वार्ता

घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल के औसत भाव बढ़ गए। चावल के साथ चीनी और खाद्य तेलों की कीमतों में भी तेजी रही, जबकि गेहूं के भाव गत दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दालों की कीमतों में उतार-चढ़ाव रहा। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत दो रुपये बढ़कर 3,852 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गई। गेहूं 2,849 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा। आटा चार रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मिलाजुला रुख रहा। चना दाल औसतन 15 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल की औसत कीमत 42 रुपये और उड़द दाल की 20 रुपये बढ़ गई। मसूर दाल 12 रुपये और मूंग दाल सात रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई। विदेशों में मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम टॉयल का अप्रैल वायदा 63 रिंगिट टूटकर 4,097 रिंगिट प्रति टन रह गया।

अमेरिकी सोया तेल का मार्च वायदा भी 0.49 प्रतिशत फिसलकर 56.41 सेंट प्रति पौंड बोला गया। स्थानीय बाजारों में वनस्पति की औसत कीमत 60 रुपये और मूंगफली तेल की 28 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गई। पाम टॉयल 13 रुपये और सोया तेल 10 रुपये महंगा हुआ। सरसों तेल छह रुपये और सूरजमुखी तेल दो रुपये प्रति क्विंटल मजबूत हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ के औसत भाव गत दिवस के स्तर पर ही टिके रहे, जबकि चीनी छह रुपये प्रति क्विंटल महंगी हुई।

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीज़ादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त

भूख की कमी, बदहज़मी जॉन्डिस, फेटी लीवर, एल्कॉहलिक लिवर डिज़ीज़ आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहें फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

प्रथम पृष्ठ के शेष...

लोकसभा अध्यक्ष...

फरवरी और तीन फरवरी का विवरण दिया गया है, जिसमें कहा गया है कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। विपक्ष के नोटिस में श्री बिरला के उस बयान को भी दिया गया है, जिसमें उन्होंने लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नहीं आने का कारण बताया है। तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल का है, जबकि दूसरे स्थान पर द्रमुक के टीआर बालू का और फिर समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव का है। वहीं लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने नैतिक आधार पर फैसला किया है कि वह अपने खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे तक सदन में नहीं जाएंगे। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उनका यह कदम कांग्रेस की ओर से मंगलवार से उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के बाद आया। लोकसभा अध्यक्ष ने सदन के सचिव को निर्देश दिया कि वह उनके खिलाफ अविश्वास नोटिस की समीक्षा करें और उपयुक्त कार्रवाई करें। वहीं, भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि (लोकसभा में विपक्ष के नेता) राहुल गांधी और कांग्रेस नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया है। पात्रा ने कांग्रेस पर तमिलनाडु के जज के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की योजना का आरोप भी लगाया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि मंगलवार को दोपहर 1:14 बजे उन्होंने लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। सूत्रों के अनुसार, कुल 118 सांसदों ने इस नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने कहा कि विपक्ष के सां. सदों ने आरोप लगाया कि लोकसभा अध्यक्ष ने स्पष्ट तौर पर पक्षपाती व्यवहार किया और विपक्ष के नेताओं को बोलने की अनुमति नहीं दी।

पेंग्विन रैंडम...

दौरान संस्मरण के कुछ हिस्सों का जिक्र किया, जिसे उन्होंने 'प्रिंट से पहले का' स्वरूप बताया। उनकी बातों का सत्ता पक्ष के सदस्यों ने कड़ा विरोध किया, जिससे सदन में बार-बार रुकावट आई। इस मुद्दे पर कई बार रोक लगने के बावजूद, लोकसभा ने आखिरकार विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ध्वनि मत से धन्यवाद प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और न्यूज़ फ़ोरम पर 'फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी' की कथित प्रिंट-पूर्व संस्करण की मौजूदगी के बारे में चल रहे दावों पर ध्यान दिया है। विशेष सेल ने एक मामला दर्ज किया है, ताकि 'मंजूरी मिलने से पहले प्रकाशन के कथित वितरण' की जांच की जा सके। पुलिस अधिका. रियों ने पुष्टि की कि इन दावों की असलियत जांच करने और कथित वितरण के स्रोत का पता लगाने के लिए जांच चल रही है।

वाहनों की खुदरा बिक्री जनवरी में 17.6 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों और अच्छी फसल के कारण वाहनों की खुदरा बिक्री जनवरी में सालाना आधार पर 17.61 प्रतिशत बढ़कर 27,22,558 इकाई पर पहुंच गई। वाहन डीलरों के महासंघ (फाडा) द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों में बताया गया है कि जनवरी में दुपहिया की बिक्री एक साल पहले के मुकाबले 20.82 फीसदी बढ़कर 18,52,870 इकाई पर पहुंच गई। इस दौरान यात्री वाहनों की बिक्री 5,13,475 इकाई रही, जो 7.22 प्रतिशत की वृद्धि दिखाता है। वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री 15.07 प्रतिशत और तिपहिया की 18.80 प्रतिशत बढ़ी। देश में जनवरी में कुल 1,07,486 वाणिज्यिक वाहन और 1,27,134 तिपहिया वाहन बिके। ट्रैक्टरों की बिक्री 22.89 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,14,759 इकाई पर पहुंच गई। निर्माण उपकरणों की बिक्री में 21.09 प्रतिशत की गिरावट रही और यह 6,834 इकाई दर्ज की गई। बिक्री बढ़ाने में सबसे अधिक योगदान दुपहिया वाहनों का रहा। दुपहिया वाहनों की 56 प्रतिशत बिक्री ग्रामीण क्षेत्रों में और 44 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों में हुई।

जानबूझकर अस्थिरता व भ्रम का माहौला बना रहा विपक्ष

नई दिल्ली, वार्ता

भारतीय जनता पार्टी के र्प्वक्ता संबित पात्रा ने मंगलवार को विशेष गहन पुनीरीक्षण (एसआईआर) पर विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि वह संसद और संवैधानिक संस्थानों को लेकर देश में जानबूझकर अस्थिरता और भ्रम का माहौल बना रही है।

पात्रा ने मंगलवार को यहां भाजपा मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यह सिलसिला आज का नहीं है, बल्कि जब से भाजपा-राजग की सरकार बनी है, तब से राहुल गांधी, कांग्रेस और उसके सहयोगी दल जॉर्ज सोरोस के इशारों पर उच्चतम न्यायालय, चुनाव आयोग, लोकसभा अध्यक्ष और प्रधानमंत्री जैसे संवैधानिक संस्थानों पर लगातार हमले कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले कांग्रेस और अब ममता बनर्जी एसआईआर को फर्जी बताकर भाजपा एवं भारतीय लो. कतंत्र के खिलाफ एक खास नैरेटिव गढ़ने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि विपक्ष यह प्रचार कर रहा है कि एसआईआर चुनावी सूची की शुचिंता के लिए नहीं, बल्कि भाजपा के राजनी. तिक लाभ के लिए है और यह पूरी प्रक्रिया गैरकानूनी है। पात्रा ने कहा कि बीते सप्ताह सुश्री ममता ने उच्चतम न्यायालय में दावा किया था कि एसआईआर के माध्यम से पश्चिम बंगाल में अत्याचार हो रहा है और इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए। लेकिन न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट कर दिया कि एसआईआर को रोका नहीं जाएगा, जिसे उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सरकार के लिए करारा झटका बताया। उन्होंने कहा कि शीर्ष न्यायालय का यह निर्णय लो. कतांत्रिक व्यवस्था और चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता को और मजबूत करता है।

आउटसोर्सिंग कर्मचारियों की ईपीएफ राशि खातों में जमा कराने की उठी मांग

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने नियम 115 के अंतर्गत आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन से की जा रही ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) कटौती की राशि कर्मचारियों के खातों में अनिवार्य रूप से जमा कराए जाने की मांग उठाई। उन्होंने इस विषय को लोक महत्व का बताते हुए सरकार का ध्यान आकृष्ट किया। एमएलसी विजय बहादुर पाठक ने कहा कि राज्य में आउटसोर्सिंग के आधार पर कार्यरत कर्मचारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आउटसोर्सिंग सेवा निगम बनाए जाने का निर्णय लिया गया है, जिसकी पूरे प्रदेश में सराहना हो रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का शोषण आम बात थी, लेकिन वर्तमान सरकार ने इस दिशा में सकारात्मक पहल की है। उन्होंने यह भी बताया कि प्रदेश के कई हिस्सों से लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही हैं कि आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के वेतन से ईपीएफ की कटौती तो नियमित रूप से की जा रही है, लेकिन संबंधित धनराशि कर्मचारियों के खातों में जमा नहीं हो रही है। इस स्थिति से कर्मचारियों में भारी आक्रोश व्याप्त है और वे लगातार संबंधित विभागाध्यक्षों से शिकायत कर रहे हैं।

सीएम ने किया मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने डीबीटी के माध्यम से 484 लाभार्थियों को भेजी 3 करोड़ 45 लाख 34,500 रुपए की धनराशि

■ राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को मिलेगी नई दिशा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्य सेवक सदन, मुख्यमंत्री आवास, देहरादून में आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत संचालित मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना का शुभारंभ किया।

मुख्यमंत्री ने योजना का शुभारंभ करते हुए प्रथम चरण में जनपद बागेश्वर (42 लाभार्थी), देहरादून (191), नैनीताल (75), पौड़ी (66), टिहरी (23) एवं उधमसिंहनगर (87) के कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों के खातों में भेजी। इसके साथ मुख्यमंत्री ने विभागीय कैलेंडर का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री एकल महिला स्वरोजगार योजना, महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाएगी और उन्हें सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करेगी।

उन्होंने कहा राज्य की लाखों महिलाओं के संघर्ष, साहस और आत्मविश्वास को नई दिशा दी जा रही है। महिलाओं के बिना किसी भी राष्ट्र और समाज की उन्नति संभव नहीं है। महिला के सशक्त होने से परिवार के साथ पूरा समाज सशक्त होता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना के अंतर्गत कुल 484 लाभार्थियों को प्रथम किश्त के रूप में 3 करोड़ 45 लाख 34,500 की धनराशि दी जा रही है। शेष 7 जनपदों की 540 महिलाओं को भी लगभग 4 करोड़, महीने के अंत तक डीबीटी के माध्यम से भेजे जाएंगे। उन्होंने कहा इस योजना में हमने विधवा, परित्यक्ता, तलाकशुदा या किसी भी कारण से अकेले जीवन का भार उठाने वाली महिलाओं के साथ एसिड अटैक, आपराधिक घटना की पीड़िता, ट्रांसजेंडर्स को भी शामिल किया है।

कार्यक्रम में विभागीय सचिव चंद्रेश कुमार, निदेशक बंसीलाल राणा, उपनिदेशक विक्रम सिंह, आरती फलोदी, नीतू फुलेरा, मोहित चौधरी सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित है राज्य सरकार: धामी

मुख्यमंत्री ने कहा राज्य सरकार, राज्य की मातृशक्ति के कल्याण के लिए समर्पित होकर कार्य कर रही है। शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्यमिता, नौकरियों में प्रदेश की महिलाओं की भागीदारी बढ़ रही है। राज्य सरकार द्वारा उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, सशक्त बहना उत्सव योजना, मुख्यमंत्री महिला स्वयं सहायता समूह सशक्तिकरण योजना के माध्यम से राज्य की मातृशक्ति को नए अवसर प्रदान किए जा रहें हैं। साथ ही मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के अंतर्गत महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों को एक ब्रांड के रूप में विकसित किया जा रहा है।

एकल महिलाओं के लिए वरदान बनेगी स्वरोजगार योजना : रेखा आर्या

देहरादून। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि यह योजना तलाकशुदा, परित्यक्ता, विधवा अथवा अन्य कारणों से एकल हुई महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य महिलाओं को केवल सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर बनाकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। रेखा आर्या ने लाभार्थी महिलाओं से संवाद करते हुए कहा कि आज महिलाओं को सिर्फ दिखावटी सम्मान नहीं, बल्कि वास्तविक अवसरों की जरूरत है। उन्हें सहारा नहीं बल्कि सशक्तिकरण, उपकार नहीं बल्कि आत्मविश्वास, और सीमाओं में कैद जीवन नहीं बल्कि तरक्की की ऊँची उड़ान भरने के लिए खुला आसमान चाहिए। यह योजना महिलाओं को आर्थिक मजबूती देने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास को भी नई ऊँचाई प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि लाभार्थी महिलाओं से बातचीत के दौरान यह स्पष्ट महसूस हुआ कि यह योजना जरूरतमंद बहनों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है और इससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। रेखा आर्या ने बताया कि इस योजना के तहत बाकी सात जनपद की कुल 540 महिलाओं का चयन हो गया है और उन्हें धनराशि इसी माह के अंत तक वितरित कर दी जाएगी।

भावुक होकर रो दी कई महिलाएं

इस योजना के तहत जिन महिलाओं को धनराशि दी गई है उन सभी का जीवन बहुत संघर्षमय रहा है। धनराशि वितरण से पहले कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या ने जब उन महिलाओं से अपने अनुभव बताने को कहा तो कई महिलाएं भावुक हो गई। उनका कहना था कि अपना रोजगार करने के बाद में समाज में सम्मान के साथ अपने पैरों पर खड़ी हो सकेंगी।

बीमार पिता को भरण-पोषण न देने पर 1.50 लाख की आरसी जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। बुजुर्ग माता-पिता की सेवा में कोताही और अदालती आदेशों की अवहेलना अब भारी पड़ेगी। जिलाधिकारी सविन बंसल ने जनदर्शन में आए एक भावुक मामले पर कड़ा रुख अपनाते हुए, अपने बीमार पिता को प्रताड़ित करने वाले पुत्र के खिलाफ 1.50 लाख रुपये की आरसी (रिकवरी सर्टिफिकेट) जारी करने के निर्देश दिए हैं।

■ बुजुर्ग माता-पिता की सेवा में कोताही अब भारी पड़ेगी: डीएम

जनता दर्शन कार्यक्रम में 68 वर्षीय अशोक धवन ने डीएम को अपनी व्यथा सुनाई। उन्होंने बताया कि गंभीर बीमारियों से ग्रसित होने के बावजूद उनके पुत्रों द्वारा उनके साथ मारपीट और गाली-गलौज की जा रही है। एसडीएम कोर्ट ने वर्ष 2023 और फिर जुलाई 2025 में पुत्र को भरण-पोषण राशि देने का आदेश दिया था, लेकिन पुत्र ने एक रुपया भी नहीं दिया। उनका पुत्र नितिन धवन प्रतिमाह करीब 6 लाख रुपये वेतन प्राप्त करता है, लेकिन पिता को तय राशि देने से इनकार कर रहा है।सितंबर 2023 में कोर्ट ने 4,000 रुपये प्रतिमाह और जुलाई 2025 में इसे बढ़ाकर 10,000 रुपये प्रतिमाह किया था। तहसीलदार सुरेंद्र सिंह ने बताया कि पैसे मांगने पर बुजुर्ग को घर से निकालने की धमकी और शारीरिक प्रताड़ना दी जा रही है।मामले की गंभीरता देखते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल आरसी जारी कर बकाया राशि वसूलने के आदेश दिए।

एक दर्जन प्राथमिक विद्यालयों का होगा पुनर्निर्माण: डॉ. रावत

■ विद्यालय भवनों के मरम्मत व निर्माण कार्य को 568 लाख की धनरा. शि मंजूर

■ विभागीय अधिकारियों को निर्देश, नियत समय पर पूर्ण हो निर्माण कार्य

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। प्राथमिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत जर्जर हो चुके एक दर्जन से अधिक प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों का शीघ्र पुनर्निर्माण किया जायेगा। इन विद्यालयों के भवनों के निर्माण व मरम्मत कार्यों के लिये रू0 568.85 लाख की धनराशि मंजूर कर दी है साथ ही उक्त निर्माण कार्यों के लिये कार्यदायी संस्था भी नामित कर दी गई है। शीघ्र ही इस संबंध में शासन स्तर से आदेश जारी कर दिये जायेंगे।

सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिये विभिन्न स्तरों पर लगातार प्रयास कर रही है। विद्यालयों में भौतिक संसाधनों, अवसंरचनात्मक कार्यों से लेकर शिक्षकों की तैनाती कर उन्हें सुविधा सम्पन्न बनाया जा रहा है, ताकि प्राथमिक स्तर पर प्रदेश के नौनिहालों को बेहतर शिक्षा मुहैया हो सके। इसी कड़ी में सरकार ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों रूद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, टिहरी, देहरादून व चमोली में जर्जर व क्षतिग्रस्त हो चुके 16 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों के पुनर्निर्माण को रू0 568.85 लाख की धनराशि मंजूर कर दी है। जिसमें रूद्रप्रयाग जनपद के अंतर्गत राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुराड़ी, छतोड़ा, कमसाल, जसोली, सल्या में विद्यालय भवन के पुनर्निर्माण के लिये 32-32 लाख स्वीकृत किये हैं जबकि राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय पौड़ीखाल में पुनर्निर्माण के लिये 40.30 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार पिथौरागढ़ जनपद में राजकीय प्राथमिक विद्यालय लास्पासांई में भवन पुनर्निमाण के लिये 39 लाख, गैला में कक्षा-कक्ष व प्राधानाध्यापक कक्ष के निर्माण को 20.47 लाख जबकि मल्ला वल्थी के लिये 20.30 लाख की धनराशि मंजूर की गई है। टिहरी जनपद में राजकीय प्राथमिक विद्यालय तिखोन के लिये 34.86, सौन्दकोटी मल्ली 37.36, मंजूरीडागर 39.94 तथा राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय क्यारी-जमुण्डा के पुनर्निर्माण के लिये 29.59 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार जनपद चमोली में राजकीय प्राथमिक विद्यालय सुभाषनगर के भवन पुनर्निर्माण को 77.11 लाख जबकि देहरादून जिले में राजकीय प्राथमिक विद्यालय बद्रीपुर के भवन पुनर्निर्माण को 33.05 लाख तथा प्राथमिक विद्यालय बापूनगर जाखन के पुनर्निर्माण को 36.87 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। इसके साथ इन विद्यालयों में निर्माण कार्य के लिये ग्रामीण निर्माण विभाग के साथ ही पेयजल निगम को कार्यदायी संस्था नामित किया गया है। डा. रावत ने बताया कि इन सभी प्राथमिक विद्यालयों में मरम्मत व पुनर्निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के लिये विभागीय अधिकारियों को जरूरी निर्देश दे दिये गये हैं।

जन-जन की सरकार के तहत सात शिविर का आयोजन

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश सरकार द्वारा संचालित "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान निरंतर जनसेवा, सुशासन और पारदर्शिता की दिशा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।

इस अभिनव अभियान के माध्यम से शासन को सीधे आम जनता से जोड़ते हुए उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है।

अभियान के अंतर्गत मंगलवार को कुल 7 शिविरों (कैंपों) का आयोजन किया गया, जिनमें 5,507 नागरिकों ने प्रतिभाग कर विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। यह दर्शाता है कि आमजन का सरकार पर विश्वास निरंतर मजबूत हो रहा है।

सहस्त्रधारा से पूर्णागिरी के लिए हवाई सेवा शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश

■ उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण की उत्तराखण्ड एयर कनेक्टिविटी स्कीम के सम्बन्ध में बैठक आयोजित

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन की अध्यक्षता में मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण की उत्तराखण्ड एयर कनेक्टिविटी स्कीम के सम्बन्ध में बैठक सम्पन्न हुई। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली।

मुख्य सचिव ने आदि कैलाश, नाभिडांग और और जॉलीकाँग को हवाई सेवा से जोड़े जाने के लिए कार्ययोजना तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहस्त्रधारा से पूर्णागिरी के लिए भी हवाई सेवा शीघ्र शुरू किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में हवाई सम्पर्क बढ़ाए जाने की सम्भावनाएं तलाशे जाने के लगातार प्रयास किए जाएं। उन्होंने प्रदेश में पर्यटन सर्किट के विकास के ध्यान में रखते हुए हैलीपैड और हैलीपोर्ट सुविधाओं को बढ़ाए जाने पर जोर दिया। सचिव सचिन कुर्वे ने कहा कि प्रदेश में हेलीपैड और हेलीपोर्ट विकसित किए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही नैनीसैनी एयरपोर्ट को एयरपोर्ट ऑथोरिटी ऑफ इंडिया को हैंड ओवर किया जाएगा।

इस अवसर पर पर सचिव सचिन कुर्वे एवं अपर सचिव आशीष चौहान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

दोनों मंडलों में होगा उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण बहुउद्देशीय भवन/सामुदायिक भवन का निर्माण

■ मुख्यमंत्री ने दी सहमति, उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यों की समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को सचिवालय में उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कार्यों की समीक्षा की।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि राज्य के दोनों मंडलों में उत्तराखण्ड अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण बहुउद्देशीय भवन/सामुदायिक भवन का निर्माण किया जाए। उन्होंने कहा इन भवनों के निर्माण कार्य को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रस्तावित भवनों में बैंकट हॉल, गेस्ट हाउस, सभागार, प्रशिक्षण कक्ष, बैठक कक्ष एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं विकसित की जाएं, ताकि विभिन्न सामाजिक, शैक्षिक एवं प्रशासनिक गति. विधियों का संचालन किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को बहुउद्देशीय भवन की डीपीआर शीघ्र तैयार कर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओबीसी बाहुल्य क्षेत्रों में राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ओबीसी बाहुल्य क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जाए तथा नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति की निगरानी सुनिश्चित की जाए।

इस अवसर पर उत्तराखंड अन्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष संजय नेगी, प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, सचिव श्रीधर बाबू अदांकी, अपर सचिव नवनीत पांडे, अपर सचिव संदीप तिवारी एवं अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

सरकार के ताबूत में आखिरी कील का काम करेगा लोक भवन कूच: प्रीतम

■ 16 फरवरी को लोक भवन घेराव में जनता देगी करारा जवाब: कांग्रेस

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष, पूर्व नेता प्रतिपक्ष, चकराता विधायक, कांग्रेस चुनाव अभियान समिति के अध्यक्ष एवं सीईसी सदस्य प्रीतम सिंह ने प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में 16 फरवरी को प्रस्तावित लोकभवन घेराव को लेकर एक महत्वपूर्ण तैयारी बैठक ली।

बैठक में रायपुर, राजपुर, मसूरी सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री हरक सिंह रावत भी शामिल हुए।

प्रीतम सिंह ने कहा कि 16 फरवरी राजभवन कूच ऐतिहासिक होगा जो राज्य की वर्तमान सरकार के ताबूत में आखिरी कील का काम करेगा। प्रीतम सिंह ने कहा कि आज जनता वर्तमान भाजपा सरकार से बहुत अधिक त्रस्त है, ऐसे में मुख्य विपक्षी दल होने के नाते कांग्रेस पार्टी का दायित्व है कि वह आम जनता के मुद्दे पर सड़क से लेकर सदन तक सरकार से जवाब देही तय करे। प्रीतम ने कहा कि धामी सरकार हर मोर्चे पर पूरी तरह विफल हो चुकी है। महिला अपराध बेलगाम हैं, बेरोजगार युवा सड़कों पर हैं, विभाग भ्रष्टाचार में डूबे हुए हैं, किसान आत्महत्या को मजबूर हैं। इन ज्वलंत मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाजपा एक बार फिर 2022 की तरह "धार्मिक ध्रुवीकरण " का झूठा और सां. प्रदायिक राग अलाप रही है। लोकभवन घेराव के माध्यम से धामी सरकार की जनविरोधी नीतियों, भ्रष्टाचार और असंवे. दनशीलता के खिलाफ निर्णायक आवाज बुलंद की जाएगी। बैठक में मुख्य रूप से संजय शर्मा लालचंद शर्मा गरिमा मेहरा दसौनी, डॉ जसविंदर सिंह गोगी सूरत सिंह नेगी सुशांत बोरा महेंद्र नेगी नवीन जोशी वीरेंद्र पोखरियाल मदनलाल सोनिया आनंद रावत शिवानी थपलियाल मोहन काला रितेश छेत्री आदि मौजूद रहे ।

कूच ने उड़ा रखी है सरकार और प्रशासन की नींद: हरक

चुनाव प्रबंधन समिति के अध्यक्ष पूर्व का बिना मंत्री डॉ हरक सिंह रावत ने कहा कि वह राज्य सरकार की जन् विरोधी नीतियों,राज्य में व्याप्त अन्याय अराजकता और अत्याचार के खिलाफ पूरे प्रदेश में भ्रमण करके 16 फरवरी को होने वाले राजभवन कूच के लिए जन सहभागिता सुनिश्चित करने का कार्य कर रहे हैं और यह कूच भूतो ना भविष्यति यानि राज्य गठन के बाद सबसे बड़ा ऐतिहासिक कूच होने जा रहा है जिससे राज्य सरकार और प्रशासन की नींद उड़ा रखी हैं।

भाजपा दे जवाब, जॉर्ज एवरेस्ट की अरबों रुपए की भूमि कौड़ियों के भाव किसे और क्यों दी गई?

प्रीतम सिंह ने भाजपा को करारा जवाब देते हुए कहा कि देशभर में सरकारों द्वारा समय-समय पर शैक्षणिक संस्थानों को भूमि आवंटन की परंपरा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा को जवाब देना चाहिए कि जॉर्ज एवरेस्ट, जो उत्तराखंड की अमूल्य धरोहर है, उसकी अरबों रुपये की भूमि कौड़ियों के भाव किसे और क्यों दी गई? डाकपत्थर, ऊधमसिंह नगर सहित प्रदेश की बहुमूल्य भूमि किस प्रकार भू-माफियाओं के हवाले की जा रही है वह किसी से छुपा नहीं है। आज खनन माफिया, शराब माफिया और भू-माफिया राज्य की सरकार चला रहे हैं।

कपकोट की नई उड़ान: ग्रामीण बागेश्वर बना एडवेंचर टूरिज्म का चमकता सितारा

पैराग्लाइडिंग चैंपियनशिप ने कपकोट को दिलाई पर्यटन मानचित्र पर खास जगह

■ राष्ट्रीय स्तर के आयोजन से कपकोट में साहसिक पर्यटन को मिला नया प्रोत्साहन

शाह टाइम्स ब्यूरो

बागेश्वर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के उत्तराखंड में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के विजन के अनुरूप, सुदूर पर्वतीय क्षेत्र कपकोट अब एडवेंचर टूरिज्म के राष्ट्रीय मानचित्र पर मजबूती से उभर रहा है।

फरवरी 5 से प्रारंभ बागेश्वर जनपद में आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय एक्युरेसी पैराग्लाइडिंग प्रतियोगिता ने इस शांत ग्रामीण अंचल को देशभर के रोमांच प्रेमियों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना दिया है।

जालेख की पहाड़ियों से उड़ान भरते रंग-बिरंगे पैराग्लाइडरों से सजा कपकोट का आसमान पूरे आयोजन के दौरान उत्सव का अहसास कराता रहा। देश के विभिन्न राज्यों से आए 92 पायलटों ने इस प्रतियोगिता में पंजीकरण कराया, जिनमें से 78 प्रतिभागियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। हजारों स्थानीय दर्शकों और पर्यटकों की उपस्थिति ने यह सिद्ध कर दिया कि कपकोट में साहसिक खेलों के प्रति जबरदस्त उत्साह है। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे और क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया द्वारा किया गया। जिलाधिकारी ने इसे बागेश्वर के लिए ऐतिहासिक पहल बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल पर्यटन को बढ़ावा मिलता है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था सशक्त होती है और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं।

पहले दिन से लेकर समापन तक प्रतियोगिता का रोमांच चरम पर रहा। विशेषज्ञों के अनुसार कपकोट का भौगोलिक परिवेश पैराग्लाइडिंग, ट्रैकिंग और अन्य साहसिक खेलों के लिए अत्यंत अनुकूल है। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों के लिए तकनीकी प्रशिक्षण और सुरक्षा संबंधी सत्र भी आयोजित किए गए, जिससे प्रतियोगिता का स्तर और अधिक पेशेवर बना।

समापन समारोह में जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने स्वयं जालेख से उड़ान भरकर इस रोमांच का अनुभव लिया और कहा कि "कपकोटख्बागेश्वर अब एडवेंचर टूरिज्म के नए गंतव्य के रूप में स्थापित हो चुका है। भविष्य में इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे।"

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रहे मनीष उप्रेती को ६1,00,000, द्वितीय स्थान पर रहे मनीष भंडारी को ६50,000 तथा तृतीय स्थान पर पंकज कुमार को ६30,000 की पुरस्कार राशि प्रदान की गई। महिला पायलटों को भी विशेष प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन की सफलता ने स्पष्ट संदेश दिया है, कभी शांत समझा जाने वाला कपकोट अब केवल एक ग्रामीण इलाका नहीं, बल्कि देश का उभरता

साइबर ठगों से बचना है तो इंटरनेट पर सावधानी ही सुरक्षा का मंत्र: पांडेय

देहरादून। 'सुरक्षित इंटरनेट दिवस' के अवसर पर मंगलवार को एनआईसी सभागार में एक विशेष जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अंकुश पांडेय की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में सरकारी कार्मिकों और स्कूली बच्चों को इंटरनेट के सुरक्षित व जिम्मेदार उपयोग के गुर सिखाए गए।कार्यशाला को संबोधित करते हुए श्री अंकुश पांडेय ने कहा कि वर्तमान दौर में इंटरनेट और एआई हमारे जीवन का अनिवार्य हिस्सा बन चुके हैं। उन्होंने जोर दिया कि इंटरनेट जहाँ सूचनाओं का भंडार है, वहीं असामाजिक तत्व इसका दुरुपयोग कर साइबर फ्रॉड और डेटा चोरी जैसी घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ष्सतर्कता और जागरूकता ही साइबर अपराधों से बचाव का सबसे बड़ा हथियार है।

फायर स्टेशन का कार्मिक 20 हजार की घूस लेते गिरफ्तार

■ भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई के तहत मिली बड़ी सफलता

शाह टाइम्स संवाददाता

कोटद्वार। उत्तराखंड में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत सोमवार देर शाम एक और बड़ी सफलता मिली है। फायर स्टेशन कोटद्वार में तैनात लीडिंग फायरमैन रणधीर सिंह को 20 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए फायर स्टेशन के पास से रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। आरोपी फायरमैन पर आरोप है कि वह मालिनी वैली कॉलेज ऑफ एजूक. ेशन, कोटद्वार की बिल्डिंग की फायर एनओसी के नवीनीकरण के नाम पर शिकायतकर्ता से अवैध धनराशि की मांग कर रहा था। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता कॉलेज भवन की फायर एनओसी रिन्यूअल प्रक्रिया पूरी कराने के लिए फायर स्टेशन कोटद्वार के चक्कर लगा रहा था। इसी दौरान लीडिंग फायरमैन रणधीर सिंह ने एनओसी नवीनीकरण के बदले 20 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। आरोपी ने स्पष्ट रूप से संकेत दिया कि बिना पैसे दिए एनओसी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ेगी। भ्रष्टाचार से परेशान होकर शिकायतकर्ता ने पूरे मामले की सूचना संबंधित एजेंसी को दी, जिसके बाद एक गोपनीय ट्रैप योजना तैयार की गई। पूर्व निर्धारित रणनीति के तहत जैसे ही आरोपी ने फायर स्टेशन के पास रिश्वत की रकम ली, टीम ने उसे रंगे हाथ धर दबोचा।

जलई गांव में भालू का आतंक बुजुर्ग महिला को किया लहूलुहान

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विकासखंड अगस्तमुनि के अंतर्गत ग्राम जलई में भालू के हमले ने एक बार फिर पहाड़ में मानव-वन्यजीव संघर्ष की भयावह तस्वीर पेश की है। जंगल से सटे खेत में काम कर रही बुर्जग महिला पर भालू ने अचानक हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने बामुश्किल महिला को भालू के चंगुल से छुड़ाया। आनन-फानन में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अगस्तमुनि लाया गया। जहा प्राथमिक उपचार के बाद उन्हे जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग रेंफर किया गया।

उपचार कर रहीं डॉ. ज्योति शाह ने बताया कि महिला की स्थिति फिलहाल स्थिर है, लेकिन शरीर पर गहरे घाव और खून का थक्का जमने के कारण बेहतर इलाज के लिए उन्हें जिला अस्पताल रुद्रप्रयाग रेफर किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम हरकत में आई। रेंजर एचएस रावत ने बताया कि क्षेत्र में दहशत को देखते हुए 6 सदस्यीय टीम तैनात की गई है। फॉरेस्टर गौरव भट्ट और फॉरेस्ट गार्ड ऋषिराज की देखरेख में प्रभावित इलाके में गश्त बढ़ा दी गई है ताकि दोबारा ऐसी घटना न हो।

वहीं, इस घटना पर राजनीति भी गरमा गई है। उत्तराखंड क्रांति दल के जिला अध्यक्ष सूरत सिंह झिंक्वाण ने कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे प्रशासन की विफलता करार दिया। उन्होंने कहा कि आए दिन हो रहे हमलों के बावजूद प्रशासन और विभाग कोई ठोस ठोस कदम नहीं उठा रहा हैं, जिससे ग्रामीण अपनी ही जमीन पर असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। घटना के बाद से जलई और आसपास के गांवों में दहशत का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से भालू को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की।

टिहरी के स्कूलों व कॉलेजों में अब होगी रैंडम ड्रग टेस्टिंग, डीएम ने दिए निर्देश

- नशा मुक्त भारत अभियान को लेकर एनकॉर्ड की बैठक, शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध
- मेडिकल स्टोरों पर भी रहेगी पैनी नजर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। जनपद को नशा मुक्त बनाने और युवा पीढ़ी को इस दलदल से बचाने के लिए टिहरी प्रशासन ने अब सख्त कदम उठाने का फैसला किया है। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल की अध्यक्षता में आयोजित राष्ट्रीय नार्को समन्वय केंद्र (एनकॉर्ड) की बैठक में एक बड़ा निर्णय लिया गया। अब जनपद के स्कूलों और कॉलेजों में छात्रों की रैंडम ड्रग टेस्टिंग की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग ने बैठक में जानक. ारी दी कि इसके लिए ड्रग टेस्टिंग किट के सैंपल मंगा लिए गए हैं, जिसके माध्यम से शिक्षण संस्थानों में औचक जांच अभियान चलाया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बैठक में नशीले पदार्थों की उपलब्धता पर प्रहार करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में तंबाकू या अन्य नशीले उत्पादों की दुकानें संचालित नहीं होनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी। इसके साथ ही, उन्होंने स्कूलों के आसपास उग रही भांग की खेती को तत्काल नष्ट करने के आदेश भी दिए। वन विभाग ने बैठक में बताया कि वे नियमित निरीक्षण कर पोस्त, अफीम और भांग की अवैध खेती को नष्ट करने की कार्रवाई कर रहे हैं।नशीली दवाओं के दुरुपयोग को रोकने के लिए डीएम ने मेडिकल स्टोरों की निगरानी बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने ड्रग इंस्पेक्टर को पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर एक रोस्टर तैयार करने और मेडिकल स्टोरों का नियमित निरीक्षण करने को कहा, ताकि बिना प्रिस्क्रिप्शन के नशीली दवाओं की बिक्री पर रोक लगाई जा सके। इसके अलावा, मानस हेल्पलाइन (ड।छौ) के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी जोर दिया गया, ताकि नशा छोड़ने के इच्छुक लोगों को सही मदद मिल सके। जेल प्रशासन ने बताया कि बंदियों की काउंसलिंग के साथ-साथ मानस पोस्टर का प्रचार किया जा रहा है।

बैठक में शिक्षा और बाल कल्याण विभाग ने जागरूकता अभियानों की जानकारी दी। शिक्षा विभाग द्वारा वर्कशॉप, क्विज और शपथ कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है, जबकि बाल कल्याण समिति ने आठ विद्यालयों में जागरूकता कैंप लगाए हैं। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार, एएसपी दीपक सिंह, पीजी कॉलेज से डॉ. जयेन्द्र सजवान, जेल प्रशासन से दीपाली, स्वास्थ्य विभाग से डॉ. रीना व डॉ. बृजेश, बाल कल्याण समिति से रश्मि, समाज कल्याण अधिकारी मयंक, जिला सेवायोजन अधिकारी लक्ष्मी और पंचायती राज विभाग से रविन्द्र सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

छात्रों को साइबर सुरक्षा एवं एआई के प्रति किया जागरूक

श्रीनगर। अलकनंदा वैली रोटरी क्लब के ओर से साइबर सुरक्षा एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) विषय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय, पोखाल टिहरी गढ़वाल में हुए कार्यक्रम में घनसाली प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार ने साइबर फ्रॉड के विभिन्न प्रकारों, उनसे बचाव तथा सतर्कता के उपायों पर विस्तार से जानकारी दी। मौके पर गढ़वाल विवि के आईटी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं एआई विषय विशेषज्ञ डॉ. वरुण बडथ्वाल ने छात्र-छात्राओं के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर एक रोचक एवं इंटरएक्टिव विमर्श किया। मौके पर छात्रों को एआई से सुरक्षित, रचनात्मक एवं उपयोगी पहलुओं को सरल भाषा में समझाया गया। मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य एमके सिंह, सीबी तिवारी, क्लब अध्यक्ष रोटेरियन डॉ. सुनील बिजल्वाण, अर्जुन सिंह गुसाईं, केएस, , हितेंद्र जोशी सहित आदि मौजूद थे।

लोनिवि कर्मियों का बेमियादी कार्य बहिष्कार

- तबादले और पदोन्नति न होने से नाराज कर्मचारियों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ की नारेबाजी,13 को विभागाध्यक्ष और 18 फरवरी को सचिवालय घेराव की चेतावनी, आर-पार की लड़ाई का ऐलान

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। पारस्परिक स्थानांतरण और पदोन्नति की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) के कर्मचारियों का धैर्य अब जवाब दे गया है। अपनी मांगों की अनदेखी से नाराज लोनिवि प्रांतीय खंड बौराड़ी के मिनिस्ट्रीयल कर्मियों ने मंगलवार से बेमियादी कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया है। उत्तरांचल लोक निर्माण विभाग मिनिस्ट्रीयल एसोसिएशन के बैनर तले कर्मचारियों ने कार्यालय परिसर में धरना-प्रदर्शन किया और शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

लोनिवि खंडीय अध्यक्ष उपेंद्र शाह के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में कर्मचारियों ने विभागीय उच्चाधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। वक्ताओं ने कहा कि विभाग में पारस्परिक स्थानांतरण पूर्व से ही सक्षम अधिकारियों द्वारा किए जाते रहे हैं, लेकिन अब इसे जानबूझकर लटकाया जा रहा है। प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष का कहना है कि इन तबादलों पर आगामी स्थानांतरण सत्र में ही विचार किया जाएगा, जो कि तर्कसंगत नहीं है। कर्मचारियों का तर्क है कि इस प्रकार के स्थानांतरण करने के लिए अधीक्षण अभियंता और मुख्य अभियंता स्तर के अधिकारी सक्षम हैं, फिर भी फाइलों को अटकाया जा रहा है। संगठन का आरोप है कि विभागाध्यक्ष स्तर से समस्याओं को सुलझाने के बजाय उलझाया जा रहा है, जिससे कर्मियों में भारी रोष व्याप्त है।

संगठन के जिला मंत्री मोहित कुमार ने आंदोलन की आगामी रणनीति का खुलासा करते हुए बताया कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन को और उग्र किया जाएगा। उन्होंने ऐलान किया कि प्रांतीय संगठन के आह्वान पर 13 फरवरी को प्रदेश भर के कर्मचारी देहरादून स्थित प्रमुख अभियंता एवं विभागाध्यक्ष कार्यालय पर एकत्र होंगे और रैली निकालकर घेराव करेंगे।

इसके बाद भी यदि समाधान नहीं निकला, तो 18 फरवरी को सभी खंडीय मिनिस्ट्रीयल कर्मी सचिवालय का घेराव करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

धरना-प्रदर्शन के दौरान कार्यालय का कामकाज पूरी तरह ठप रहा। इस मौके पर धनीराम तलवान, राजीव बहल, सोमवारी लाल भट्ट, विनय रवि, गीताराम चमोली, सुलक्षणा साह, आदेश चमोली, आशीष नौटियाल और रविंद्र धनोला सहित बड़ी संख्या में विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे। सभी ने एक स्वर में मांग पूरी होने तक डटे रहने का संकल्प लिया।

वाद-विवाद प्रतियोगिता के लिए चार छात्रों का चयन

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय में अखिल भारतीय श्री नंदलाल गड़िया स्मृति वाद-विवाद प्रतियोगिता-2026 के लिए आयोजित विश्वविद्यालय स्तरीय ऑडिशन/चयन प्रतियोगिता का परिणाम घोषित कर दिया गया है। यह ऑडिशन मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तौड़गढ़ (राजस्थान) में 27 एवं 28 फरवरी 2026 को आयोजित होने वाली अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रतिभाग के लिए टीम नामित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। परिणाम के अनुसार अंग्रेजी माध्यम में अदिति मिंगवाल (पक्ष) एवं आयुष तिवारी (विपक्ष) तथा हिंदी माध्यम में करन सिंह (पक्ष) एवं किरन पुरोहित (विपक्ष) का चयन किया गया है। ये चारों प्रतिभागी आगामी अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में गढ़वाल विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे।

एक नजर ....

किल्बौखाल न्याय पंचायत में लगा बहुउद्देशीय शिविर

कोटद्वार । जन जन की सरकार, जन-जन के द्वार अभियान के तहत विकासखंड रिखणीखाल की न्याय पंचायत किल्बौखाल में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 55 शिकायतें दर्ज हुईं, जिनमें से 49 शिकायतों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। वहीं 138 पात्र लाभार्थियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ भी दिया गया। शिविर की अध्यक्षता उपजिलाधिकारी शालिनी मौर्य ने की। उन्होंने शिविर में पहुंचे ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और कई मामलों का समाधान मौके पर ही कराया। शेष शिकायतों के निस्तारण के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में इन शि. विरों में प्रतिभाग कर अपनी समस्याओं का समाधान कराएं और योजनाओं का लाभ लें ।शिविर में कुल 538 लोगों ने प्रतिभाग किया। उपजिलाधिकारी ने शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण भी किया तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि पात्र व्यक्तियों को योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी देवेश पंत सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम

श्रीनगर में बजट संवाद कार्यक्रम आयोजित भाजपा महिला कार्यकर्ता हुई शामिल

श्रीनगर। भाजपा महिला मोर्चा पौड़ी की ओर से मंगलवार को अदिति स्मृति न्यास में आयोजित बजट संवाद कार्यक्रम में केंद्रीय बजट 2026-27 पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष महिला मोर्चा रीता चमोली ने बजट को समाज के प्रत्येक वर्ग, विशेषकर महिलाओं के उत्थान से जुड़ा महत्वपूर्ण दस्तावेज बताया। चमोली ने कहा कि केंद्रीय बजट केवल आंकड़ों का संकलन नहीं है, बल्कि यह महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। बजट में महिला सशक्तिकरण, स्वरोजगार, स्वास्थ्य और शिक्षा से जुड़े प्रावधानों पर उन्होंने विस्तार से जानकारी दी और महिलाओं से इन योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की संयोजक एवं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रमिला भंडारी ने कहा कि बजट मात्र एक दस्तावेज नहीं, बल्कि समाज के हर वर्ग और प्रत्येक महिला के सर्वांगीण विकास का संकल्प है। कहा कि ऐसे संवाद कार्यक्रमों से आमजन तक बजट की सही जानकारी पहुंचती है और लोग सरकारी योजनाओं से सीधे जुड़ पाते हैं।कार्यक्रम में ललिता नेगी, मीना असवाल, शांति भट्ट, पूजा गौतम, रेनू सुन्द्रियाल, रेखा रावत, मुन्नी पांडे, रामेश्वरी देवी, उमा गुनसोला, राजी पुरी, लक्ष्मी रावत, सुनीता गैरोला, गुड्डी गैरोला आदि उपस्थित रहे।

श्रीनगर में सर्वाजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने पर हुई कार्रवाई

श्रीनगर। नगर निगम प्रशासन द्वारा शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाने के लिए चलाई जा रही मुहिम झटके लगते जा रहे हैं। तमाम अपीलों के बावजूद लोग खुले में कूड़ा फेंकने से बाज नहीं आ रहे हैं। इसी क्रम में नगर निगम प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए खुले में कूड़ा फेंकने के आरोप में छह लोगों के चालान काटे हैं। सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेंकने पर लोगों की वीडियों कमरे में कैद हुई है। नियमों का उल्लंघन पाएं जाने पर ही लोगों की पहचान कर चालानी कार्यवाही की मांग की। नगर निगम श्रीनगर के सफाई निरीक्षक शशि पंवार ने बताया कि सार्वजनिक स्थानों पर कूड़ा फेकने पर 6 लोगों पर चालानी कार्यवाही की गई है। कहा कि शहर की स्वच्छता बनाए रखने के लिए ऐसे मामलों में सख्ती बरती जाएगी। उन्होने नागरिकों से अपील की है कि वे कूड़ा निर्धारित स्थानों पर ही डालें और नगर निगम द्वारा संचालित स्वच्छता अभियान में सहयोग करें।

चारधाम यात्रा को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण अनुकूल बनाने की तैयारी तेज

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग।आगामी चारधाम यात्रा 2026 को स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में जिलाधिकारी प्रतीक जैन की अध्यक्षता में जिला कार्यालय स्थित एनआईसी सभागार में संबंधित विभागों, नगर निकायों एवं विभिन्न एजेंसियों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।

बैठक का मुख्य उद्देश्य चारधाम यात्रा मार्ग एवं प्रमुख पड़ावों पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करना तथा यात्रियों एवं श्रद्धालुओं को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना रहा। बैठक में यात्रा अवधि के दौरान उत्पन्न होने वाले कूड़े के वैज्ञानिक संग्रहण, निस्तारण एवं रीसाइक्लिंग को लेकर विस्तृत कार्ययोजना पर चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने पूर्व में किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इस वर्ष ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को और अधिक व्यवस्थित, तकनीकी रूप से सक्षम एवं परिणामोन्मुख बनाया जाए। जिलाधिकारी ने डिपॉजिट रिफंड स्कीम को प्रभावी रूप से लागू करने पर विशेष जोर दिया, ताकि यात्री प्लास्टिक बोतल, रैपर एवं अन्य अपशिष्ट सामग्री वापस जमा करने के लिए प्रेरित हों। साथ ही स्थानीय व्यापारियों, होटल एसोसिएशन, दुकानदारों एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स को स्वच्छता अभियान से जोड़ते हुए व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम संचा. लित करने के निर्देश दिए।

बैठक में अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, उप जिलाधिकारी ऊखीमठ अनिल रावत, जिला पर्यटन विकास अधिकारी राहुल चौबे, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका रुद्रप्रयाग सुनील सिंह राणा, नगर पंचायत तिलवाड़ा मनीषा, नगर पंचायत अगस्त्यमुनि निकिता भट्ट, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत संजय कुमार, सुलभ इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन के सदस्य सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

मेले के टेंडर में साझेदारी के नाम पर लाखों की ठगी का आरोप

- श्रीनगर और हरिद्वार के तीन व्यक्तियों पर 19.50 लाख रुपये की ठगी का आरोप,रकम उपजिलाधिकारी,पार्षद व व्यापार मंडल के नाम से ली गई

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। बैकुंठ चतुर्दशी मेले के टेंडर में साझेदारी के नाम पर धोखाधड़ी और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। उत्तर प्रदेश के जनपद शामली निवासी सेठपाल ने कोतवाली श्रीनगर में शिकायती पत्र देकर श्रीनगर और हरिद्वार के तीन व्यक्तियों पर 19.50 लाख रुपये की ठगी और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। कोतवाली श्रीनगर में दिए लिखित शिकायती पत्र में सेठपाल ने बताया कि नवंबर 2025 में बैकुंठ चतुर्दशी मेले के आयोजन को लेकर उसने तीन युवकों के साथ साझेदारी की। कहा कि जिसमें से दो युवक श्रीनगर व एक हरिद्वार का निवासी है। बताया कि टेंडर श्रीनगर के युवक के नाम से खोला गया था। पत्र के माध्यम से आरोप लगाया कि मेले के बाद जब आय-व्यय का हिसाब मांगा गया तो युवकों ने विभिन्न मदों में कथित भुगतान का हवाला देते हुए उससे अतिरिक्त धनराशि ली। सेठपाल का कहना है कि उसने अलग-अलग किस्तों में कुल 19.50 लाख रुपये युवकों को दिए, लेकिन न तो हिसाब दिया गया और न ही रकम लौटाई गई। बताया कि यह रकम उपजिलाधिकारी, निगम पार्षदों व व्यापार मंडल को देने के नाम पर ली गई है। उप निरीक्षक मुकेश भट्ट ने बताया कि मामले को लेकर उत्तरप्रदेश शामली निवासी सेठपाल ने शिकायती पत्र दिया है। दूसरे पक्ष को भी सुना जा रहा है, मामले की जांच की जा रही है।

जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत बहुउद्देशीय शिविर आयोजित

- जिलाधिकारी की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर में 200 से अधिक ग्रामीणों को मिला योजनाओं का लाभ

शाह टाइम्स संवाददाता

चमोली। मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड के निर्देशानुसार प्रदेश में आम जनमानस को केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के उद्देश्य से "जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार" अभियान के अंतर्गत जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को उत्कृष्ट राजकीय इंटरमीडिएट कॉलेज रडुवा चांदनी खाल न्याय पंचायत किमोठ में बहुउद्देशीय शिविर " 'प्रशासन गांव की ओर' " कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस शिविर के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने विभागीय स्टालों के माध्यम से पात्र लाभार्थियों को केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ मौके पर ही आवेदन, शिकायत एवं समस्याओं का निस्तारण किया गया।

कार्यक्रम स्थल पर पहुँचने पर जिलाधिकारी ने सर्व प्रथम विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण किया गया।

शिविर में उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, उद्योग, समाज कल्याण, पंचायती राज/ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान आरोग्य शिविर, राजस्व विभाग, महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास, , पूर्ति विभाग सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को लाभान्वित किया गया।शिविर के दौरान वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, दिव्यांग पेंशन, राशन कार्ड, आधार से संबंधित सेवाएं, विभिन्न प्रमाण पत्रों स्वरोजगार एवं आजीविका से जुड़ी योजनाओं सहित अन्य जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया गया

।शिविर में राज्य मंत्री रामचंद्र गौड़,भाजपा मंडल अध्यक्ष ग्रामीण राधा रावत, रंजन सिंह रावत जिला कार्यकारणी सदस्य, दिगपाल सिंह नेगी, ग्राम प्रधान किमोठा हरिकृष्ण प्रसाद, खंड विकास अधिकारी शिव सिंह भंडारी,तहसीलदार जित. ेंद्र रावत,सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

क्यूड़ी में गुलदार का कहर, दो दिन में दो गायें मौत के घाट उतारी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। विकासखंड अगस्त्यमुनि की दूरस्थ ग्राम पंचायत क्यूड़ी दशज्युला में गुलदार का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते दो दिनों में गुलदार ने गांव के रिहायशी क्षेत्र में घुसकर दो गायों को मार डाला, जिससे पूरे इलाके में भय और आक्रोश का माहौल बन गया है। ताजा घटना बीती रात की है, जब गुलदार ने गौशाला में बंधी गाय को अपना निवाला बना लिया, जबकि परसों भी इसी क्षेत्र में एक गाय को मार दिया गया था।

लगातार हो रहे हमलों से ग्रामीणों की रातों की नींद उड़ गई है। पहाड़ी क्षेत्रों में पशुपालन ही ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य आधार है, ऐसे में गुलदार के हमलों से उनकी आर्थिक रीढ़ टूटती नजर आ रही है। घटनाओं के बाद ग्रामीणों में वन विभाग के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि बार-बार सूचना देने के बावजूद विभाग केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित है।

न तो नियमित गश्त बढ़ाई जा रही है और न ही गुलदार को पकड़ने के लिए ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।ग्रामीण नरेंद्र सिंह रावत ने कहा कि लगातार हो रहे हमलों के बावजूद विभाग गंभीर नहीं है, जिससे किसी बड़ी अनहोनी की आशंका बनी हुई है। महावीर सिंह रावत का कहना है कि पशुपालन ही उनकी रोजी-रोटी है और लगातार पशु मारे जाने से परिवारों के सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। वहीं देवेंद्र सिंह नेगी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जल्द गुलदार को पकड़ने और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए तो ग्रामीण उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। ग्रामीणों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को तत्काल मुआवजा, गांव व आसपास के जंगलों में गश्त बढ़ाने और गुलदार को पकड़ने के लिए शीघ्र पिंजरा लगाने की मांग की है।

रामपुर जंगल में घास काटने गई महिला की पहाड़ी से फिसलकर मौत

- एसडीआरएफ ने दुर्गम क्षेत्र से शव बरामद कर पुलिस को सौंपा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। जनपद के सोनप्रयाग क्षेत्रान्तर्गत रामपुर न्यालसू जंगल में घास काटने गई एक महिला की पहाड़ी से फिसलकर दर्दनाक मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही एसडीआरएफ की टीम ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र से शव बरामद किया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को कोतवाली सोनप्रयाग ने एसडीआरएफ को सूचना दी कि रामपुर न्यालसू जंगल क्षेत्र में घास काटने गई एक महिला पहाड़ी से गिर गई है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ पोस्ट सोनप्रयाग से उप निरीक्षक संतोष परिहार के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई।

एसडीआरएफ टीम सड़क मार्ग से रामपुर गांव तक पहुंची, इसके बाद मंदाकिनी नदी को पैदल पार करते हुए लगभग दो किलोमीटर की खड़ी व अत्यंत दुर्गम पहाड़ी चढ़ाई कर घटनास्थल तक पहुंच बनाई। मौके पर पहुंचने पर पता चला कि घास काटते समय दुर्घटनाग्रस्त हुई महिला गीता देवी (पत्नी गजपाल सिंह), उम्र लगभग 40 वर्ष, निवासी रामपुर न्यालसू की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो चुकी थी। रेस्क्यू टीम द्वारा विशेष उपकरणों की सहायता से तीव्र ढाल वाले पहाड़ी क्षेत्र से महिला के शव को लगभग तीन किलोमीटर पैदल नीचे लाया गया, जिसके पश्चात शव को विधिक कार्रवाई के लिए जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। घटना से क्षेत्र में शोक की लहर है। प्रशासन ने परिजनों को हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

विभागीय आपदा प्रबंधन योजना बनाने की डेडलाइन तय

सचिव सुमन ने 28 फरवरी तक का दिया समय, सेंदाई फ्रेमवर्क के तहत किए जा रहे कार्यों की समीक्षा

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। सेंदाई फ्रेमवर्क (2015-2030) के लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति सुनिश्चित करने के लिए सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास श्री विनोद कुमार सुमन ने राज्य के सभी रेखीय विभागों को अपने-अपने विभागीय आपदा प्रबंधन प्लान को 28 फरवरी तक अनिवार्य रूप से अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आपदा प्रबंधन योजनाएं केवल औपचारिक दस्तावेज न रहकर विभागीय कार्यप्रणाली का अभिन्न हिस्सा बननी चाहिए, ताकि आपदा के समय त्वरित, समन्वित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने कहा कि आपदा प्रबंधन योजना में सेंडई फ्रेमवर्क के अंतर्गत आपदा जोखिम न्यूनीकरण, तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्बहाली से जुड़े लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सभी

■ कहा-योजना केवल औपचारिक दस्तावेज तक सीमित न रहे

विभागों को अपने-अपने दायित्वों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करना होगा।

योजनाओं में यह स्पष्ट रूप से अंकित होना चाहिए कि आपदा से पहले, आपदा के दौरान और आपदा के बाद विभाग की भूमिका क्या होगी तथा किस अधिकारी और इकाई द्वारा कौन-सा कार्य किया जाएगा।

मंगलवार को राज्य आपातक. ालीन परिचालन केंद्र में आयोजित

विभागों को मॉक ड्रिल कराने के निर्देश

देहरादून। सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने निर्देश दिए कि सभी विभाग नियमित रूप से आपदा के दौरान अपने-अपने विभाग से संबंधित कार्यों को लेकर मॉक अभ्यास आयोजित करें, जिससे आपदा के समय विभागीय मानव संसाधन, उपकरणों, संचार व्यवस्था एवं समन्वय क्षमता का वास्तविक परीक्षण हो सके। मॉक अभ्यास के दौरान सामने आने वाली कमियों को दूर किया जाए ताकि आपदा की स्थिति में प्रभावी रूप से राहत एवं बचाव कार्य संचालित किए जा सकें।

समीक्षा बैठक के दौरान सचिव सुमन ने निर्देश दिए कि प्लान में विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आम जनमानस के क्षमता विकास को विशेष प्राथमिकता दी जाए।

बैठक में यूएसडीएमए के वित्त नियंत्रक अभिषेक कुमार आनंद, संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी मो ओबैदुल्लाह अंसारी, डॉ पीडी माथुर, डॉ. बिमलेश जोशी, यूजेवीएनएल के ईई मनोज रावत, शहरी विकास के सहायक निदेशक विनोद कुमार, डिप्टी डायरेक्टर सो. निका पंत, पशुपालन विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील कुमार अवस्थी, डॉ अशोक कुमार, शिक्षा विभाग से रचना रावत, विमल असवाल, राजेश लाम्बा, नवीन सिंघल, एसई पिटकुल बीएस पांगती के साथ ही विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

आपदा प्रबंधन प्लान में ये रहेंगे शामिल

- राज्य एवं विभाग से संबंधित आपदा जोखिम एवं संवेदनशीलता विश्लेषण
- रोकथाम एवं न्यूनीकरण के उपाय
- तैयारी एवं प्रतिक्रिया योजना
- उपलब्ध मानव, मशीनरी एवं तकनीकी संसाधनों का विवरण
- इमरजेंसी एक्शन प्लान एवं एसओपी
- अर्ली वार्निंग एवं सूचना प्रसारण व्यवस्था
- राहत, पुनर्वास, रिकवरी एवं रिकंस्ट्रक्शन योजना
- डैमेज एंड लॉस असेसमेंट की प्रक्रिया
- क्षमता विकास एवं वार्षिक प्रशिक्षण कैलेंडर
- बिल्ड बैक बेटर एवं विकास योजनाओं में आपदा जोखिम न्यूनीकरण का समावेशन

भट्ट ने संसद में उठाया जोशीमठ ओबीसी जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने का मुद्दा

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने जोशीमठ की ओबीसी जातियों को केंद्रीय सूची में शामिल करने का विषय केंद्र के समक्ष उठाया हैं। संसद के पटल पर छावनी बोर्ड को लेकर पूछे सवाल के जवाब में केंद्र ने सिविल क्षेत्रों को नगरपालिका में शामिल करने की प्रक्रिया को चुनाव और निधि आवंटन में देरी का कारण बताया है।

उनके द्वारा राज्यसभा में शून्यकाल के दौरान लंबे समय से लंबित चमोली जोशीमठ क्षेत्र के ओबीसी की इस मांग को उठाया गया। सदन के माध्यम से उन्होंने केंद्र सरकार का ध्यान आकृष्ट कराए हुए कहा, उत्तराखण्ड राज्य के चमोली जनपद स्थित जोशीमठ क्षेत्र के पैनखण्ड क्षेत्र की 73 जातियों को राज्य सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग की सूची में अधिसूचित किया गया हैं। लेकिन उन्हें अभी

■ कहा, केंद्र सरकार की योजनाओं का नहीं मिल पा रहा लाभ

तक भारत सरकार की केंद्रीय अन्य पिछड़ा वर्ग सूची में शामिल नहीं किया गया है। जबकि जोशीमठ के पैनखण्डा समुदाय को ओबीसी की केन्द्रीय सूची में शामिल करने की बेहद आवश्यकता है। जो न केवल हमारे प्रदेश के सामाजिक आर्थिक ढांचे से जुडा है बल्कि यह हमारे संविधान की मूल भावना को भी समर्पित है, जो समता, न्याय और अवसर की समानता पर आधारित है। उन्होंने इस विषय से प्रभावित लोगों की समस्याओं का जिक्र करते हुए कहा कि केंद्रीय सूची में शामिल न होने के कारण संबंधित समुदायों को केंद्र सरकार द्वारा संचा. लित विभिन्न शैक्षणिक छात्रवृत्ति, योजनाओं रोजगार के अवसरों तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है। जबकि राज्य में पहले से ही कई समुदाय ओबीसी श्रेणी में शामिल हैं और पैनखण्डा समुदाय भी उसी समानता की उम्मीद करता है। यह विषय सामाजिक न्याय के सिद्धांतों तथा संविधान के अनुच्छेद 15 (4) एवं 16 (4) की भावना से प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा हुआ है। राज्य सरकार द्वारा की गई अनुशंसाओं के बावजूद इस संबंध में अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। वहीं विश्वास जताते हुए कहा कि जोशीमठ के पैनखण्डा समुदाय को ओबीसी की केन्द्रीय सूची में शामिल करने से न केवल इस समुदाय को लाभ मिलगा, बल्कि यह समाज के विकास की दिशा में भी एक सकारात्मक कदम होगा।

बुजुर्ग महिला की गुहार पर डीएम का त्वरित एक्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सविन बंसल की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जनता दर्शन कार्यक्रम बड़ी संख्या में फरियादी अपनी शिकायतों के निस्तारण हेतु उपस्थित हो रहे हैं तथा फरियादियों की समस्याओं का त्वरित निस्तारण होने से सरकार तथा जिला प्रशासन की कार्यशैली पर जनमानस का भरोसा बढा है। विगत जनता दर्शन कार्यक्रम में सहस्त्रधारा निवासी बुजुर्ग महिला हरदीप कौर ने अपनी व्यथा सुनाते हुए जिलाधिकारी को बताया कि उनका पेयजल बिल 35,000 आ गया है, जिसे वह भरने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि वह घर में अकेली रहती हैं, आय का कोई स्थायी साधन नहीं है तथा अक्सर बीमार रहती हैं।

बुजुर्ग हरदीप कौर ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व उन्होंने जल कनेक्शन काटने हेतु अनुरोध किया था। इस दौरान कुछ लोग उनके घर आए और रू0 5,000 लेकर चले गए, किंतु कनेक्शन नहीं काटा गया। बाद में जब वह संबंधित कार्यालय पहुंचीं तो जानकारी मिली कि

ऐसे किसी कर्मचारी की तैनाती वहां नहीं है। इस प्रकार वह ठगी का भी शिकार हुईं।

बुजुर्ग महिला की पीड़ा को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने तत्काल जल संस्थान से रिपोर्ट तलब करते हुए त्वरित समाधान के निर्देश दिए। जल संस्थान द्वारा बुजुर्ग का 27 माह के लंबित 35,000 के पेयजल बिल को संशोधित कर 14,372 में सेटल किया गया। जिलाधिकारी ने बुजुर्ग बीमार महिला की खराब आर्थिक स्थिति देखते हुए राइफल फंड से 14,372 की धनराशि का भुगतान करने के निर्देश दिए।

रैली निकाल कर दिया वनाग्नि सुरक्षा का संदेश

नई टिहरी। गर्मियों की आहट के साथ ही वनाग्नि की घटनाओं की आशंका को देखते हुए द हंस फाउंडेशन और वन विभाग की लंबगांव रेंज ने कमर कस ली है।

इसी कड़ी में वन अग्नि शमन एवं रोकथाम परियोजना के अंतर्गत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सौड़खांड के छात्र-छात्राओं ने एक विशाल जागरूकता रैली निकाली। विद्यालय परिसर से शुरू होकर सौड़ गांव तक गई इस रैली के माध्यम से स्कूली बच्चों ने ग्रामीणों को जंगलों को आग से बचाने का महत्वपूर्ण संदेश दिया।जागरूकता रैली में छात्रों ने हाथों में तख्तियां लेकर और गगनभेदी नारे लगाकर लोगों का ध्यान खींचा।

एमएसपी कार्यक्रम ग्रामीण उद्यमों को देगा नई पहचान: जोशी

■ ग्राम्य विकास मंत्री ने किया सीएलएफ महिलाओं को सम्मानित

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। उत्तराखंड ग्राम्य विकास समिति (रीप) के अंतर्गत रूरल एंटरप्राइज एक्सीलरेशन प्रोजेक्ट (ग्रामोत्थान) की ओर से 9 एवं 10 फरवरी को आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय मल्टी-स्टेकहोल्डर प्लेटफॉर्म कार्यक्रम में ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने बतौर मुख्य अतिथि प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए

उत्तराखंड के विशेष एवं पारंपरिक उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा उत्कृष्ट कार्य करने वाले क्लस्टर लेवल फेडरेशन समूहों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया।

देहरादून के एक निजी होटल में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि राज्य स्तरीय एमएसपी जैसे आयोजन उत्तराखंड में ग्रामीण उद्यम पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने, सामुदायिक उद्यमों को बाजार में बेहतर पहचान दिलाने तथा सार्वजनिक निजी सामुदायिक साझेदारी को दीर्घकालिक रूप से बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि स्वयं सहायता समूहों और सीएलएफ के माध्यम से महिलाएं तेजी से आत्मनिर्भर बन रही हैं और लखपति दीदी अभियान अपने निर्धारित लक्ष्य से आगे बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में लगभग 30 निजी क्षेत्र की कंपनियों एवं उद्यमियों ने भाग लिया। इस दौरान परियोजना-स्तर, जिला-स्तर एवं सीएलएफ-स्तर पर निजी क्षेत्र के भागीदारों के साथ 60 से अधिक लेटर ऑफ इंटेंट पर हस्ताक्षर किए गए। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित प्रदर्शनी में उत्तराखंड के विशेष एवं पारंपरिक उत्पादों को प्रदर्शित किया गया।

सीएम ने विकास योजनाओं के लिये दी 37 करोड़ की मंजूरी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऊधमसिंहनगर के विधानसभा क्षेत्र सितारंगज में ग्राम निर्मल नगर एवं राजनगर को ग्राम सिसोना से जोड़ने के लिए बैगुल नदी पर 150 मीटर सपान आरसीसी सेतु का निर्माण के लिए 11.40 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ग्राम सम्पर्क योजना के अर्न्तगत जनपद पौड़ी के विकासखण्ड बीरोंखाल में सीली मल्ली से ग्राम खैरड़ा तक ग्रामीण मोटर मार्ग का निर्माण, जनपद चम्पावत के मंच तामली मोटर मार्ग

■ प्रदेश के कई क्षेत्रों में विकास को मिलेगी गति

का निर्माण एवं विकासखण्ड पाटी के रेगल बैण्ड मूलाकोट मोटर मार्ग से अमोली तक ग्रामीण मोटर मार्ग के निर्माण को 8.39 करोड़ की धनराशि नाबार्ड से वित्तपोषण कराये जाने का मुख्यमंत्री द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया है।15वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के क्रम में प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या सुविधाओं के लिए नैदानिक बुनियादी ढांबा के लिए सहायता उप केन्द्र (ग्रामीण) की योजना को 13.65 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री द्वारा समाज कल्याण विभाग के तहत विधानसभा क्षेत्र धारचूला के अर्न्तगत ग्राम वैगा में निकास नाली टीएसपी के क्रियान्वयन के लिए चालू वित्तीय वर्ष में अवशेष धनरा. शि 52.11 लाख व प्राकृतिक आपदा से जनपद उत्तरकाशी के तहसील भटवाड़ी अर्न्तगत ग्राम धराली में पशु क्षति के प्रभावितों को 10.56 लाख, विद्यालयी शिक्षा के अर्न्तगत, जनपद हरिद्वार के विधानसभा क्षेत्र रुड़की में जीवनद. ीप आश्रम् नन्द विहार से मुख्य मार्ग तक सड़क का निर्माण तथा जीवनदीप एकेडमी गुरुकुलम विद्यालय परिसर में एक हॉल के निर्माण हेतु अवशेष धनराशि 82.60 लाख, विधानसभा डीडीहाट के अर्न्तगत मड़माडले में सम्पर्क मार्ग व टाईल्स निर्माण के लिए 42.65 लाख, विधानसभा क्षेत्र पुरोला में वन विभाग के लिए की गयी घोषणा के क्रियान्वयन के लिए 1.05 करोड़ के साथ ही विधानसभा पुरोला में, पंचायतीराज विभाग के अंतर्गत की गयी घोषणा के क्रियान्वयन के लिए 86.55 लाख की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

जिला प्रशासन ने नाले पर अवैध निर्माण किया ध्वस्त

देहरादून। जिला प्रशासन ने सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मंगलवार को जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी के नेतृत्व में टीम ने ग्राम गल्ज्वाड़ी में बड़ी कार्रवाई की। जांच में पाया गया कि बरसाती नाले (खसरा संख्या 962क) पर करीब 8 मीटर लंबी पक्की दीवार बनाकर प्राकृतिक प्रवाह को बाधित कर दिया था। टीम ने मौके पर पहुंचकर इस अवैध निर्माण को ध्वस्त कर नाले की भूमि को मुक्त कराया।

देहरादून में अपराधियों का दुस्साहस चरम पर: गरिमा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि उत्तराखंड की अस्थाई राजधानी देहरादून जैसे संवेदनशील और प्रशासनिक दृष्टि से अति-महत्वपूर्ण शहर में बदहाल कानून व्यवस्था की भयावह तस्वीर पेश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि राजधानी देहरादून जहां मुख्यमंत्री, राज्यपाल, वरिष्ठ अधिकारी और पुलिस के आला अफसरों के कार्यालय एवं आवास स्थित हैं, वहीं अपराधी निडर होकर स्कूल के बाहर छात्राओं के अपहरण के प्रयास कर रहे हैं और दिनदहाड़े

■ महिलाओं की सुरक्षा में राज्य सरकार पूरी तरह विफल: कांग्रेस

कार्यरत महिलाओं की हत्या जैसी जघन्य घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं।

कहा कि पिछले मात्र पांच दिनों में देहरादून में तीन कार्यरत युवतियों की सरेआम हत्या इस बात का प्रमाण है कि सरकार की "धाकड़ कानून व्यवस्था" अपराधियों के सामने पूरी तरह ढह चुकी है। अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें न पुलिस का डर है, न कानून का और न ही शासन-प्रशासन का।

आज स्कूल के बाहर छात्रा के अपहरण के प्रयास की घटना ने यह साफ कर दिया है कि प्रदेश की बेटियां अब शैक्षणिक परिसरों के बाहर भी सुरक्षित नहीं हैं। सवाल यह है कि जब राजधानी में यह हाल है तो प्रदेश के दूरस्थ इलाकों की स्थिति क्या होगी?

गरिमा ने यह भी कहा कि आज धामी राज में चौथा स्तंभ भी खतरे में है जिस तरह से वरिष्ठ पत्रकार हेम भट्ट के ऊपर हमला हुआ वह भी अपने आप में सरकार की कलई खोलता है।

सेफर इंटरनेट दिवस पर दी गई साइबर सुरक्षा की जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। डिजिटल युग में बढ़ती तकनीक के साथ साथ साइबर अपराधों का ग्राफ भी तेजी से ऊपर जा रहा है।

इसी चुनौती से निपटने और आमजन को सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से सेफर इंटरनेट दिवस के अवसर पर मंगलवार को नई टिहरी में एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया गया। विकास भवन के समीप स्थित कीड़ा विभाग के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य विषय सुरक्षित इंटरनेट के उपयोग एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता

■ एआई के खतरों से बचने के बताए उपाय

(एआई) की सार्थक उपयोगिता रहा। कार्यशाला में कार्यालय कार्मिकों, छात्रों और आम नागरिकों को साइबर ठगी के नए तरीकों और उनसे बचाव के उपायों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी अवधेश कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी मो. असलम सहित अन्य अधिकारी और बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान भूमि आवंटन रद्द करने की मांग

■ सीएम से मिले विधायक चमोली, मुख्यमंत्री ने दिया शीघ्र कार्रवाई का भरोसा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। भाजपा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से सैन्य सुरक्षा के मद्देनजर तत्काल धौलास में अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थान के लिए दी जमीन का आवंटन रद्द करने का आग्रह किया है।

इस संबंध में पार्टी के वरिष्ठ विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली से मुलाकात में सीएम ने शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया है। पार्टी और सरकार ऐसी किसी भी

मंशा को देवभूमि में सफल नहीं होने देंगे। पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों को मुलाकात की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कांग्रेस पार्टी अपने विशेष वोट बैंक के लालच में लगातार देवभूमि के देववत्व को खराब करने का प्रयास करती रही है। ये नया खुलासा तो इसकी एक बानगी है। विवादित जमीन अल्पसंख्यक संस्थान को तिवारी सरकार में दी गई थी, जबकि आईएमए की सुरक्षा और उनके विरोध को दरकिनार किया गया। लेकिन जब 2022 में मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने का विषय उठा तो सभी को चिंता हुई कि वहां यूनिवर्सिटी कैसे और कहां बन सकती है? जब यह समूचा प्रकरण सामने आया, तब चुनावी माहौल था। हमने विरोध किया और जनता ने कांग्रेस को चुनाव में हरा दिया। आज यह प्रकरण पुन: इस तरह सामने आया तो समझ में आया कि 2022 में मुस्लिम यूनिवर्सिटी की बात का आधार ही यह जमीन थी। उसके बाद यह लोग लैंड यूज चेंज करने के लिए हाई कोर्ट गए और हाई कोर्ट ने मना कर दिया। लेकिन अब यह जमीन खुर्द बुर्द की जा रही है और समुदाय विशेष के लोगों को दी जा रही है। उन्होंने जानकारी दी कि इस संबंध में उनकी मुख्यमंत्री से मुलाकात हुई है। जिसमें उन्होंने मांग की कि विवादित जमीन को तत्काल सरकारी कब्जे में लेकर, आवंटन रद्द किया जाए। जिस पर मुख्यमंत्री ने गंभीरता दिखाते हुए शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिया है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मंगलवार को सचिवालय में बीस सूत्री कार्यक्रम एवं कार्यान्वयन समिति, आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष दिनकर लंका ने मुलाकात की।

यूपीईएस ने इंडस्ट्री-एकेडेमिया सहयोग को आगे बढ़ाया

शाह टाइम्स प्रमुख संवाददाता

देहरादून/मुंबई। यूपीईएस ने मुंबई में दृष्टिकोण के दूसरे संस्करण का आयोजन किया। यूपीईएस ने दृष्टिकोण को एक लंबे समय के स्ट्रैटेजिक प्लेटफॉर्म के रूप में शुरू किया है।

यह एक इनवाइट-ओनली (निमंत्रण-आधारित), क्लोज्ड-डोर लीडरशिप फोरम है, एक ऐसा "थिंकिंग रूम" जहाँ वरिष्ठ इंडस्ट्री लीडर्स और यूपीईएस का अकैडमिक लीडरशिप भविष्य के काम (फ्यूचर ऑफ वर्क), टैलेंट और लर्निंग पर खुलकर बातचीत करते हैं। यह मंच ऐसा माहौल बनाता है जहाँ लोग बेझिझक अपने विचार रखते हैं, मुश्किल सवालों पर जिम्मेदारी से बात होती है, और

■ मुंबई में आयोजित किया दृष्टिकोण का दूसरा संस्करण

■ एआई एक्जीक्यूटिव जजमेंट, टैलेंट और एजुकेशन को बदल रहा

भविष्य से जुड़े आइडिया इंडस्ट्री और एजुकेशन के बीच बेहतर अलाइनमेंट में बदलते हैं। दृष्टिकोण को जानबूझकर इस तरह क्यूरेट किया जाता है कि बड़ी और प्रतिष्ठित ऑर्गनाइजेशन्स से चुनिंदा सीएक्सओ, बिजनेस हेड्स और एक्सपर्ट एक जगह आएँ, स्पीचेज के लिए नहीं, बल्कि ईमानदार एक्सचेंज और प्रैक्टिकल इनसाइट के लिए। दृष्टिकोण 2.0 का फोकस

एआई-ड्रिवन दुनिया में लीडरशिप और लर्निंग पर था। द कॉन्फ्लुएंस ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड ह्यूमन इंटेलिजेंस" थीम पर आधारित इस फोरम में अलग-अलग सेक्टर के सीनियर लीडर्स शामिल हुए। इनमें सुमित कपूर, पार्टनर, रिस्क एडवाइजरी, केपीएमजी इन इंडिया, समीर पितळवाला, हेड ऑफ गेमिंग, एपीएसी, गूगल क्लाउड, लक्ष्मी देशपांडे, हेड ऑफ एक्सआर इना. ेवेशन एंड डिजाइन, टीसीएस, जीएस सेल्विन,

एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट, रोल्स-रॉयस इन इंडिया एंड मैनेजिंग डायरेक्टर, एमटीयू इंडिया, डॉ. निलय रंजन, हेड सीएसआर एंड सस्टेनेबिलिटी, एयर इंडिया, हरजीत खंडूजा, एसवीपी, एचआर, जियो, अजमीना पोद्दार, मैनेजिंग डायरेक्टर, एक्सपीरियंस डिजाइन, जेपीमॉर्गन चेज, और रवि हेमनानी, वाइस प्रेसिडेंट, एचआर एंड हेड, टैलेंट एंड लर्निंग, नुवोको विस्टास कॉर्प. लिमिटेड शामिल रहे।

सेशन की शुरुआत यूपीईएस के वाइस चांसलर डॉ. सुनील राय के वेलकम एड्रेस से हुई। इसके बाद यूपीईएस के रजिस्ट्रार मि.मनीष मदान और यूपीईएस अलायंसेज टीम ने कॉन्टेक्स्ट और सेशन ओवरव्यू रखा, और फिर फोरम कोर बोर्डरूम कन्वर्सेशन्स में आगे बढ़ा। इन बातचीतों को प्रो. राजीव नंदवानी, सीनियर डायरेक्टर, यूपीईएस स्कूल ऑफ कंप्यूटर साइंस; प्रो. भास्कर भट्ट, डीन, स्कूल ऑफ डिजाइन, और डॉ. पद्मा वेंकट, डीन, स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी ने कन्वीन किया।

विकास कार्यों में ढिलाई पर सीडीओ सख्त, 10 विभागों को अल्टीमेटम

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) अभिनव शाह ने मंगलवार को विकास भवन में जिला योजना और केंद्र पोषित योजनाओं की समीक्षा करते हुए सुस्त कार्यप्रणाली पर कड़ा रुख अपनाया।

उन्होंने 80 प्रतिशत से कम बजट खर्च करने वाले विभागों को आड़े हाथों लिया और स्पष्ट किया कि केवल कागजों पर धनराशि का हस्तांतरण पर्याप्त नहीं है, बल्कि धरातल पर गुणवत्तापूर्ण काम दिखना चाहिए।समीक्षा के दौरान पाया गया कि लोक निर्माण विभाग, वन, पर्यटन, उद्यान, लघु सिंचाई, लघु उद्योग, एलोपैथिक, भेषज,

■ बजट खर्च करने में पीछे रहे विभागों को कारण बताओ नोटिस

■ कटापत्थर और कालींगाढ़ बनेंगे 'आदर्श ग्राम'

उरेडा और रेशम विभाग का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है।

इन विभागों ने अब तक 80 प्रतिशत से भी कम धनराशि खर्च की है। सीडीओ ने इन्हें तत्काल प्रगति सुधारने के निर्देश देते हुए चेतावनी दी कि जो विभाग बजट का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं, वे उसे तुरंत समर्पित (सरेंडर) करें ताकि अन्य जरूरतमंद विभागों को वह पैसा आवंटित किया जा सके।

जिले के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए सीडीओ ने बताया कि विकासनगर ब्लॉक के कटापत्थर और रायपुर ब्लॉक के कालींगढ़ को 'आदर्श ग्राम' के रूप में विकसित किया जाएगा।

इन गांवों को सभी सरकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत आच्छादित करने के लिए सभी विभागों को एक समन्वित कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए गए हैं।बैठक में सीएमओ डॉ. एमके शर्मा, पीडी विक्रम सिंह पंवार और जिला विकास अधिकारी सुनील कुमार सहित तमाम जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

मेलाधिकारी ने कुम्भ मेला तैयारियों को लेकर बहादराबाद क्षेत्र का किया भ्रमण

धनौरी-सिडकुल लिंक मार्ग पर पथरी रौ नदी पर पुल निर्माण कार्य का किया स्थलीय निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। मेलाधिकारी कुम्भ मेला श्रीमती सोनिका ने मंगलवार को बहादराबाद क्षेत्र का भ्रमण कर आगामी कुम्भ मेला-2027 को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने धनौरीख्रसिडकुल लिंक मार्ग पर पथरी रौ नदी पर निर्माणाधीन पुल का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग के अभियंताओं को निर्माण कार्य में उच्च गुणवत्ता एवं समयबद्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी कतई स्वीकार नहीं की जाएगी।

आगामी कुम्भ मेला-2027 में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुगमता तथा प्रभावी भीड़ प्रबंधन के दृष्टिगत मेला क्षेत्र में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मेला प्रशासन द्वारा कुम्भ मेला से जुड़े निर्माण कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण कराने हेतु कार्यदायी संस्थाओं को सख्त निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही निर्माण कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की नियमित रूप से स्थलीय समीक्षा भी की जा रही है। मेलाधिकारी श्रीमती सोनिका ने मंगलवार को बहादराबाद क्षेत्र का भ्रमण कर कुम्भ मेला के दृष्टिगत की जा रही व्यवस्थाओं एवं तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने धनौरीख्र सिडकुल लिंक मार्ग पर पथरी रौ नदी पर पुरानी गंग नहर सायफन के डाउनस्ट्रीम में निर्मित किए जा रहे 90 मीटर स्पान के पुल के निर्माण कार्य का भी मौके पर जाकर निरीक्षण किया। रु. 1659.42 लाख की लागत से निर्मित होने वाला यह कंपोजिट स्टील पुल दो लेन का होगा। इस पुल का निर्माण कार्य गत 28 जनवरी को प्रारंभ हुआ है, जिसे आगामी 31 अक्टूबर तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। निरीक्षण के दौरान मेलाधिकारी ने निर्माण कार्य को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश देते हुए कहा कि कार्यदायी संस्था सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अभियंता निर्माण कार्य की सतत निगरानी सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि निर्माण की गुणवत्ता की नियमानुसार समय-समय पर जांच की जाए। निरीक्षण के दौरान अपर मेलाधिकारी दयानंद सरस्वती सहित मेला प्रशासन एवं सिंचाई विभाग के अनेक अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पांचवे दिन भी जारी रहा लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन का धरना

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। लोक निर्माण विभाग के मिनिस्टीरियल कार्मिकों के परस्पर स्थानानंतरण और पदोन्नति की मांग को लेकर लोक निर्माण विभाग कार्यालय में 6 फरवरी से आयोजित उत्तरांचल लोक निर्माण विभाग मिनिस्टीरियल एसोसिएशन का कार्यबहिष्कार एवं धरना पांचवे दिन भी जारी रहा। एसोसिएशन का कहना है कि मिनिस्टीरियल कार्मिकों के परस्पर स्थानांतरण पूर्व में भी होते रहे हैं। लेकिन अनावश्यक रूप से परस्पर स्थानांतरण और पदोन्नति की मांग को लटकाया जा रहा है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डा.शांति लाल रघुवाण व महामंत्री रमेशचंद्र सकलानी ने कहा कि विभाग में मिनिस्टीरियल कार्मिकों के नियुक्ति अधिकारी अधीक्षण अभियंता तथा अनुमोदक अधिकारी क्षेत्रीय मुख्य

अभियंता स्तर-2 के बाद एक स्तर उपर के अधिकारी मुख्य अभियंता-1 अधिष्ठान मुख्यालय होते हैं। स्थानांतरण अधिनियम 2017 एवं 2025 में जारी शासनादेश के मुताबिक मुख्य अभियंता एवं विभागाध्यक्ष को मिनिस्टीरियल कार्मिकों के परस्पर स्थानांतरण का अधिकार है। स्थानांतरण अधिनियम एवं शासनादेश में स्पष्ट होने के बावजूद कार्मिकों को पारस्परिक स्थानांतरण का लाभ नहीं दिया जा रहा है। जिसे लेकर कार्मिकों में रोष है। उन्होंने कहा कि कार्मिकों के पारस्परिक स्थानांतरण और पदोन्नति की मांग पूरा होने तक धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। धरना प्रदर्शन में प्रदीप किशोर कोहली, सनी कुमार, नवीन आर्य, मुकेश थपलियाल, विनय कुमार, अनु कुमार, श्रवण कुमार, पुष्कर सिंह बुटोला, कमलेश मिश्रा, बबीता, सौरभ कुमार सहित समस्त मिनिस्ट्रियल कार्मिक शामिल रहे

बेहोशी की हालत में मिला व्यक्ति, डाक्टरों ने किया मृत घोषित

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत भूपतवाला की एक गली में मंगलवार शाम एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। सूचना मिलने पर 108 एम्बुलेंस की मदद से उसे तुरंत जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।पुलिस ने पंचनामा भरकर शव को मोर्चरी में रखवा दिया है। नगर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि शिव सदन आश्रम वाली गली में मिले मृतक व्यक्ति की पहचान श्याम 45 वर्ष के रूप में हुई है। हालांकि, उसके पिता का नाम और घर का पता अभी तक मालूम नहीं हो पाया है। मृतक की तलाशी लेने पर उसके पास से कोई आईडी कार्ड या एड्रेस प्रूफ नहीं मिला है। मृतक के परिजनों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। शव को मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

एसडीएम की मध्यस्था से सुलझा अंडरपास विवाद, अनशन हुआ समाप्त

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। सराय गांव के पास निर्माणाधीन रिंग रोड से अंडरपास दिए जाने की मांग को लेकर करीब 52 दिनों से चल रहे धरने और अनशन को प्रशासन ने समाप्त करा दिया। सराय गांव के 3 लोग अंडरपास के निर्माण को लेकर धरने पर डटे हुए थे। ग्रामीणों का कहना है कि रिंग रोड से रास्ता ना दिए जाने पर गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से कट जाएगा। गांव वालों के खेत भी इसी ओर हैं। जिससे उन्हें खेतीबाड़ी में भी दिक्कतें आएंगी। अधिकारियों ने उनकी मांग सरकार को भेजने का आश्वासन देकर फिलहाल अनशन खत्म करा दिया है। मंगलवार को एसडीएम जितेंद्र कुमार एनएचएआई के

अधिकारियों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की। एसडीएम और एनएचएआई के अधिकारियों ने ग्रामीणों को आश्वस्त करते हुए उनकी मांगे उच्च स्तर तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद ग्रामीणों ने अनशन समाप्त कर दिया। एसडीएम जितेंद्र कुमार ने बताया कि एनएचएआई अधिकारियों ने ग्रामीणों को उनकी मांगे अपने उच्च स्तर के अधिकारियों तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है। उन्होंने बताया कि अनशन कर रहे ग्रामीणों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

आम के पुराने बाग की जगह अमरूद, नींबू और मौसंबी की उन्नत किस्में लगाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ग्राम जियापोता में उद्यान विभाग की अनुमति के बाद पुराने और रोगग्रस्त आम के बाग को हटाकर बड़े पैमाने पर नए फलदार पौधों का रोपण किया जा रहा है। विभागीय शर्तों के अनुसार प्रत्येक कटे पेड़ के बदले दो नए पौधे लगाए जाने थे, जिसके तहत स्वाममियों की ओर से अब तक 100 से अधिक फलदार पौधे रोपित किए जा चुके हैं।

बाग स्वामी इंदर मोहन ने बताया कि बीते कई वर्षों से आम की फसल लगातार खराब हो रही थी। कीट व रोग के बढ़ते प्रकोप के कारण उत्पादन घटता जा रहा था और हर साल भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा था। इसी को देखते हुए उद्यान विभाग से विधिवत अनुमति लेकर पुराने आम के पेड़ों को हटाया गया। अब बाग में अमरूद, नींबू और मौसंबी जैसी उन्नत किस्मों के पौधे लगाए जा रहे हैं, जिससे भविष्य में बेहतर उत्पादन और स्थायी आय की उम्मीद है। बाग स्वामी कौशल किशोर व चेतना भसीन ने बताया कि तीनों भाइयों ने संयुक्त रूप से 44 आम के पेड़ों को काटने की अनुमति ली थी और विभागीय नियमों का पूरी तरह पालन किया गया है। किसान इसरार ने बताया कि अधिकांश आम के पेड़ खराब हो चुके थे, जिससे फसल प्रभावित हो रही थी। नई फलदार फसलों से आने वाले समय में किसानों को अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

नाबालिग से छेड़खानी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। नगर कोतवाली के खड़खड़ी क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ छेड़खानी करने वाले आरोपी को पुलिस ने घटना के 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नगर कोतवाली प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि बीती 9 फरवरी को कोतवाली नगर क्षेत्र के एक निवासी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि कुलदीप शर्मा नाम के युवक ने उनकी 16 साल की नाबालिग बेटी के साथ छेड़खानी की है। शिकायत की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच महिला उपनिरीक्षक अनिता शर्मा को सौंप दी। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम बनाई गई थी। पुलिस टीम ने मुखबिरों की मदद और सुराग जुटाते हुए सोमवार को ही आरोपी कुलदीप शर्मा निवासी खड़खड़ी स्थित वानप्रस्थ आश्रम रोड को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस टीम में महिला उप निरीक्षक अनिता शर्मा, कांस्टेबल पवनीश कवि, कांस्टेबल संदीप रावत शामिल रहे।

कांग्रेसियों ने की राजभवन कूच को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मध्य हरिद्वार स्थित कार्यालय पर बैठक कर 16 फरवरी को प्रस्तावित राजभवन कूच को सफल बनाने की रणनीति पर चर्चा की। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोम त्यागी की अध्यक्षता और मनोज सैनी के संचालन में संपन्न हुई बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व राज्यमंत्री संजय पालीवाल और पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रदीप चौधरी ने कहा कि जनता भाजपा की केंद्र और राज्य सरकार से त्रस्त हो चुकी है और कांग्रेस की तरफ आशा भरी नजरों से देख रही है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड सरकार महंगाई, बेरोजगारी, कानून व्यवस्था और महिलाओं की सुरक्षा आदि सभी मोर्चों पर विफल साबित हो रही है। पूर्व राज्य मंत्री मकबूल कुरैशी और यूथ कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष रविश

भटीजा और महिला कांग्रेस की पूर्व जिलाध्यक्ष विमला पांडेय ने कहा कि कोटद्वार की घटना और घटना के बाद मुख्यमंत्री धामी के बयान से स्पष्ट है कि धामी सरकार प्रदेश को नफरत की आग में झोंकना चाहती है। 2022 में हुए अंकिता भंडारी हत्याकांड में भी सरकार अंकिता, अंकिता के माता पिता और उत्तराखंड की जनता के साथ धोखा कर रही है। अंकिता भंडारी हत्याकांड में डा. अनिल जोशी की तहरीर पर सीबीआई जांच की संस्तुति से स्पष्ट हो गया है कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में शामिल नेताओं को बचाने के प्रयास किए जा रहे हैं। यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष कैश खुराना और पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विकास चंद्रा, दीपक टंडन ने कहा कि कांग्रेस जनहित के मुद्दों पर लगातार सड़क से लेकर सदन तक लड़ रही है। यूथ कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रवि बाबू शर्मा, सागर बेनीवाल ने कहा कि बीजेपी सरकार अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए सांप्रदायिकता का सहारा लेकर देवभूमि को कलंकित कर रही है। उन्होंने कहा कि 16 फरवरी को लोक भवन का घेराव सरकार के ताबूत में आखिरी कील होगी। बैठक में निर्णय लिया गया कि 16 फरवरी को सभी साथी ऋषिकुल स्थित कार्यालय पर एकत्रित होकर अपनी गाड़ियों पर बैनर, पोस्टर और कांग्रेस का झंडा लगाकर देहरादून कूच करेंगे। बैठक में अनिल ठाकुर, अमित गुप्ता, वीरेंद्र भारद्वाज, मनोज जाटव, डा. दिनेश पुंडीर, चंदन शर्मा, रचित अग्रवाल, छम्मन पीरजी, सुमित आहूजा, जवाहर चावला, अशोक अदालती, राहुल, राजू चित्कारा, रिंकू, हरमिंदर, तीर्थ भाटिया, शुभम् रावत, शिवम बाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

डा. सूची कुमारी का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वैश्य बंधु समाज मध्य क्षेत्र हरिद्वार की महिला विंग की पदाधिकारियों व सदस्यों ने एमबीबीएस परीक्षा पास कर चिकित्सक बनने पर डा.सूची कुमारी का शॉल ओढ़ाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया और शुभकामनाएं दी। इस दौरान महिला विंग की अध्यक्ष ललितेश गुप्ता एवं महामंत्री ज्योति अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज की महिलाएं प्रत्येक क्षेत्र में अपनी भागीदारी निभा रही है। डा.सूची कुमारी चिकित्सा के रूप में मानव सेवा में योगदान देंगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सभी को प्रयास करने होंगे। बालक बालिकाओं को समान रूप से शिक्षा के अवसर मिलने चाहिए। पिंकी अग्रवाल एवं प्राची गुप्ता ने कहा कि चिकित्सा भगवान का रूप होते हैं। डा. सूची कुमारी मरीजों की सेवा में योगदान कर समाज को मानवता का संदेश देंगी।

फॉर्च्यूनर व 30 लाख की मांग पूरी न होने पर दिया तलाक

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर क्षेत्र में एक विवाहिता को दहेज के लिए बुरी तरह प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। क्षेत्र की निवासी पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उनका निकाह साल 2022 में रिजवान अली के साथ हुआ था, जिसमें उनके पिता ने करीब 50 लाख खर्च किए थे। आरोप है कि शादी के अगले दिन से ही ससुराल वालों ने उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। पति और सास ने मायके से 30 लाख और फॉर्च्यूनर कार लाने का दबाव बनाया। मांग पूरी न होने पर मारपीट की गई और गर्भवती होने पर भी रहम नहीं दिखाया गया। दिसंबर 2023 में उन्हें घर से निकाल दिया गया। हद तो तब हो गई जब जुलाई 2025 में पति ने नशे की हालत में मारपीट की और तीन तलाक बोल दिया। पुलिस ने महिला हेल्पलाइन में काउंसलिंग के बाद पति, सास-ससुर और अन्य रिश्तेदारों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ठगों ने महिला को बेहोश कर उड़ाए सोने के कंगन

हरिद्वार। शिवालिकनगर में लॉकर सही करने का झांसा देकर दो शातिर ठगों ने एक घर से सोने के कंगन पर हाथ साफ कर दिया। ठगों ने महिला को बेहोश कर घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक, शिवालिकनगर निवासी राजबाला अपने घर पर मौजूद थीं। दो युवकों ने दरवाजे पर दस्तक दी और कहा कि वह ताला-चाबी का काम करते हैं। राज बाला को याद आया कि घर का लॉकर सही कराना है। उन्होंने दोनों युवकों को अंदर बुलाकर लॉकर दिखाया। काफी देर तक दोनों युवक लॉकर सही करने का नाटक करते रहे। इस बीच उन्होंने राजबाला को सम्मोहित कर बेहोश कर दिया। बाद में उन्होंने कहा कि लॉकर सही करने में और समय लगेगा, इसलिए वह शाम के समय दोबारा आएंगे। इसके बाद राजबाला को होश नहीं रहा। करीब आधा घंटे बाद होश आया तो लॉकर से सोने के दो कंगन गायब मिले। तब उन्हें ठगी का अहसास हुआ। सूचना पर गैस प्लांट चौकी प्रभारी विकास रावत एक पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी लेकर आस-पास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले। कई कैमरों में दो युवक नजर आए। रानीपुर कोतवाली प्रभारी आशुतोष सिंह ने बताया कि हुलिये के आधार पर दोनों आरोपितों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

ब्रह्मलीन मदन नाथ महाराज की जयंती श्रद्धा व भक्ति से मनाई

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। ग्राम पदार्थ स्थित मदन नाथ महाराज कुटिया में ब्रह्मलीन मदन नाथ महाराज की जयंती श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। इस अवसर पर हवन-पूजन, प्रसाद वितरण और भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के श्रद्धालुओं, साधु-संतों और ग्रामीणों ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन-पूजन से हुआ। श्रद्धालुओं ने आहुति अर्पित कर समाज व देश की सुख-समृद्धि की कामना की। इसके पश्चात महाराज की समाधि पर चादर चढ़ाकर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए और उनके बताए सेवा, त्याग व मानव कल्याण के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। पूरे परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा।

कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी अमीचंद उर्फ गोपी के नेतृत्व में किया गया। उन्होंने कहा कि स्वामी मदन नाथ महाराज का जीवन समाज के लिए आज भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने बताया कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में भाईचारे को मजबूत करते हैं और नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ते हैं।

इस अवसर पर नरेंद्र नाथ योगी, डॉ. ओमपाल सिंह, रमेश कुमार, इसम पाल, रामजी लाल, सुनील कुमार, प्रेमदास सहित अनेक श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

मां-बेटे पर रॉड से हमला, ससुराल पक्ष मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। कोतवाली रानीपुर क्षेत्र के ग्राम गढ़ में ससुराल पक्ष के लोगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। हमले में मां बेटे को गंभीर चोटें आई हैं। सादिक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 6 फरवरी की दोपहर करीब डेढ़ बजे उनके साले इकराम, अहसान, सलमान और एक अन्य महिला चांदनी अचानक उनके घर में घुस आए। ये लोग लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से लैस थे। आरोपियों ने गाली-गलौज करते हुए सादिक और उनकी मां पर जानलेवा हमला कर दिया। शोर सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे तो आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। कोतवाली प्रभारी आशुतोष राणा के अनुसार, घायलों का अस्पताल में इलाज कराया गया है और आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया।

दिव्य और भव्य रूप में संपन्न होगा हरिद्वार कुंभ मेला : रविंद्रपुरी

संतों ने कुंभ मेला अधिकारी सोनिका का किया स्वागत

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी एवं अखिल भारतीय उदासीन निर्मल परिषद के प्रभारी श्रीमहंत दुर्गादास महाराज ने कुंभ मेला अधिकारी सोनिका व अपर मेला अधिकारी दयानंद सरस्वती का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और कुंभ मेले को लेकर चर्चा की। अखाड़ा परिषद अध्यक्ष श्रीमहंत रविंद्रपुरी ने कहा कि प्रयागराज की तर्ज पर हरिद्वार कुंभ मेला भी भव्य और दिव्य रूप में संपन्न होगा। कुंभ मेले के भव्य आयोजन के लिए अखाड़ा परिषद की और से भी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा निर्देशन में कुंभ मेला प्रशासन द्वारा कराए जा रहे निर्माण कार्यो का लाभ श्रद्धालुओं और संतों को मिलेगा। उन्होंने कहा

कि कुंभ मेले को सकुशल और भव्य रूप से संपन्न कराने में मेला प्रशासन की मुख्य भूमिका है। मेला अधिकारी सोनिका के प्रशासनिक अनुभव का लाभ कुंभ मेले के दौरान श्रद्धालुओं और अखाड़ों को मिलेगा। श्रीमहंत दुर्गादास ने कहा कि कुंभ मेला सनातन संस्कृति की पहचान है। हरिद्वार में होने वाले कुंभ मेले में गंगा तट पर होने वाले विशाल संत समागम से पूरे विश्व को आध्यात्मिक मार्गदर्शन मिलेगा। कुंभ मेला अधिकारी सोनिका सिंह ने कहा कि जल्द ही सभी अखाड़ों के साथ बैठकर कुंभ मेले के दौरान निर्माण कार्यो पर चर्चा की जाएगी।

इस दौरान महंत रामनौमी दास, महंत राघवेंद्र दास, महंत गोविंददास, महंत सूर्यांश मुनि, महंत हनुमान दास, स्वामी राम मुनि, महंत प्रेमदास, महंत जयेंद्र मुनि भी मौजूद रहे।

जलती हुई वस्तु फेंककर बालकनी में लगाई आग, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। भेल टाउनशिप में एक घर की बालकनी में जलती हुई चीज फेंककर आग लगाने का मामला सामने आया है। इस घटना से भेल कर्मचारी विपुंज कुमार का काफी नुकसान हुआ है। विपुंज कुमार ने बताया कि 16 और 17 जनवरी की रात को उनकी बालकनी में अचानक आग लग गई। आग इतनी तेज थी कि बालकनी के पास लगा कांच टूट गया और लपटें कमरे के अंदर तक पहुंच गईं। इस दौरान बालकनी में रखे कपड़े, कुर्सियां, पर्दे और वाई-फाई कैमरा जल गए। गनीमत रही कि विपुंज समय पर जाग गए, वरना उनके परिवार की जान को खतरा हो सकता था। पहले लगा कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी है, लेकिन वाई-फाई कैमरे की फुटेज देखने पर पता चला कि नीचे वाले क्वार्टर से किसी ने जानबूझकर जलती हुई वस्तु ऊपर फेंकी थी। रानीपुर कोतवाली प्रभारी आशुतोष राणा ने बताया कि तहरीर मिलने पर केस दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

पार्षद अहसान अंसारी के नेतृत्व में

वार्ड 44 त्रिमूर्ति नगर में नालों की सफाई को लेकर दो दिवसीय विशेष अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। वार्ड 44 त्रिमूर्ति नगर में नालों की वृहद स्तर पर सफाई को लेकर दो दिवसीय विशेष अभियान चलाया गया। यह अभियान वार्ड पार्षद अहसान अंसारी के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें क्षेत्र की प्रमुख नालियों और उपनालियों की गहन सफाई की गई। अभियान का उद्देश्य जलजमाव की समस्या से निजात दिलाना और क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखना रहा।

दो दिनों तक चले इस विशेष अभियान में नगर निगम के सफाई कर्मियों, सुपरवाइजरों तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। नालों व नालियों में जमी गाद, कचरा, प्लास्टिक और

अन्य अपशिष्ट पदार्थों को मैनुअल श्रम की सहायता से हटाया गया। सफाई के दौरान यह सुनिश्चित किया गया कि निकाला गया कचरा तुरंत निर्धारित स्थानों पर निस्तारित किया जाए, ताकि दोबारा गंदगी न फैले।

वार्ड पार्षद अहसान अंसारी ने मौके पर मौजूद रहकर कार्य की निगरानी की और सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि नागरिकों को भी इसमें सहयोग करना चाहिए। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे नालों में कचरा न डालें और साफ-सफाई बनाए रखने में सहयोग करें। स्थानीय नागरिकों ने इस अभियान का स्वागत करते हुए कहा कि व्यापक सफाई से आने वाले समय में जलजमाव और गंदगी की समस्या में कमी आएगी। इस अभियान में वार्ड पार्षद एहसान अंसारी के अलावा नगर निगम के क्षेत्रीय सैनिटरी इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह, पर्यावरण पर्यवेक्षक कुसुम पाल, अखिल कुमार आदि ने अपना सहयोग प्रदान किया।

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड ज्वालापुर हरिद्वार । मोबाईल नं0. 9412073716

पत्रांकः- 1275/वि0.वि0.ख0ज्वा0/ह0/शटडाउन/ई0ई0/ दिनांक- 10.02.2026

विद्युत बन्दी सूचना

खण्ड के अन्तर्गत आने वाले सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि निम्न तालिका में वर्णित तिथि व समय में 33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान, सहदेवपुर पर 33 के०वी० वी०सी०बी० पैनल बदलने का कार्य किया जाना प्रस्तावित है। अतः तालिका में वर्णित क्षेत्रों से सम्बन्धित सम्मानित उपभोक्ताओं की विद्युत आपूर्ति उल्लिखित तिथि व समय पर आंशिक/पूर्ण रूप से बाधित रहेगी।

क्रम सं0	उपसंस्थान का नाम	पोषक का नाम	दिनांक व दिन	समय	प्रभावित क्षेत्र
01	33/11 के0वी0 विद्युत उपसंस्थान, सहदेवपुर	उक्त उपसंस्थान से पोषित होने वाले समस्त पोषक।	12.02.2026 / बृहस्पतिवार	10:00 बजे से 14:00 बजे तक	शान्तरशाह, हरिआश्रय, पतंजलि के आस-पास के क्षेत्र, सहदेवपुर, अहमदपुर ग्रन्ट, बुढाहेडी एवं उक्त उपसंस्थान से पोषित होने वाले समस्त घरेलू, अघरेलू एवं औद्योगिक उपभोक्ता ।

अतः आपसे अनुरोध है कि उक्त समय में विद्युत एवं पानी की वैकल्पिक व्यवस्था अपने स्तर से करने की कृपा करें। विद्युत बन्दी के समय सम्मानित उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की जाती है।

अधिशासी अभियन्ता

'विद्युत बिलो के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं*
Toll free No- 1800-419-0405

''राष्ट्रहित में विद्युत बचायें''

सूचना (संबंध विच्छेद)

मैंने अपने पुत्र शहबाज व उसकी पत्नी श्रीमती गुलिस्ता को अपनी समस्त चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर अपने सभी संबंध विच्छेद कर लिये है। भविष्य में इन दोनों के किसी भी लेने-देन व कृत्य की जिम्मेदारी मेरी व मेरे परिवार की नहीं होगी। शमीम पुत्र स्व. श्री जरीफ, निवासी मो. पांवधोई, ज्वालापुर, हरिद्वार।

हरिद्वार में समाचार व विज्ञापन के लिये सम्पर्क करें।

सैफ सलमानी

ब्यूरो चीफ

शाह टाइम्स हरिद्वार

कार्यालय : रामनगर, तहसील के पीछे, ज्वालापुर, हरिद्वार

मो.: 9639554327, ई-मेल : shahtimeshr2026@gmail.com

कालसी क्षेत्र में यूटिलिटी वाहन खाई में गिरा, तीन की मौत, पांच घायल

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। पछवादून में लगातार सड़क हादसों का सिलसिला जारी है. ताजा मामला कालसी तहसील के बैराटखाई-गागंरोऊ मोटर मार्ग से सामने आया है. जहां वायाधार के पास एक यूटिलिटी वाहन खाई में जा गिरा, जिसमें अब तक 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच लोग घायल हो गए। वहीं, हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची प्रशासन की टीम ने स्थानीय लोगों के साथ रेस्क्यू अभियान को अंजाम दिया। कालसी तहसील के कोरू क्षेत्र अंतर्गत वायाधार के पास मंगलवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। चिट्टाड़ गांव से विकासनगर जा रही यूटिलिटी वाहन गहरी खाई में गिर गई, जिससे एक की मौके पर ही अथवा 2 की उपचार के दौरान मौत हो गई, जबकि पांच अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, यूटिलिटी वाहन (संख्या यूके07के-2455) सुबह करीब सात बजे चिट्टाड़ गांव से रवाना हुई थी। जैसे ही वाहन विराट खाई-गागरौ मोटर मार्ग पर वायाधार के समीप पहुंची, वह अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय वाहन में कुल आठ लोग सवार थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय लोगों ने खाई में उतरकर घायलों को बाहर निकाला और सड़क तक पहुंचाया। इसके बाद सभी घायलों को एंबुलेंस की सहायता से विकासनगर के सरकारी अस्पताल भेजा गया।

कालसी के नायब तहसीलदार रविंद्र असवाल ने बताया कि हादसे में गांगरो निवासी 65 वर्षीय लूसो देवी पत्नी नंदू दास की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चिट्टाड़ निवासी धनों देवी पत्नी संतू दास तथा गीता देवी पत्नी प्रकाश खन्ना ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में दम तोड़ दिया। घायलों में प्रकाश खन्ना पुत्र जीतराम खन्ना (खुशियों), शंकरिया दास पुत्र झीमा दास (चिट्टाड़), रमेश पुत्र खरू (वाहन चालक), रिया पुत्री सुपा दास (गांगरो) और विजय पुत्र कुंवर सिंह (चिट्टाड़) शामिल हैं। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, घायलों में से तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। हालांकि वाहन को अधिक क्षति नहीं पहुंची, लेकिन खाई में गिरने से सवारियों को गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। प्रारंभिक जांच में तेज गति अथवा सड़क की खराब स्थिति को हादसे का संभावित कारण माना जा रहा है। राजस्व पुलिस कालसी ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन की ओर से मृतकों के परिजनों को आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। इस हादसे के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल बना हुआ है।

केंद्रीय बजट पर श्रमिक संवाद कार्यशाला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा, ग्रामीण देहरादून द्वारा जाटों वाला क्षेत्र में केंद्रीय बजट 2026 को लेकर "श्रमिक संवाद" जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य श्रमिकों, महिलाओं, युवाओं, किसानों और ग्रामीण नागरिकों को केंद्रीय बजट 2026 में उनके लिए किए गए प्रावधानों की जानकारी देना और सरकार की योजनाओं से उन्हें अवगत कराना था। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भेज राम रावत, कार्यालय मंत्री ओबीसी मोर्चा उत्तराखंड उपस्थित रहे। उन्होंने केंद्रीय बजट 2026 को श्रमिक हितैषी बताते हुए कहा कि बजट में श्रमिकों के लिए कौशल विकास योजनाएं, रोजगार सृजन, आवास सुविधा और स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं को प्राथमिकता दी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार श्रमिकों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए निरंतर

प्रयासरत है और बजट 2026 इसी दिशा में एक मजबूत कदम है। मीता सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा, ग्रामीण देहरादून ने कहा कि केंद्रीय बजट 2026 विकसित भारत 2047 के संकल्प को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि जब तक ग्रामीण भारत विकसित नहीं होगा, तब तक विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकता।

नीरज कश्यप, प्रदेश मंत्री ओबीसी मोर्चा ने बजट के प्रमुख प्रावधानों पर विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि महिलाओं, श्रमिकों, युवाओं और किसानों के लिए कई नई योजनाएं और प्रोत्साहन दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह बजट समावेशी विकास का प्रतीक है, जिसमें समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे बढ़ाने का प्रयास किया गया है।कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता एडवोकेट गुरुमेल सिंह राठौड़ ने किया। कार्यक्रम में ओबीसी मोर्चा जिलाध्यक्ष वीरता गुरूंग, मंडल अध्यक्ष रवि कश्यप, प्रशांत कश्यप, दीपक रोहिल्ला, धन प्रकाश, सुनील कश्यप, राहुल पांचाल, उषा देवी, सुरेश चौहान, योगेंद्र सैनी, विनोद कश्यप, नितिन वर्मा, रविंद्र सिंह चौरसिया, अरुण कुमार धीमान, बिपिन रावत, राजकुमार, दयानंद जोशी, मीनाक्षी राठौर, अभिनंदन थापा, राज कक्कर, नीरज पुंडीर, दारा सिंह सहित अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं ग्रामीण नागरिक उपस्थित रहे।

सीएम करेंगे मार्ग चौडीकरण कार्य का शिलान्यास व जनसभा को सम्बोधित

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। विधानसभा सहसपुर के अंतर्गत मिट्ठीबेरी-परवल मार्ग चौड़ीकरण कार्य के शिलान्यास एवं जनसभा कार्यक्रम को लेकर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर के कैंप कार्यालय सुद्धोवाला में समस्त भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में 12 फरवरी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा मार्ग चौड़ीकरण शिलान्यास एवं विशाल जनसभा के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने बताया कि उक्त मार्ग चौड़ीकरण कार्य का शिलान्यास स्वयं मुख्यमंत्री द्वारा किया जाएगा तथा इसी अवसर पर जनसभा को भी मुख्यमंत्री संबोधित करेंगे। यह कार्यक्रम क्षेत्र के विकास की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे आवागमन सुविधाजनक होगा और स्थानीय जनता को सीधा लाभ मिलेगा। विधायक सहदेव सिंह

पुंडीर ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में विकास कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और सहसपुर विधानसभा भी इस विकास यात्रा में निरंतर आगे बढ़ रही है। उन्होंने सभी भाजपा कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पूरी जिम्मेदारी, अनुशासन और समन्वय के साथ कार्यक्रम की तैयारियों में जुटें और अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में कार्यक्रम की व्यवस्थाओं, जनसभा की रूपरेखा और जनसंपर्क को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए, ताकि मुख्यमंत्री के आगमन का यह कार्यक्रम ऐतिहासिक और सफल बनाया जा सके।

केमसारी में 28वें दिन भी गूंजी विस्थापितों की आवाज

नई टिहरी। पुरानी टिहरी के डूबने के बाद विस्थापन का दंश झेल रहे केमसारी टिन शेड कॉलोनी के निवा. सियों का संघर्ष थमने का नाम नहीं ले रहा है। अपने आशियाने पर स्थायी मालिकाना हक की मांग को लेकर एकता शक्ति संगठन के बैनर तले चल रहा इनका शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन 28वें दिन भी बदस्तूर जारी रहा। कड़ाके की ठंड और तमाम दुश्वारियों के बीच आंदोलनकारी अपनी मांगों पर डटे हुए हैं, लेकिन अफसोस इस बात का है कि एक महीने के करीब समय बीतने को है और शासन-प्रशासन ने अब तक इनकी सुध नहीं ली है।मंगलवार को धरना स्थल पर एकत्रित विस्थापितों ने प्रशासन की बेरुखी पर जमकर भड़ास निकाली। आंदोलनकारियों का कहना है कि वे पिछले 28 दिनों से लगातार अपनी जायज मांगों को लेकर आवाज उठा रहे हैं, लेकिन उनकी सुनवाई कहीं नहीं हो रही है।

हनोल मास्टर प्लान विस्थापन संघर्ष समिति का गठन, हरीश बने अध्यक्ष

■ बावर खत के सदर स्याणा चमन सिंह को मुख्य संरक्षक बनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

त्यूणी। मास्टर प्लान से प्रभावित स्थानीय लोगों ने बैठक कर हनोल मास्टर प्लान विस्थापन संघर्ष समिति का गठन किया है। ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से बावर खत के सदर स्याणा एवं पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत चमन सिंह को विस्थापन संघर्ष समिति का मुख्य संरक्षक और हनोल-चातरा के पूर्व प्रधान हरीश राजगुरु को समिति का अध्यक्ष बनाया है। विस्थापन संघर्ष समिति प्रभावित ग्रामीणों के हितों की सुरक्षा व समस्या के समाधान को बनाई गई।

जौनसार बावर के प्रसिद्ध महासू देवता मंदिर हनोल में 120 करोड़ की लागत से बन रहे महासू मंदिर मास्टर प्लान के अंतर्गत आबादी क्षेत्र में कई पीढ़ियों से बसे ग्रामीण परिवारों को विस्थापित किया जा रहा है। मास्टर प्लान से प्रभावित स्थानीय लोगों ने खुली बैठक कर हनोल मास्टर प्लान विस्थापन संघर्ष समिति का गठन किया है। इसमें मुख्य संरक्षक व अध्यक्ष के अलावा सीआर राजगुरु को समिति का संरक्षक, रमेश सिंह को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, रोशनलाल उपाध्यक्ष, जयकिशन सचिव, नत्थी प्रसाद सहसचिव व चमन वर्मा कोषाध्यक्ष चुने गए। विस्थापन संघर्ष समिति की मुख्य कार्यकारिणी में प्रभूलाल, कपिल, अनित, महेंद्र वर्मा, कविता, ललिता, आशा देवी, निशा, सुशीला देवी, विनोद, नवीन वर्मा, कमल, मोहनलाल, जितेन्द्र, टोनी, सूरज, यशनाथ, प्रेम प्रसाद, ताराचंद, प्रदीप वर्मा, धीरज आदि सदस्य नामित हुए।

एक नजर ....

रा.उ.प्रा.वि. में वार्षिक उत्सव का हुआ आयोजन

विकासनगर। पीएम श्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय होरावाला के वार्षिक उत्सव कार्यक्रम में विधायक सहदेव सिंह पुंडीर मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। विद्यालय परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं विभिन्न गतिविधियों ने उपस्थित अभिभावकों और अतिथियों का मन मोह लिया। कार्यक्रम के दौरान विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा के साथ-साथ संस्कार, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना है और इस दिशा में निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। पीएम श्री विद्यालय योजना के माध्यम से विद्यालयों के आधारभूत ढांचे और शैक्षणिक वातावरण को और सुदृढ़ किया जा रहा है। इस अवसर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

गंगोत्री हाईवे पर बीआरओ का ट्रक खाई में गिरा, दो जवान घायल

भटवाड़ी / उत्तरकाशी : गंगोत्री हाईवे पर मल्ला के पास बीआरओ का ट्रक अनियंत्रित होकर गरही खाई में गिर गया है। जिसमें दो लोगों की घायल होने की सूचना है।चौकी प्रभारी भटवाड़ी चडेथी एस आई निखिल देव चौधरी ने बताया कि मंगलवार दोपहर मल्ला के पास बीआरओ का एक ट्रक सड़क से बाहर खाई में गिरा जिसमें दो लोग सवार थे। जिसमें से एक गम्भीर घायल बताया जा रहा है। घटना के बाद मौके पर पहुंची एसडीआरएफ और पुलिस के जवानों ने रेस्क्यू कर प्राथमिक उपचार के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है।

सेपियंस विद्यालय में प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा का आयोजन

■ 28 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। सेपियंस विद्यालय हरबर्टपुर में एलन करियर संस्थान प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आयोजित प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा 2026 का आयोजन किया गया। इस प्रतिभा प्रोत्साहन परीक्षा में विद्यालय की कक्षा 5 से कक्षा 10 तक के कुल 124 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

परीक्षा का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की बौद्धिक क्षमता, तार्किक सोच एवं शैक्षणिक प्रतिभा को पहचानना तथा उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा।

परीक्षा परिणामों में विद्यार्थियों ने सराहनीय प्रदर्शन किया, जिसमें 28 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्राप्त हुआ। अन्य सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर विद्यालय निर्देशिका रश्मि गोयल, प्रधानाचार्या गीता नेगी एवं शिक्षकों ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रशासन ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाएँ विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, अनुशासन एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना को सुदृढ़ करती हैं।

कोटद्वार के वाहन चालकों को बड़ी राहत

कोटद्वार । विधानसभा अध्यक्ष उत्तराखंड एवं विधायक कोटद्वार ऋतु खण्डूडी भूषण के हस्तक्षेप से कोटद्वार क्षेत्र के व्यावसायिक वाहन चालकों एवं वाहन स्वामियों को बड़ी राहत मिली है। गढ़वाल जीप टैक्सी समिति सहित विभिन्न संगठनों द्वारा लंबे समय से यह मांग उठाई जा रही थी कि कोटद्वार एआरटीओ कार्यालय में पंजीकृत वाहनों की फिटनेस प्रक्रिया स्थानीय स्तर पर ही की जाएं। समिति द्वारा अवगत कराया गया था कि वर्तमान व्यवस्था के तहत वाहनों को फिटनेस के लिए हरिद्वार एवं ऋषिकेश स्थित एटीएस केंद्रों पर भेजा जा रहा था, जिससे वाहन चालकों को अनावश्यक आर्थिक बोझ, अतिरिक्त ईंधन व्यय एवं समय की कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

डीएम ने विकास भवन में किया औचक निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। 10 फरवरी : जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य ने मंगलवार सांय विकास भवन में संचा. लित विभिन्न विभागों का औचक निरीक्षण किया। जिलाधिकारी के औचक निरीक्षण में अधिकारियों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान कई विभागों के अधिकारी और कर्मचारी निर्धारित समय के बाद भी कार्यालय में उपस्थित नहीं पाए गए। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित सभी कार्मिकों का स्पष्टीकरण लेने के कड़े निर्देश दिए।

निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने सभी विभागों की गहनता से समीक्षा की। जिलाधिकारी ने पंचायती राज विभाग और सहकारिता विभाग के अधिकारियों को कार्य की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के कड़े निर्देश दिए। तथा संचालित कार्यों की जानकारी नही होने और संतोषजनक उत्तर नही देने पर नियमानुसार

कार्यवाही करने की चेतावनी दी। जिलाधिकारी ने अनुपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। सहकारिता विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने अमीनो की कारगुजारी की प्रगति पर कड़ी नाराजगी जताई और तियां सहकारी समिति के तहत निर्माणाधीन गोदाम और केंद्रीय उपभोक्ता भंडार में प्रस्तावित पुस्तकालय की विस्तृत रिपोर्ट प्रतुत करने के निर्देश दिए। तथा रिपोर्ट उपलब्ध नहीं कराने तक सम्बंधित का वेतन आहरण पर रोक लगाने के निर्देश दिये।

समाज कल्याण विभाग की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने छात्रवृत्ति, पेंशन सहित अन्य योजनाओं की समीक्षा की।

उन्होंने सख्त निर्देश दिए कि कोई भी पात्र छात्र छात्रवृत्ति से वंचित न रहे। जिलाधिकारी ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की समीक्षा की और वितीय प्रगति जानी। जिलाधिकारी ने विकास भवन में आरडब्ल्यूडी द्वारा किए जा रहे मम्मतीकरण कार्यों का भी निरीक्षण किया और तय समय के भीतर गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने महिला बाल विकास विभाग की एकल महिला स्वरोजगार योजना से संबंधित पत्रावली को तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश जिला कार्यक्रम अधिकारी को दिए।

जिलाधिकारी विकास भवन में संचालित सभी विभागों को स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर की स्वच्छता और बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली को अनिवार्य रूप से प्रभावी बनाने के निर्देश देते हुए कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप कार्य न करने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और इस प्रकार के औचक निरीक्षण भविष्य में भी जारी रहेंगे। निरीक्षण में परियोजना निदेशक डीआरडीए अजय सिंह उपस्थित रहे।

पुरोला : 2027 की रणभूमि में 'अभिमन्यु वध' के लिए बुन रहे चक्रव्यूह , धनुर्धारी तैयार

चिरंजीव सेमवाल

पुरोला / उत्तरकाशी। पुरोला सुरक्षित विधानसभा सीट पर 2027 का चुनाव के लिए अभी करीब 10 माह का समय है, लेकिन भाजपा के भीतर रणभेरी समय से पहले बज चुकी है। इस सीट पर भाजपा को बाहरी विरोधियों से ज्यादा खतरा अपनी पार्टी के नेताओं से दिखाई दे रहा है। वर्तमान समय में भीतरखाने चल रही गुटबाजी अब खुले मैदान में उतर आई है और हर खेमे की नजर "अभिमन्यु" पर टिकी हुई बताई जा रही है।

नजर भी क्यों नहीं होगी जब राजनीति के वही पुराने धुर-विरोधीख़जिन पर अभिमन्यु ने "सांप और नेवला" कह दियाख़पूर्व विधायक मालचंद और पूर्व विधायक एवं दायत्व धारी उपाध्यक्ष बागवानी विकास परिषद्

राजकुमार अब एक ही सूर ताल में नजर आ रहे हैं। यही दृश्य इन दिनों राजनीतिक गलियारों में सबसे बड़ा चर्चा का बिषय बन गया है। सवाल बस इतना है कि 2027 के रण में यह नई-नवेली दोस्ती आखिर किसे राजनीतिक डंक मारेगी?याद दिलाना जरूरी है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का रण छोड़कर भाजपा प्रत्याशी दुर्गेश्वर लाल के समर्थन में पूर्व विधायक राजकुमार पूरे लाव-लश्कर के साथ मैदान में उतरे थे। जीत के बाद इन्हें पार्टी ने इनाम भी दिया राज्यमंत्री उपाध्यक्ष बागवानी विकास परिषद् के उपाध्यक्ष पद का। वही राज. कुमार, अपने कभी के 'धुर विरोधी मालचंद के साथ खड़े दिख रहे हैं।राजनीतिक पंडित इसे सामान्य संवाद नहीं, बल्कि टिकट के पहले का ट्रेलर मान रहे हैं।इधर मौजूदा विधायक दुर्गेश लाल भी अपने अंदाज में लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। कभी अपने ही मंत्रियों और पूर्व विधायकों पर तीखे वार, तो कभी अगले ही दिन "पितातुल्य" का प्रमाणपत्र। हाल ही में जब प्रदेश के

■ सांप-नेवले की दोस्ती, राजनीतिक डंक किसे लगेगा? ■ पुरोला विधायक के बड़े बोल, चपरासी कांड की आंच पहुंची दिल्ली तक

कृषि एवं बागवानी मंत्री गणेश जोशी ने पूर्व विधायक मालचंद को उत्तरकाशी जनपद का प्रतिनिधि घोषित किया, तो विधायक ने इसे सीधे-सीधे "चपरासी" की संज्ञा देकर ठंड के मौसम में राजनीतिक पारा और बढ़ा दिया।पूर्व विधायक ने भी पलटवार करते हुए में व्यंग्यात्मक लहजे में विधायक को धन्यवाद देते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री चौकीदार और मुख्यमंत्री मुख्य सेवक हैं, तो उन्हें चपरासी बना दिया गयाख़इसके लिए वे आभारी हैं। साथ ही यह तंज भी कस दिये कि जो व्यक्ति प्रदेश के कद्दावर मंत्रियों के आवास पर अपनी ही सरकार के खिलाफ धरना देता हो, उसकी राजशाही कितने दिन चलेगी, ये तो वक्त बताएगा।इस "चपरासी कांड" पर राज्यमंत्री उपाध्यक्ष बागवानी विकास परिषद् परिषद के सदस्य संजय थपलियाल समेत कई नेताओं ने खुलकर आपत्ति दर्ज कराई और विधायक के बड़े बोल को पार्टी के लिए आत्मघाती करार दिया।राजनीतिक गलियारों में अब चर्चा है कि जो अपने ही वरिष्ठ मंत्रियों और पुराने सहयोगियों को नहीं बख्श रहा, वह चुनावी समय में किसे साथ लेकर चलेगाख़यह सबसे बड़ा सवाल होगा? सूत्रों की मानें तो विधायक के चपरासी बयान पर पार्टी संगठन तक वायरल वीडियो जंगल की आग की तरह पार्टी आलाकमान तक फैल गई है। अब देखने वाली बात होगी कि अनुशासन का पाठ पढ़ाने वाली भाजपा में संगठन इस पर कठोर कदम उठायेंगी या नहीं।

यूं तो पुरोला की राजनीतिक हालात कुछ ऐसे बन गए हैं कि भाजपा में रहते हुए भी हर खेमा खुद को अलग पार्टी मानकर चल रहा है। कहीं पुराने दिग्गजों की अनदेखी का दर्द है, तो कहीं नए नेतृत्व की शैली से उपजा असंतोष। राजनीतिक विश्लेषकों की नजर में 2027 के रण में पुरोला में भाजपा के लिए असली लड़ाई विपक्ष से नहीं, बल्कि अपने भीतर से होगी। गुटबाजी, भीतरघात और टिकट की होड़ख़तीनों मिलकर पुरोला में उस चक्रव्यूह की रचना कर रहे हैं, जिसमें यह तय होना बाकी है कि अभिमन्यु कौन होगाख़ और महाभारत का धनुर्धारी अर्जुन किस खेमे में बैठे होंगे। फिलहाल महाभारत तो द्वापर युग में था। ये कलयुग है सहाब जहां सांप और नेवला एक ही बिल में बैठते हैं। अब देखना बाकी है कि 2027 के रण में पुरोला विधानसभा में राजनी. तिक डंक किसे लगता हैख़ और जहर किसके हिस्से आता है?

इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन का फोकस

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी। इको टूरिज्म को बढ़ावा देने की दिशा में जिला प्रशासन उत्तरकाशी महत्वपूर्ण पहल कर रही है। वरुणावत पर्वत टॉप पर इको पार्क विकसित करने को लेकर मंगलवार को जिलाधिकारी प्रशान्त आर्य की अध्यक्षता में बैठक हुई। बैठक में पर्यटन विभाग,वन विभाग तथा होटल एसोसिएशन के प्रति. निधियों ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि इको पार्क के निर्माण में किसी अनुभवी आर्किटेक्ट के साथ बैठक कर आकर्षक, आधुनिक एवं पूर्णत: इको-फ्रेंडली डिजाइन तैयार किया जाए, ताकि पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण का अनुभव भी कर सकें। उन्होंने कहा कि पार्क का विकास

इस तरह किया जाए जिससे पहाड़ों की नैसर्गिक सुंदरता बनी रहे और स्थानीय जैव विविधता को किसी प्रकार की क्षति न पहुंचे।

बैठक में वरुणावत टॉप तक पहुंच को और अधिक सुगम बनाने पर भी चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बस अड्डे के समीप से वरुणावत व्यू पॉइंट तक प्रस्तावित ट्रेक मार्ग के सुधारीकरण के निर्देश दिए, जिससे पर्यटक सुरक्षित और सुविधाजनक रूप से ट्रेकिंग का आनंद ले सकें। इसके साथ ही इको पार्क में कैफेटेरिया एरिया, बच्चों के लिए झूले, बैठने की व्यवस्था,सेल्फी पॉइंट तथा सूचना बोर्ड जैसी सुविधाएं विकसित करने पर जोर दिया गया। बैठक में जिला पर्यटन विकास अधिकारी केके जोशी,एसडीओ रश्मि धयानि,होटल एसोसिएशन के अध्यक्ष शैलेन्द्र मटूड़ा उपस्थित रहे।

वीबी-जी राम जी योजना - ग्रामीण परिवारों को 100 के बजाय 125 दिन मिलेगा गारंटीशुदा रोजगार : जोशी

■ काशीपुर में वीबी-जी राम जी बिलख्र 2025 पर आधारित कार्यशाला को सम्बोधित

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। प्रदेश के ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने काशीपुर में आयोजित विकसित भारतख्ररोजगार और आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण) वीबी-जी राम जी बिलख्र2025 पर आधारित कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने किसानों एवं स्थानीय लोगों से संवाद कर सरकार की ग्रामीण रोजगार नीति की जानकारी दी।

ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष द्वारा मनरेगा को समाप्त किए जाने की अफवाहों को निराधार है। उन्होंने कहा कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में योजना को और अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने बताया कि वर्ष 1989 में जवाहर रोजगार योजना से शुरू होकर समय-समय पर योजना का नाम परिवर्तित किया गया है। ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने कहा कि अब वीबी-जी राम जी योजना के तहत ग्रामीण परिवारों को 100 के स्थान पर 125 दिन का गारंटीशुदा रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि योजना में सामान्य राज्यों के लिए 60:40 तथा हिमालयी व पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10 का केंद्र-राज्य वित्तीय अनुपात निर्धारित किया गया है। मंत्री जोशी ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्यों में रिटेनिंग वॉल को अनुमन्य कार्यों में शामिल किया गया है। ग्राम्य विकास मंत्री जोशी ने कहा कि कृषि के व्यस्त समय को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार वर्ष में 60 दिन ऐसे निर्धारित कर सकेगी, जब योजना के अंतर्गत कार्य नहीं कराया जाएगा। साथ ही जल जीवन मिशन के तहत बनी परिसंपत्तियों के रखरखाव, स्थायी परिसंपत्तियों के निर्माण, जल संरक्षण, ग्रामीण आधारभूत ढांचे तथा कृषि एवं आजीविका संवर्धन को प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का बजट 86 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 95,692 करोड़ रुपये कर दिया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। इस अवसर पर स्थानीय विधायक त्रिलोक सिंह चीमा, राज्यमंत्री विनय रोहिला,राज्यमंत्री मंजीत राजू, मेयर दीपक बाली, जिलाध्यक्ष मनोज पाल, ब्लॉक प्रमुख चंद्र प्रथा, गुरविंदर चंडोक, मंडल अध्यक्ष अर्जुन, बृजेश पाल, जसपाल जस्सी आदि मौजूद रहे।

दुष्कर्मी को 20 साल का कारावास

हल्द्वानी। नाबालिग के साथ दुष्कर्म करने वाले आरोपी को कोर्ट ने कठोर कारावास के साथ उस पर 20 हजार रुपए का अर्थदंड भी लगाया है और अगर उसने अर्थदंड जमा न किया तो उसने और 6 माह तक जेल में ही रहना होगा। जानकारी के अनुसार राजपुरा निवासी संदीप शर्मा पर क्षेत्र की एक नाबालिग को बहला फुसलाकर अपने साथ ले जाने और उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगा था। यह मामला दो जून 2023 का था। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने संदीप के खिलाफ पॉक्सो और दुष्कर्म की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। अगले ही दिन पुलिस ने संदीप को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया था। मामला कोर्ट में चला। अभियोजन अधिकारी दीपा रानी ने बताया कि मंगलवार को स्पेशल जज पॉक्सो ने मामले में सुनवाई की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सबूतों व गवाहों के मद्देनजर मनमोहन सिंह की अदालत ने आरोपी को 20 वर्ष के कारावास की सजा और 20 हजार रुपये जुर्माने से दंडित किया।

प्रतापनगर में 190 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने सीखे पोषण और सेहत के गुर

■ आयरन लड्डू और आंवला कैंडी से मिटेगा कुपोषण, जिले के लिए 36 मास्टर ट्रेनर हुए तैयार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजी. विका मिशन (एनआरएलएम) की जिला मिशन प्रबंधन इकाई टिहरी द्वारा कुपोषण के खिलाफ जंग और महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाया गया है। विकासखंड प्रताप. नगर के ब्लॉक सभागार में खाद्य, पोषण, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विषय पर आयोजित दो दिवसीय गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम मंगलवार को संपन्न हो गया। 9 और 10 फरवरी तक चले इस शिविर में क्षेत्र की 190 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतिभाग किया और स्वस्थ समाज के निर्माण का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की कोर्स निदेशक डॉ. कीर्ति कुमारी ने प्रशिक्षण के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पहल महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य और आजीविका के क्षेत्र में सशक्त बनाने के लिए की गई है। उन्होंने बताया कि इस अभियान को जमीनी स्तर तक ले जाने के लिए एक मजबूत रणनीति तैयार की गई है। इसके तहत जिले के सभी नौ विकासखंडों से प्रत्येक ब्लॉक से दो सुपरवाइजर और दो आईपीआरपी (प्च्त्च्) का चयन कर उन्हें मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रकार कुल 36 महिलाओं की एक दक्ष टीम तैयार की गई है, जो अपने-अपने क्षेत्रों में नेतृत्वकारी भूमिका निभाते हुए समुदाय को जागरूक करेंगी। प्रशिक्षण के दौरान बताया गया कि जनपद में गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य सुधार के लिए आयरन लड्डू और आंवला कैंडी वितरण परियोजना चलाई जा रही है। इसके सफल संचालन और प्रभावी निगरानी के लिए संबंधित कार्मिकों को विशेष प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही, एनआरएलएम समूहों के माध्यम से बायो-फोर्टिफाइड गेहूं की उन्नत किस्मों का प्रदर्शन और पोषण वाटिकाओं के विकास पर भी कार्य किया जा रहा है, ताकि स्थानीय

टिहरी लेक फेस्टिवल की तैयारियां तेज, विजेताओं पर होगी धनवर्षा

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। विश्व प्रसिद्ध टिहरी झील के तट पर आयोजित होने वाले भव्य "टिहरी लेक फेस्टिवल" को लेकर प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। महोत्सव को भव्य और यादगार बनाने के लिए मंगलवार को जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने कोटि कॉलोनी क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया और अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। इस दौरान महोत्सव की रूपरेखा तय की गई और विभिन्न साहसिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के आयोजन पर मुहर लगाई गई। खास बात यह है कि इस बार महोत्सव में होने वाली प्रतियोगिताओं के विजेताओं को नकद धनराशि से मालामाल किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने सबसे पहले कोटि कॉलोनी स्थित भूखंड का मुआयना किया और अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपलब्ध भूमि का इष्टतम उपयोग सुनिश्चित किया जाए, ताकि पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें। इसके बाद ली रॉय होटल में जनप्रति. निधियों और अधिकारियों के साथ हुई बैठक में महोत्सव के आकर्षणों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्य विकास अधिकारी वरुणा अग्रवाल ने बताया कि इस बार महोत्सव में रोमांच और हुनर का संगम देखने को मिलेगा।

मास्टर शेफ टिहरी, फोटोग्राफी, रैप, पेंटिंग और पहाड़ी परिधानों पर आधारित "मिस्टर एंड मिस टिहरी" फैशन शो का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा साहसिक खेलों के शौकीनों के लिए ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, वाटर स्पोर्ट्स, माउंटेन बाइकिंग और राफ्टिंग जैसे इवेंट भी होंगे। प्रतियोगिताओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 1 लाख, द्वितीय को 50 हजार और तृतीय स्थान पर रहने वाले को 25 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

बैठक में स्थानीय जनप्रति. निधियों ने भी अपने सुझाव रखे। टिहरी नगर पालिका अध्यक्ष मोहन रावत ने सुझाव दिया कि महोत्सव के दौरान नई टिहरी शहर को विशेष रूप से सजाया जाए और युवाओं के लिए फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाए। वहीं, मुनि की रेती पालिका अध्यक्ष नीलम बिजल्वाण ने काइट शो के माध्यम से स्वच्छता का संदेश देने की बात कही, जिसे स्वीकार कर लिया गया। महोत्सव के दौरान "सेव गंगा" (गंगा संरक्षण) की थीम पर विशेष जागरूकता कार्यक्रम और पुरानी टिहरी की यादों को ताजा करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, साथ ही फूड फेस्टिवल में स्थानीय व्यंजनों का जायका भी मिलेगा।

रिश्तेदार की शादी में जा रह युवक बना जहरखुरानी का शिकार

हल्द्वानी। रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए दिल्ली से भीमताल जा रहे एक युवक को जहरखुरानी गिरोह ने अपना शिकार बना दिया। बस से उतरते ही वह बेहा.ेश होकर सड़क पर गिर पड़ा। बाद में जब उसे होश आया, तो पता चला कि उसका मोबाइल फोन, नगदी और एटीएम कार्ड गायब हैं। इसके बाद कुछ ही देर में उसके खाते से एक लाख रुपये भी निकाल लिए गए। काठगोदाम पुलिस अब मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार गंगोली पिथौरागढ़ निवासी पंकज पांडे दिल्ली में एक आईटी कंपनी में काम करते हैं। पंकज के जीजा हिमांशु पांडे के अनुसार जब पंकज को एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने के लिए भीमताल जाना था। इसके लिए वह सोमवार रात आनंद बिहार, दिल्ली से बस में सवार हुआ। सुबह करीब 5 बजे बस ने उसे शीशमहल में उतार दिया। जैसे ही पंकज बस से उतरा, वह अचानक बेहोश हो गया और सड़क किनारे गिर गया। मंगलवार की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले कुछ लोगों ने पंकज को देखा और सूचना उसके परिजनों को दी।

महाराज का प्रकटोत्सव सादगी और श्रद्धाभाव से मनाया

■ मुख्यमंत्री धामी ने फोन कर महाराज को प्रकटोत्सव पर दी शुभकामनाएं।

■ स्वास्थ्य मंत्री डॉ रावत ने दरबार साहिब पहुंचकर महाराज से लिया आशीर्वाद और जन्मदिवस की शुभकामनाएं दीं।

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। दरबार श्री गुरु राम राय महाराज, देहरादून के सज्जादे गद्दी नशीन श्रीमहंत देवेन्द्र दास महाराज का 26वां प्रकटोत्सव श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के पावन वातावरण में अत्यंत श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। सूबे के मुखिया मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने महाराज को फोन कर प्रकटोत्सव की बधाई एवम् शुभकामनाएं दीं। स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने श्री दरबार साहिब पहुंचकर महाराज से आशीर्वाद लिया व उन्हें जन्मदिवस की बधाई एवम् शुभकामनाएं दीं। देश विदेश सहित उत्तराखंड व पड़ोसी राज्यों से श्री दरबार साहिब पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने श्रद्धा से नतमस्तक होकर महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया व उन्हें जन्मदिवस (प्रकटोत्सव) की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस शुभ और मंगल अवसर पर दरबार साहिब में विशेष पूजा अर्चना आयोजित की गई व श्रद्धालुओं के मध्य प्रेम, सेवा और समर्पण भाव से प्रसाद वितरण किया गया। वहीं उत्तर भारत में संचालित श्री गुरु राम राय पब्लिक स्कूलों के छात्र-छात्राओं व स्टाफ सदस्यों, श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल देहरादून के डॉक्टरों, स्टाफ सदस्यों सहित शहर के कई गणमान्य व्यक्तियों, उत्तराखंड के विभिन्न जनपदों, उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान सहित देश-विदेश के कोने-कोने से पहुंचीं संगतों व श्रद्धालुओं ने दरबार साहिब में महाराज से आशीर्वाद लिया व उन्हें दीर्घायु होने की श्रद्धापूर्वक शुभकामनाएं दीं। पंजाब व हरियाणा से संगतें रविवार को ही दरबार साहिब पहुंच गई थीं। बधाई देने का क्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ देर शाम तक जारी रहा। इस मौके पर श्रद्धालुओं के लिए मिष्ठान व लंगर की विशेष, सुव्यवस्थित और सेवा भाव से परिपूर्ण व्यवस्था की गई। देहरादून के कई अनेक लोगों ने दरबार साहिब पहुंचकर महाराज को शुभकामनाएं दीं।

दरबार साहिब परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया

श्री महंत इन्दिरेश अस्पताल के ब्लड बैंक, श्री महाकाल सेवा समिति एवम् एसजीआरआर पीजी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में दरबार साहिब परिसर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर भी लगाया गया। सेवा और मानवता के इस पुनीत कार्य में शिविर में 65 यूनिट रक्तदान हुआ। शिविर को सफल बनाने में श्री महाकाल सेवा समिति के अध्यक्ष रोशन राणा एवम् उनकी टीम, ब्लड बैंक के कोओर्डिनेटर अमित चन्द्र, एसजीआरआर पीजी कॉलेज छात्रसंघ अध्यक्ष बलबीर कुंवर का विशेष, सराहनीय और निस्वार्थ सहयोग रहा।

सोशल मीडिया पर अनजान लोगों से संपर्क बढ़ा रहा साइबर अपराध और अनैतिक रिश्तों का जाल : कुसुम

■ सोशल मीडिया का मायाजाल तोड़ रहा परिवारों की नींव, राज्य महिला आयोग ने जताई गंभीर चिंता,

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। आधुनिकता की दौड़ में सोशल मीडिया का बढ़ता प्रभाव अब समाज के लिए एक गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग ने सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में बढ़ते दुष्प्रभावों और बिखरते पारिवारिक ताने-बाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी और बच्चे सोशल मीडिया की चकाचौंध में अपनी वास्तविक राह से भटक रहे हैं। आयोग ने इस समस्या की मुख्य जड़ 'पारिवारिक समन्वय की कमी' को माना है। उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने समाज में सोशल मीडिया के बढ़ते घातक प्रभावों और उससे उपजी गंभीर समस्याओं पर संज्ञान लिया है। उन्होंने अनुभव के आधार पर विश्लेषण के साथ भयावह पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर अनजान लोगों के संपर्क में आने से महिलाएं और बेटियां लगातार साइबर अपराध और अनैतिक रिश्तों के जाल में फंस रही हैं। 'डिजिटल फ्रेंडशिप' के नाम पर बन रहे ये अवैध रिश्ते न केवल वैवाहिक जीवन को तबाह कर रहे हैं, बल्कि मासूम जिंदगियों को भी गलत रास्ते पर ले जा रहे हैं। आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज की युवा पीढ़ी और बच्चे सोशल मीडिया की आभासी दुनिया में इस कदर फंस गए हैं कि उनका अपने परिवार, अपनी संस्कृति और संस्कारों से नाता पूरी तरह टूटता जा रहा है। घर के बुजुर्गों और माता-पिता के साथ बच्चों का रिश्ता अब नाममात्र का रह गया है क्योंकि बच्चे मोबाइल की चकाचौंध में अपनी एक अलग ही काल्पनिक दुनिया बना लेते हैं और उसे ही अपना सब कुछ मान बैठते हैं। उन्होंने कहा कि संस्कारों से यही कटाव बेटियों और महिलाओं के भटकने की मुख्य कड़ी बन रहा है। सोशल मीडिया के मायाजाल में फंसकर लड़कियां धीरे-धीरे परिवार से भावनात्मक रूप से कट जाती हैं और इस दलदल में धंसती चली जाती हैं। विशेष रूप से जो लड़कियां घर से बाहर पढ़ाई या नौकरी के लिए दूसरे शहरों में रह रही हैं, वे अक्सर अनजान लोगों के संपर्क में आकर बिना सोचे-समझे 'लिव-इन' जैसे रिश्तों में बंध रही हैं। आयोग ने चेतावनी दी है कि ऐसे रिश्तों के परिणाम प्रायः दुखद और असफल होते हैं, जो न केवल एक जीवन को बर्बाद करते हैं बल्कि पूरे परिवार को मानसिक और सामाजिक पीड़ा देते हैं। विकट स्थिति को देखते हुए कुसुम कंडवाल ने बतौर राज्य महिला आयोग अध्यक्ष अभिभावकों के लिए एक विशेष अपील की है कि माता-पिता अपने बच्चों से नियमित संवाद करें और उनके साथ दोस्ताना व्यवहार रखते हुए उनके दिनभर की गतिविधियों की जानकारी लें। यह अत्यंत आवश्यक है कि समय-समय पर बच्चों के रहन-सहन, उनकी संगत और उनकी बदलती आदतों को बारीकी से परखा जाए। माता-पिता की सक्रिय निगरानी और बच्चों के साथ उनका मजबूत भावनात्मक रिश्ता ही उन्हें इस डिजिटल दलदल से बाहर निकाल सकता है और समाज को पतन की ओर जाने से रोक सकता है।

किशोर उपाध्याय ने सीएम धामी को सौंपा 10 सूत्रीय मांग पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। टिहरी विधानसभा क्षेत्र के चहुंमुखी विकास और लंबित पड़ी परियोजनाओं को रफ्तार देने के उद्देश्य से स्थानीय विधायक किशोर उपाध्याय ने मंगलवार को देहरादून में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को टिहरी के विकास के लिए 10 प्राथमिकता वाले कार्यों का एक मांग पत्र सौंपा। विधायक ने बताया कि पूर्व में मुख्यमंत्री ने स्वयं क्षेत्र के विकास के लिए प्रमुख प्रस्ताव मांगे थे, जिस पर अमल करते हुए उन्होंने आज यह सूची सीएम को सौंपी है।

मुलाकात के दौरान विधायक उपाध्याय ने टिहरी में पर्यटन के क्षेत्र में हो रहे अभूतपूर्व कार्यों के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से टिहरी अब विश्व पटल पर अपनी पहचान बना रहा है। इसके बाद उन्होंने क्षेत्र की जनता की बेहद जरूरी और लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों को प्रमुखता से रखा। मांग पत्र में सबसे प्रमुख मांग नई टिहरी में मेडिकल कॉलेज की स्थापना की है, जिससे स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिल सके। इसके अलावा शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा कदम उठाते हुए टिहरी हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज को आईआईटी का स्वरूप प्रदान करने और श्री देव सुमन विश्वविद्यालय को एक पूर्ण परिसरीय विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने की बात कही गई है।

विधायक ने उच्च शिक्षा को मजबूती देने के लिए वानिकी एवं औद्यानिकी परिसर रानीचौंरी को विश्वविद्यालय का दर्जा देने और बादशाहीथौल स्थित हेमवंती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय परिसर को पूर्ण विश्वविद्यालय बनाने की वकालत की। साथ ही सुरसिंहधार नर्सिंग कॉलेज को पीजी कॉलेज में उच्चीकृत करने की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई। खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए नई टिहरी स्टेडियम को विश्व स्तरीय सुविधाओं से लैस करने का प्रस्ताव भी दिया गया।

बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने के लिए विधायक ने विधानसभा क्षेत्र में 200 किलोमीटर नई सड़कों के निर्माण की स्वीकृति मांगी है। वहीं, नई टिहरी शहर की प्यास बुझाने के लिए रीह से शुद्ध पेयजल योजना की स्वीकृति का मुद्दा भी उठाया। एक और महत्वपूर्ण मांग जो क्षेत्रवासियों के दिल के करीब है, वह है टिहरी विधानसभा के निवासियों को प्रतापनगर और उत्तरकाशी की तर्ज पर अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) घोषित करना। विधायक किशोर उपाध्याय ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सभी मांगों को गंभीरता से सुना और शीघ्र ही सकारात्मक कार्रवाई का भरोसा दिलाया है।

व्यापारियों ने आम बजट को बताया विकास का आधार

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। भारत सरकार द्वारा पेश किए गए वित्तीय वर्ष 2026-27 के आम बजट का टिहरी के व्यापारी समुदाय ने दिल खोलकर स्वागत किया है। प्रांतीय उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले आयोजित वरिष्ठ व्यापारी संवाद सम्मेलन में वक्ताओं ने इस बजट को व्यापारी हितों का संरक्षक और राज्य के विकास के लिए मील का पत्थर बताया। सम्मेलन में जानक. ारी दी गई कि नए बजट प्रावधानों के तहत उत्तराखंड राज्य को केंद्रीय करों की हिस्सेदारी के रूप में 1841 करोड़ रुपये की अतिरिक्त धनराशि प्राप्त होगी, जिससे राज्य के बाजारों और कस्बों में मूलभूत सुविधाओं का ढांचा मजबूत होगा। मंगलवार को जिला मुख्यालय के बौराड़ी स्थित मिलन केंद्र में व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कंडारी की अध्यक्षता में यह महत्वपूर्ण सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संवाद कार्यक्रम के प्रदेश सहसंयोजक एवं बदरी-केदार मंदिर समिति (बीकेटीसी) के सदस्य दिनेश डोभाल ने किया। उन्होंने बजट की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने पर्वतीय राज्यों की जरूरतों को समझा है। अतिरिक्त बजट आवंटन से राज्य में विकास की गति तेज होगी और इसका सीधा लाभ व्यापारिक गति. विधियों को मिलेगा।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।

सम्पादकः
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कार्यालय नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम-जौंक, पौड़ी गढ़वाल।

संख्या- 993 /निविदा सूचना/निर्माण/2025-26 दिनांक- 10 फरवरी, 2026

निविदा सूचना

नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम-जौंक, जनपद-पौड़ी गढ़वाल द्वारा राज्य वित्त के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से अपनी सीमान्तर्गत विभिन्न स्थलों पर सौन्दर्यीकरण के दृष्टिगत वॉल पेंटिंग कार्य कराये जाने हैं। इस हेतु संविदाकारों से दिनॉक 21-02-2026 को अपराह्न 03:00 बजे तक सीलबन्द दरें आमन्त्रित की जाती हैं, जो दिनॉक 23-02-2026 को अपराह्न 02:00 बजे उपस्थित संविदाकारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोली जायेंगी। निविदा प्रपत्र निर्धारित शुल्क अदा कर दिनॉक 20.02.2026 तक 05:00 बजे तक कार्यालय से प्राप्त किये जा सकते हैं। किसी भी अथवा समस्त निविदाओं को स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार अध्यक्ष निविदा समिति/मा0 अध्यक्ष नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम-जौंक में अंतिम रूप से निहित होगा। कार्य का विवरण निम्नवत है-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	निविदा प्रतिभूति	निविदा प्रपत्र का मूल्य	निविदा की वैधता
3.	नगर पंचायत स्वर्गाश्रम जौंक में विभिन्न स्थानो पर वाल पेंटिंग कराये जाने का कार्य।	₹74520-00	2,000+18 प्रतिशत जी0एस0टी0 अतिरिक्त	60 दिन

(दीपक कुमार शर्मा)
अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत, स्वर्गाश्रम-जौंक
पौड़ी गढ़वाल।

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी भूमि खाता खतौनी संख्या 109 खसरा संख्या 492 ग्राम लाखामंडल (फसली वर्ष 1430 से 1435) जिसका कुल क्षेत्रफल 0.0970 हेक्टेयर है। उक्त भूमि पूर्व में मेरे द्वारा श्री राजू पुत्र श्री वंशी श्रीमती सेवकी देवी तथा श्रीमती श्यामा देवी से दिनांक 28.12.2006 को क्रय की गई थी। इसके बाद से मैं उक्त संपत्ति का वर्तमान स्वामी हूं। उक्त रजिस्ट्री सब रजिस्टार चकराता के समक्ष बही संख्या-1 जिल्द संख्या II पृष्ठ संख्या 943 से 962 तक क्रमांक 171 पर दिन दिनांक 28.12.2006 को पंजीकृत की गई है। इस संपत्ति का शुद्धि पत्र सब रजिस्टार चकराता के समक्ष बही संख्या-1 जिल्द 143 के पृष्ठ संख्या 210 से 229 क्रमांक 734 पर दिनांक 28 नवंबर 2025 को निष्पादित किया गया है। इस संपत्ति की मूल रजिस्ट्री वास्तव में कहीं खो गई है। काफी तलाश करने के बाद भी उक्त मूल दस्तावेज प्राप्त नहीं हुआ है। मेरे द्वारा उक्त भूमि के दस्तावेजों का दुरुपयोग नहीं किया गया है और ना ही यह संपत्ति किसी बैंक या वित्तीय संस्था में बंधक है।

वर्तमान स्वामी बलवीर सिंह पुत्र श्री चौतू उक्त भूमि पर वीर चंद्र सिंह गढ़वाली योजना के अंतर्गत उत्तराखंड ग्रामीण बैंक लाखामंडल से होटल/मोटेल निर्माण ऋण हेतु आवेदन कर रहे हैं यदि किसी व्यक्ति को इस खोई हुई रजिस्ट्री या ऋण प्रक्रिया के संबंध में कोई आपत्ति हो तो वह 15 दिनों के भीतर संपर्क कर सकता है।

बलवीर सिंह पुत्र चौतू
निवासी म्यूडा चकराता देहरादून
(सम्पति का पता लाखामंडल चकराता देहरादून)
मोबाइल नंबर- 9760064842

सार्वजनिक सूचना

यह सूचना आम जनता को दी जाती है कि श्री अशोक वासु पुत्र श्री एस. वासु, निवासी - 18, तेग बहादुर रोड, देहरादून, निम्नलिखित संपत्ति के पूर्ण एवं निर्विवाद स्वामी हैं-

"सर्विस रोड, बलबीर एवेन्यू रोड (वर्तमान में तेग बहादुर रोड), मौजा धरमपुर, जिला देहरादून में स्थित 758 वर्ग मीटर क्षेत्रफल की संपत्ति"

उक्त भू-खंड के संबंध में मूल विक्रय विलेख, जो उप-पंजीयक कार्यालय, देहरादून में बुक नं. 01, वॉल्यूम 1263, पृष्ठ 261 से 274, दस्तावेज संख्या 8399, दिनांक 02.12.1975 को विधिवत पंजीकृत है, खो गया है।

इस संबंध में दिनांक 09/02/2026 को थाना डालनवाला, देहरादून में पुलिस शिकायत भी दर्ज कराई जा चुकी है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त खोया हुआ दस्तावेज प्राप्त हो या किसी व्यक्ति का उक्त संपत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा, पूर्व अधिकार या हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना की तिथि से 14 दिनों के भीतर अधोहस्ताक्षरी से संपर्क कर अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

ए.एस. मक्कर
अधिवक्ता
मोबाइलः +91-8859996999
पताः D-89, रेस कोर्स, देहरादून

खेल विशेष

लखनऊ प्रीमियर लीग में मिलेगी स्थानीय खिलाड़ियों को प्राथमिकता

लखनऊ, वार्ता। बहुप्रतीक्षित लखनऊ प्रीमियर लीग अब उत्तर प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के दिशानिर्देशों के अनुरूप आयोजित की जाएगी। नए प्रारूप के तहत प्रत्येक फ्रेंचाइजी की 20 सदस्यीय टीम में अधिकतम 18 खिलाड़ी लखनऊ के या लखनऊ में पंजीकृत होकर ट्रायल देने वाले होंगे, जबकि केवल दो खिलाड़ी बाहर के शामिल किए जा सकेंगे। लीग अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सात मार्च से शुरू होगी। बीबीडी बैडमिंटन अकादमी स्थित सीएएल मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक की अध्यक्षता सीएएल अध्यक्ष ने की। इस दौरान लीग कमिश्नर एसपी मिश्रा, सीएएल सचिव केएम खान समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। डॉ- सहगल ने बताया कि यूपीसीए द्वारा यूपीटी-20 लीग के लिए जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर ही एलपीएल का संचालन होगा और टीम चयन प्रक्रिया में आवश्यक बदलाव किए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार पूर्व में हुई खिलाड़ियों की नीलामी के आधार पर गठित टीमों में संशोधन किया जाएगा। लखनऊ से बाहर के खिलाड़ियों में से प्रत्येक फेंच. इजी केवल दो खिलाड़ियों को ही रख सकेगी। शेष स्थानों पर पूर्व सूची में शामिल स्थानीय खिलाड़ियों को अवसर दिया जाएगा। जो खिलाड़ी लखनऊ में पंजीकरण कर विभिन्न प्रतियोगिताओं के ट्रायल देते हैं, उन्हें स्थानीय माना जाएगा, जबकि स्थानीय खिलाड़ी यदि अन्य जिले से पंजीकृत हैं तो उन्हें लखनऊ का खिलाड़ी नहीं माना जाएगा। एलपीएल की संचालन समिति और फ्रेंचाइजी मालिकों के साथ बुधवार को बीबीडी बैडमिंटन अकादमी में बैठक होगी, जिसमें नए प्रारूप की जानकारी दी जाएगी।

पाक ने भारत के खिलाफ मैच बहिष्कार का फैसला वापस लिया

● **पाक सरकार ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए उन्होंने पाक टीम को भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति दी**

लाहौर, वार्ता। पाकिस्तान सरकार ने 15 फरवरी को कोलंबो में भारत के खिलाफ होने वाले टी-20 विश्व कप ग्रुप मैच में उनकी टीम के बहिष्कार के फैसले को वापस ले लिया है। पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि मित्र देशों के अनुरोध को देखते हुए, उन्होंने पाकिस्तान टीम को भारत के खिलाफ मैच खेलने की अनुमति दे दी है। पाकिस्तान सरकार के भारत के खिलाफ मैच के बहिषकार के फैसले को वापस लेने को लेकर पिछले कुछ दिनों में पीसीबी, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड(बीसीबी) और अंतर्राष्टीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच बैठकों का सिलसिला जारी था। आर्थिक नजरिए से यह इस विश्व कप का सबसे अधिक आर्थिक रूप से लाभकारी मैच है। सोमवार शाम को पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा कि भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मैच पर फ़ैसला अगले 24-48 घंटों में आ सकता है। इससे कुछ मिनट पहले आईसीसी ने भी एक बयान जारी किया, जिसमें उसने बांग्लादेश के प्रति अपना रुख नरम अख्तियार करते हुए कहा कि बांग्लादेश टीम पर टी-20 विश्वकप के लिए भारत की यात्रा से इनकार करने पर कोई दंड नहीं लगाया जाएगा। इसके अलावा, उन्हें 2028-2031 चरण में एक अतिरिक्त आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी के अधिकार भी दिए गए।

आईसीसी के दखल से पाकिस्तान का भारत के साथ खेलना सुनिश्चित हुआ: राजीव शुक्ला

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने मंगलवार को भारत और श्रीलंका की मेजबानी में खेले जा रहे आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में पाकिस्तान के हिस्सा लेने से जुड़े मसलों को सुलझाने में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की भूमिका की सराहना करते हुए इसे एक ष्बड़ी कामयाबीष और सभी स्टेकहोल्डर्स के लिए फायदे का सौदा बताया। लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के साथ आईसीसी के प्रतिनिधियों की बातचीत के नतीजे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए शुक्ला ने कहा कि क्रिकेट के खेल को प्राथमिकता देकर एक दोस्ताना हल निकाल लिया गया है। शुक्ला ने कहा कि मैं आईसीसी के प्रतिनिधियों द्वारा शुरू की गई बातचीत का नतीजा देखकर बहुत खुश हूं, जो लाहौर में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड से बात करने गए थे। यह एक अच्छा हल है, एक दोस्ताना हल है जो क्रिकेट को प्राथमिकता और खेल को अहमियत देने के लिए निकाला गया है। उन्होंने पहल करने और सभी पार्टियों को कामयाबी से बातचीत की टेबल पर लाने के लिए आईसीसी की तारीफ करते हुए कहा कि यह पहल करने, इस मुद्दे को सुलझाने और क्रिकेट को फिर से सबसे आगे लाने के लिए आईसीसी को बहुत-बहुत बधाई। यह एक बड़ी कामयाबी है। उन्होंने कहा यह हम सभी के लिए अच्छी खबर है।

भारत-पाक मैच सुनिश्चित करने के लिए शहबाज को दिया धन्यवाद

कोलंबो, वार्ता। श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने मंगलवार को आईसीसी पुरुष टी-20 क्रिकेट विश्व में हाई-वोल्टेज इंडिया-पाक मैच को सुनिश्चित करने के पाकिस्तान के फैसले का स्वागत करते पीएम शहबाज शरीफ को धन्यवाद दिया है। सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट में, दिसानायके ने टूर्नामेंट को जारी रखने की उनकी कोशिशों के लिए पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और दूसरी संबंधित अथॉरिटीज का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा कि प्रधानमंत्री शहबाज, आपका धन्यवाद कि आपने यह सुश्निचित किया कि जिस खेल से हम सभी प्यार करते हैं, वह चलता रहे। खुशी है कि कोलंबो में चल रहे टी-20 क्रिकेट विश्व कप में भारत और पाक का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा मैच तय समय पर होगा। उन्होंने कहा कि टूर्नामेंट के को-होस्ट के तौर पर, श्रीलंका आईसीसी और सभी संबंधित लोगों को उनकी कोशिशों के लिए धन्यवाद देता है।

अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा द. अफ्रीका

अफगानिस्तान सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए मैच जीतना चाहेगा

अहमदाबाद, वार्ता। दक्षिण अफ्रीका बुधवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप के ग्रुप डी मुकाबले में अफगानिस्तान के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा। वहीं अफगानिस्तान सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिदा रखने के लिए यह मैच जीतना चाहेगा।

दक्षिण अफ्रीका कनाडा पर बड़ी जीत के बाद अंक तालिका में अभी बेहतर नेट रन रेट के साथ ग्रुप में शीर्ष पर है। न्यूजीलैंड से हार के बाद स्टैंडिग में चौथे नंबर पर मौजूद अफगानिस्तान को सेमीफाइनल की उम्मीदों को ज़िदा रखने के लिए जीतना जरूरी है। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज जबरदस्त फ़ॉर्म में है। सलामी बल्लेबाज क्विटन डी कॉक ने पिछली तीन पारियों में 200 के करीब स्ट्राइक रेट से 56 की एवरेज से रन बनाए हैं। कप्तान एडन मारक्रम भी शीर्ष पर लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, जबकि डेविड मिलर और ट्रिस्टन स्टब्स मध्यमक्रम और डेथ ओवरों में फिनिशिग क्षमता रखते है। कगिसो रबाडा, लुंगी एनगिडी और मार्को यानसन की पेस तिकड़ी दक्षिण अफ्रीकी टीम को मजबूती देती है, हालांकि रबाडा हाल के मैचों में काफी महंगे रहे हैं।

वहीं अफगानिस्तान अपनी स्पिन जोड़ी राशिद खान और मुजीब उर रहमान पर भरोसा करेगा ताकि दक्षिण अफ्रीका की आक्रामक बल्लेबाजी को रोका जा सके। मुजीब ने पिछले चार मैचों में 12 के स्ट्राइक रेट से आठ विकेट लिए हैं, जबकि राशिद बीच के ओवरों में अहम गेंदबाज बने हुए हैं। हालांकि, अफगानिस्तान की डेथ बॉलिग को लेकर चिंता बनी हुई है, जिसकी वजह से हाल के मैचों में उन्हें जरूरी रन गंवाने पड़े हैं। अनुभवी टॉलराउंडर गुलबदीन नायब ने अफगानिस्तान के पिछले मैच में बल्ले से शानदार प्रदर्शन किया था। रहमानुल्लाह गुरबाज पर टॉप पर अच्छी शुरुआत देने का दबाव होगा।

नीदरलैंड ने नामीबिया को हराया

नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रना बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया

नई दिल्ली, वार्ता। बास डलीडे (दो विकेट और नाबाद 72) के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत नीदरलैंड्स ने मंगलवार को टी-20 विश्वकप के 10वें मुकाबले में नामीबिया पर सात विकेट से जीत दर्ज की। 157 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नीदरलैंड्स की शुरुआत अच्छी नहीं हुई और उसका पहला विकेट तीसरे ओवर में मैक्स ओ'डाउड (सात) के रूप में गिरा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए बास डलीडे ने माइकल लेविट के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 30 रन जोड़े। छठें ओवर में बर्नार्ड शोल्ज ने माइकल लेविट को आउटकर नीदरलैंड्स को दूसरा झटका दिया। लेविट ने 15 गेंदों में तीन छक्के एक चौका लगाते हुए 28 रनों की पारी खेली। कॉलिन ऐकरमैन (32) रन 14वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप में आउट हुए। नीदरलैंड्स ने 18 ओवर में तीन विकेट पर 159 रन बनाकर मुकाबला सात विकेट से अपने नाम किया। बास डलीडे ने 48 गें. दों में पांच चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 72 रनों की पारी खेली। वहीं कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नौ गेंदों में एक चौका और एक छक्का लगाते हुए नाबाद 18 रन बनाए। नामीबिया के लिए बर्नार्ड शोल्ज, रुबेन ट्रम्पलमन और निकोल लॉफ्टी-ईटन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां निकोल लॉफ्टी-ईटन (42) और यान फायलिक (30) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर नामीबिया ने नीदरलैंड्स के खिलाफ आठ विकेट पर 156 रनों का सम्मानजनक स्कोर खड़ा किया।नीलदरलैंड्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी नामीबिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने तीसरे ही ओवर में लॉरेन स्टीनकैंप (छह) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए निकोल लॉफ्टी-ईटन ने यान फ्रायलिक के साथ दूसरे विकेट के लिए 50 रन जोड़े। 10वें ओवर में लोगन वैन बीक ने 26 गेंदों में 30 रन को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 13वें ओवर में बास डलीडे ने कप्तान एराई इरास्मस नौ गेंदों में 18 रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

आकृति दहिया ने निशानेबाजी चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली, वार्ता। भारत की आकृति दहिया ने मंगलवार को एशियन निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं की व्यक्तगित 50मी राइफल थ्री पोजीशन स्पर्धा में रजत पदक जीता। यहां डा. कर्णी सिंह शूटिग रेंज में मुकाबला करते हुए, 24 साल की निशानेबाज ने नीलिग, प्रोन और स्टैंडिग राउंड के बाद कुल 354-2 का स्कोर किया। कजाकिस्तान की सिर्फ 18 साल की सोफिया शुलजेन्को ने 358-2 के वर्ल्ड रिकॉर्ड स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि दो बार की ओलंपियन भारत की अंजुम मौदगिल ने 340-4 के स्कोर के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। एक और भारतीय निशानेबाज, आशी चौकसे, पोडियम फिनिश से चूक गईं, कुल 330-9 के साथ चौथे स्थान पर रहीं। इससे पहले, मौदगिल, चौकसे और दहिया ने मिलकर टीम स्पर्धा में रजत पदक जीता, क्वालिफिकेशन राउंड में कुल 1756 (86) स्कोर किया। कजाकिस्तान 1760 (90) के साथ टीम स्टैंडिग में टॉप पर रहा, जबकि जापान ने 1730 (69) के साथ कांस्य पदक जीता। व्यक्तिगत क्वालिफिकेशन राउंड में, विदरसा विनोद 590 (35) के साथ स्टैंडिंग में टॉप पर रहे, लेकिन केवल रैंकिग पॉइंट्स के लिए मुकाबला कर रहे थे। अंजुम 587 (30) के साथ तीसरे, आशी चौकसे 586 (32) के साथ पांचवें और आकृति दहिया 583 (24) के साथ सातवें स्थान पर रहीं। आयुषी पोद्दार 582 (20) के साथ नौवें स्थान पर रहीं, उन्होंने भी आरपीओ के लिए निशानेबाजी की। आज के जीते पदकों के साथ, चैंपियनशिप में भारत के मेडल की संख्या 18 हो गई है।

इंग्लैंड को चुनौती देने को तैयार विंडीज

● **यह केवल एक मैच नहीं, बल्कि हेटमायर, शाई होप और रोवमैन पॉवे के लिए दुनिया को यह याद दिलाने का मौका है कि विंडीज हमेशा क्रिकेट की धड़कन क्यों रही**

मुंबई, वार्ता। वेस्टइंडीज की टीम बुधवार रात वानखेड़े स्टेडियम में आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप 2026 में इंग्लैंड की मजबूत टीम को चुनौती देने के लिए तैयार है। इंग्लैंड कागज पर भले ही पसंदीदा टीम हो, इस साल चार मैचों में हारा नहीं है और कैरिबियन पर हाल ही में जीत का इतिहास रहा है, लेकिन टी-20 क्रिकेट में और खासकर जब वेस्टइंडीज अपने सबसे अच्छे फॉर्म में हो, तो कुछ भी हो सकता है। यह केवल एक मैच नहीं है, यह शिमरोन हेटमायर, शाई होप और रोवमैन पॉवेल के लिए दुनिया को यह याद दिलाने का मौका है कि वेस्टइंडीज हमेशा से क्रिकेट की धड़कन क्यों रही है। बल्लेबाजी की बात की जाए तो हेटमायर और शाई होप लगातार अच्छा खेल रहे हैं। शाई होप ने इस सीजन में दस पारियों में 264 रन बनाए हैं, और बड़े हिटर्स के आने से पहले शांति से पारी को आगे बढ़ा रहे हैं। रोवमैन पॉवेल और शेरफेन रदरफोर्ड बीच के ओवर्स में जबरदस्त फॉर्म में हैं, जो कुछ ही गेंदों में मैच का पासा पलट सकते हैं और निचले क्रम में जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड को कम मत समझिए। वे एक ही ओवर में जबरदस्त प्रदर्शन करके हार के मुंह से जीत छीन सकते हैं। वेस्टइंडीज की गें. दबाजी भी उतनी ही खतरनाक है। स्कॉटलैंड के खिलाफ शेफर्ड के पांच विकेट और होल्डर की आईपीएल में भारतीय विकेटों पर पक्की स्किल्स उन्हें असली खतरा बनाती हैं, जबकि स्पिनर अकील होसेन और गुडाकेश मोती ऐसी चालाकी और स्पिन लाते हैं जो इंग्लैंड के बड़े खिलाड़ियों को भी चकमा दे सकती है। कल रात की हर गेंद खतरनाक होगी। इंग्लैंड इस मैच में नेपाल को एक बहुत करीबी ओपनर में हराने के बाद उतरेगा। उनके बैटिग लाइनअप में फिलिप सॉल्ट और जोस बटलर है। सॉल्ट के अटैकिग स्ट्रोकप्ले और बटलर की किसी भी सिचुएशन में तेजी लाने की काबिलियत ने इंग्लैंड को लगातार तेज शुरुआत दी है, जिससे मध्यमक्रम को फायदा उठाने का मौका मिला है। जैकब बेथेल और हैरी ब्रूक बीच के ओवरों में मजबूती देते हैं और अच्छा स्कोरिग रेट बनाए रखते हैं, जिससे यह पक्का होता है कि इंग्लैंड कभी भी बढ़त न खोए। बेथेल ने पहले मैच में 35 गेंदों पर 55 रन बनाकर टॉप स्कोर किया था, जबरदस्त फॉर्म में हैं, और टाइमिग और पावर को मिलाकर गेंदबाजों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। ब्रूक का निडर अप्रोच, जो अपने पिछले मैच में 165-62 की स्ट्राइक रेट से खेले, इंग्लैंड की अग्रेसिव सोच को पूरा करता है, जबकि टॉम बैंटन अपनी मर्ज़ी से बाउंड्री पार करने की काबि. लियत से एक्स्ट्रा फायरपावर देते हैं। सैम करन और विल जैक्स की आखिरी गेंद पर जोड़ी गहराई और तेजी लाती है, जो पहले से ही मुश्किल स्कोर को एक मुश्किल लक्ष्य में बदल सकती है।

आंध्र प्रदेश को हराकर बंगाल रणजी के सेमीफाइनल में

● **बंगाल ने आंध्र प्रदेश को 90 रनों से हराकर 19वीं बार रणजी के सेमीफाइनल में जगह बनाई**

कल्याणी, वार्ता। शाहबाज अहमद (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत बंगाल ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश पर 90 रनों से जीत दर्ज करते हुए रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के सेमीफाइल में 19वीं बार जगह बना ली है।

बंगाल के लिए 299 रनों की पारी खेलने वाले सुदीप कुमार घरामी को 'प्लेयर टॉफ द मैच' से नवाजा गया। आज यहां आध्र प्रदेश ने कल के तीन विकेट पर 64 रन से आगे खेलना शुरु किया। शाहबाज अहमद ने सुबह के सत्र में कप्तान रिकी भुई (30) को आउटकर बंगाल को चौथी सफलता दिलाई। अगले ही ओवर में सूरज सिधु जायसवाल ने के वी शशिकांत को खाता खोलने का मौका भी नहीं दिया। सौरभ कुमार (एक) शाहबाज का शिकार बने। कालीडिडी (25) रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आए त्रिपुराणा विजय ने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ आठवें विकेट के लिए 85 रन जोड़े और बंगाल के गेंदबाजों के परेशान रखा। 72वें ओवर में शाहबाज ने शतक की ओर बढ़ रहे नीतीश कुमार रेड्डी को अपनी ही गेंद पर आउट कर पवेलियन भेज दिया। नीतीश कुमार रेड्डी ने 144 गेंदों में सात चौके और दो छक्के लगाते हुए 90 रनों की पारी खेली। अगले ही ओवर में सुमंता गुप्ता ने त्रिपुराणा विजय (46) को आउट कर 244 के स्कोर पर आध्रप्रदेश की दूसरी पारी का अंत कर मुकाबला 90 रनों से अपने नाम कर लिया। बंगाल के लिए शाहबाज अहमद ने चार विकेट लिए। सूरज सिधु जायसवाल को दो विकेट मिले। आकाश दीप, सुमंता और अनुस्तुप ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। आप्र ने पहली पारी में 295 रन का स्कोर बनाया था। बंगाल ने पहली पारी में 629 रनों का स्कोर खड़ा किया था।

न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से रौंदा

टी-20 विश्व कप के 11वें मैच में यूएई को 28 गेंदें शेष रहते बिना कोई विकेट गवाएं जीते कीवी

चेन्नई, वार्ता। टिम साइफर्ट (नाबाद 89) और फिन ऐलन (नाबाद 84) की विस्फोटक बल्लेबाजी की बदौलत न्यूजीलैंड ने मंगलवार टी-20 विश्वकप के 11वें मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 28 गेंदे शेष रहते 10 विकेट से रौंद दिया। 174 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी न्यूजीलैंड ने यूएई के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए 15-2 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाये 175 रन बनाकर मुकाबला 10 विकेट से अपने नाम कर लिया। टिम साइफर्ट ने 42 गेंदों में 12 चौके और तीन छक्के उड़ाते हुए नाबाद 89 रनों की पारी खेली।

फिन ऐलन और साइफर्ट के बीच 175 रनों की अविजित साझेदारी हुई। फिन ऐलन ने 50 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के लगाते हुए नबाद 84 रन बनाये। इससे पहले कप्तान मुहम्मद वसीम (नाबाद 66) और आलीशान शराफु (55) की शानदार बल्लेबाजी के दम पर संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ छह विकेट पर 173 रनों का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। यूएई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। यूएई की शुरुआत खराब रही और उसने दूसरे ही ओवर में आर्यंष शर्मा (आठ) का विकेट गंवा दिये।

इसके बाद मुहम्मद वसीम और आलीशान शराफु की जोड़ी ने दूसरे विकेट के लिए 107 रन जोड़े। 15वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने आल. ीशान शराफु को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। आलीशान शराफु ने 47 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए 55 रनों की पारी खेली। मयंक कुमार 13 गेंदों में 21 रन बनाकर आउट हुये। इसके अलावा हर्षित कौशिक (दो), सोहैब खान (सात) और मुहम्मद इरफान (शून्य) पर आउट हुये। यूएई ने निर्धारित 20 ओवरों में छह विकेट पर 173 रन बनाये। न्यूजीलैंड के लिए मैट हेनरी ने दो विकेट लिए। जेकब डफी, लॉकी फर्ग्युसन, मिचेल सैंटनर और ग्लेन फिलिप्स ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

नवनियुक्त पुलिस उपाधीक्षक नताशा सिंह ने संभाला रुड़की सर्किल का चार्ज

पीड़ितों को इंसाफ व यातायात सुधार प्राथमिकता : नताशा

गुनहगारों को सजा दिलाने के लिए किया जाएगा ईमानदारी व जिम्मेदारी से काम

सुरेंद्र वर्मा

रुड़की। प्रांतीय पुलिस सेवा की 2019 बैच की तेज-तर्रार पुलिस अधिकारी नताशा सिंह ने रुड़की पुलिस उपाधीक्षक रुड़की सर्कल का कार्यभार ग्रहण कर लिया है। मूल रूप से देहरादून निवासी नताशा सिंह इससे पूर्व हरिद्वार ट्रैफिक पुलिस तथा लक्सर क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य कर एक अलग पहचान बनाई है।

रुड़की डिप्टी एसपी का चार्ज लेने के बाद मीडिया से बातचीत में नताशा सिंह ने साफ तौर पर कहा कि पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाना व अपराधियों पर शिकंजा कसना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि किसी भी महिला के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और हर मामले की गहन जांच कर दोषियों को कानून के शिकंजा कसा जायेगा। नताशा सिंह ने कहा कि आम जनता को सड़क हादसों से राहत दिलाना व यातायात व्यवस्था को सुधारना व मजलूमो को इंसाफ दिलाना उनकी वर्क प्लान का अहम हिस्सा होगा। साथ ही पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा और कानूनी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बेहद खुश मिजाज, नर्म दिल, शालीन बर्ताव की मालिक नताशा सिंह जनता से सहज संवाद करने वाली अधिकारी के रूप में जानी जाती हैं। उनका मानना है कि पुलिस और जनता के बीच बेहतर तालमेल से ही अपराधियों पर लगाम लगाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि रुड़की सर्कल क्षेत्र में होने वाले हर एक अपराध की गहराई से समीक्षा की जाएगी और किसी भी कीमत पर अपराधियों को बख्शा नहीं जाएगा। कानून व्यवस्था को मजबूत बनाना और आम नागरिकों में सुरक्षा का विश्वास पैदा करना उनका पहला मकशद है। बतौर रुड़की सर्कल के डिप्टी एसपी का चार्ज संभालते ही नताशा सिंह ने अपने अधीनस्थों को भी साफ तौर पर हिदायत दी है कि वह आमजन से बेहतर तालमेल बनाये और फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से हल करना अपनी प्राथमिकता में शामिल करें। और साथ ही लंबित विवेचनाओं को भी ईमानदारी-जिम्मेदारी से वक्त पर पूरा करने के साथ अपराधियों को सजा दिलाने का काम करें। लापरवाही किसी भी कीमत का बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

> ❖बाल व महिला अपराध पर भी रखी जाएगी विशेष नजर व अपराधियों को भेजा जाएगा जेल

139 अवैध नशीले कैप्सूल के साथ एक नशा तस्कर दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा युवाओं की नसों में जहर घोलने वाले एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जे से 139 अवैध नशीले कैप्सूल बरामद हुए हैं। पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार प्रवीण कोश्यारी कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद को नशा मुक्त करने नशा स्मेंक चरस गांजा व अवैध शराब आदि तस्करों के विरुद्ध प्रभावित कार्रवाई करने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा 9 फरवरी 2026 को चेकिंग के दौरान एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से 139 अवैध नशिले कैप्सूल बरामद हुए पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम अकरम पुत्र एहसान निवासी पटवारी मोहल्ला नगर पंचायत सुल्तानपुर उम्र 24 वर्ष बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक आशीष भट्ट हेड कांस्टेबल विनोद कुमार कांस्टेबल संदीप जगत सिंह कपिल देव अरुण कुमार शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, एक गम्भीर, हायर सेंटर रेफर

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। कस्बे में एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक पर सवार दो युवकों टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयंकर थी कि दोनों युवक सड़क पर जा गिरे और उनकी बाइक बुरी तरफ से क्षतिग्रस्त हो गई. हादसे के बाद लोगों ने डंपर चालक को मौके पर ही पकड़ लिया और उसकी जमकर धुनाई कर दी. जिसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया. इसी के साथ पुलिस ने राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा, जहां उनकी गंभीर हालत को देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया.

जानकारी के मुताबिक भगवानपुर थाना क्षेत्र के सिकरोड़ा गांव निवासी इंतजार और दिल्लू अपनी बाइक पर सवार होकर पेंट के काम से भगवानपुर गए थे, जैसे ही दोनों भगवानपुर मार्किट पर घूम पर पहुंचे तो हाइवे से तेज गति से आ रहे एक डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, टक्कर इतनी भयंकर थी कि दोनों ही युवक बाइक समेत सड़क पर जा गिरे और डंपर की चपेट में आ गए. बताया जा रहा है कि इतने में कोई कुछ समझ पाता तो तेज रफ्तार डंपर दोनों युवकों के पैरों पर चढ़ चुका था और दोनों युवक लहूलुहान होकर सड़क पर ही तड़पने लगे। इसी बीच घटनास्थल पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई और भीड़ ने डंपर चालक को मौके पर ही पकड़ लिया, जिसके बाद उसकी लात-घूसों और डंडे से जमकर धुनाई की. इसी बीच भीड़ में शामिल किसी शख्स द्वारा हादसे की जानकारी पुलिस दी गई, सूचना मिलते ही तत्काल पुलिस मौके पर पहुंची और डंपर चालक को पुलिस के हवाले कर दिया गया. वहीं पुलिस ने लोगों की मदद से दोनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया गया, जहां से अस्पताल के डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद उनकी हालत को गंभीर मानते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने घटना की सूचना घायलों के परिजनों को दे दी है, बताया गया है कि इस सड़क हादसे में दोनों युवकों की एक-एक टांग बुरी तरह जख्मी हो गई है और बाइक के भी परखच्चे उड़ गए हैं. भगवानपुर थाना प्रभारी निरीक्षक राजीव रौथाण ने बताया कि टक्कर मारने वाले डंपर को कब्जे में ले लिया गया है, डंपर चालक भी पुलिस हिरासत में है, तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

भगवानपुर में हत्या के बाद प्रशासन की सख्ती

पुलिस-पीएसी ने गांव में किया फ्लैग मार्च

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। भगवानपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बनारसी में हुई हत्या की घटना के बाद क्षेत्र में शांति व्यवस्था को लेकर प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक हरिद्वार के निर्देश पर पुलिस द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में सोमवार 10 फरवरी 2026 को थाना भगवानपुर पुलिस ने पीएसी के जवानों के साथ ग्राम बनारसी में फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च के माध्यम से पुलिस ने क्षेत्र में शांति का संदेश दिया और असामाजिक तत्वों को स्पष्ट चेतावनी दी कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से बातचीत कर आपसी सौहार्द बनाए रखने, किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न देने तथा पुलिस प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। अधिकारियों ने कहा कि क्षेत्र में शांति बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उल्लेखनीय है कि 01 फरवरी 2026 को ग्राम बनारसी में दो पक्षों के बीच हुए विवाद के दौरान हत्या की घटना सामने आई थी। इस घटना के बाद शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से दोनों पक्षों के कुल 118 लोगों के विरुद्ध धारा 126/135 बीएनएसएस के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की गई है। इस संबंध में रिपोर्ट उप जिला मजिस्ट्रेट, भगवानपुर को भेज दी गई है। पुलिस प्रशासन का कहना है कि वर्तमान में क्षेत्र की स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और किसी भी प्रकार की शांति भंग करने वाली गतिविधि पर तुरंत सख्त कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

> ❖ कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन अलर्ट, 118 लोगों पर हुई निरोधात्मक कार्रवाई

लंढौरा में झपट्टा मारकर मोबाइल छीना

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। लंढौरा में बाइक सवार बदमाश फैक्ट्री कर्मचारी का मोबाइल छीन कर फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दे दी है।

यूपी के जिला सुल्तानपुर निवासी नौशाद लंढौरा क्षेत्र में स्थित फैक्ट्री में काम करता है। सोमवार देर शाम वह बाइक से लंढौरा में दवाई लेने आया था। जब वह वापस फैक्ट्री लौट रहा था तभी चलते हुए फोन पर बात करने लगा। इसी दौरान रुड़की लक्सर मार्ग पर पीछे से आ रहे बाइक सवार दो लोग झपट्टा मार कर मोबाइल छीन कर फरार हो गए। दो दिन पहले लंढौरा में दुकान के गल्ले से 15 हजार रुपये चोरी कर लिए गए थे। आठ दिन पहले लिब्बारेडी निवासी युवक बाइक से घर जा रहा था। इसी दौरान नगला इमरती के पास दो लोग झपट्टा मार कर मोबाइल छीन कर फरार हो गए थे। एक सप्ताह के भीतर तीन घटना होने से लोग सकते में नजर आ रहे है। दारोगा बलवंत पंवार का कहना है कि मोबाइल छीनने और नकदी चोरी के मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

लंढौरा में ट्रक पलटा, हादसा होने से बचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। मंगलवार को लंढौरा में ईंटों से भरा ट्रक नाले में पहिया गिरने से पलट गया। ट्रक पलटने से पास में ही खड़े विद्युत पोल गिरने से ट्रांसफार्मर भी नीचे गिर गया। घटना में बड़ा हादसा होने से बच गया।

जानकारी के अनुसार लंढौरा निवासी जावेद ट्रक से ईंटे ढुलाई का कार्य करता है। मंगलवार शाम करीब चार बजे ईंटे भर कर वह मंगलौर मार्ग पर लोड से भरे ट्रक को साइड में लगा रहा था। इसदौरान सड़क किनारे बने नाले पहिया गिरने से ट्रक पलट गया। लोड से भरा ट्रक पास में ही खड़े विद्युत पोलो पर गिरने से दोनों पोल टूटने से ट्रांसफार्मर नीचे गिर गया। आसपास के लोगों का कहना है कि घटना के समय बिजली भी आ रही थी लेकिन गनीमत यह रही कि आसपास कोई न होने की वजह से किसी को जानी नुकसान नहीं हुआ। मोहल्ले के लोगों का कहना है कि पोल और ट्रांसफार्मर क्षति ग्रस्त होने से 15 घरों की बिजली सप्लाई भी बंद हो गई है।

5 लीटर अवैध शराब के साथ एक दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है उसके कब्जे से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई है।

प्रवीण कोश्यारी कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने के लिए पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा 9 फरवरी 2026 को चेकिंग के दौरान एक नशा तस्कर को गिरफ्तार किया गया उसके कब्जे से 5 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद हुई पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम नीटू पुत्र अतर सिंह निवासी पीतपुर थाना कोतवाली लक्सर उम्र 45 वर्ष बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में कांस्टेबल रविंद्र चौहान अक्षय तोमर शामिल रहे पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

प्रसाद की दुकान में चोरी पीड़ित ने दी तहरीर

पिरान कलियर। दरगाह पीर गैब के पास स्थित एक प्रसाद की दुकान में चोरी की घटना सामने आई है। चोरी की यह वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई। पीड़ित दुकानदार की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महमूदपुर निवासी अलीशान ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि दरगाह पीर गैब के पास उसकी प्रसाद की दुकान है। रविवार की रात वह दुकान बंद कर अपने चचेरे भाई की शादी में चला गया था। सोमवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचा तो देखा कि दुकान का गल्ला खुला हुआ था और सामान बिखरा पड़ा था। चोर गल्ले में रखे पांच हजार नौ सौ रुपये नकद तथा मन्नत चढ़ाने के लिए रखे गए चांदी के पत्र, रसोली, मोती और चादरें चोरी कर ले गए। दुकान के पास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज में दो युवक दुकान में घुसते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। पीड़ित दुकानदार ने आरोपियों की पहचान करते हुए उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

रुड़की पुलिस की तत्परता से मोबाइल स्नैचिंग का खुलासा

दो आरोपी गिरफ्तार, मोबाइल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। शहर में मोबाइल स्नैचिंग की बढ़ती घटनाओं पर अंकुश लगाते हुए कोतवाली रुड़की पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मोबाइल छीनने की घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किए गए दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिनांक 08 फरवरी 2026 को अरविंद कुमार पुत्र स्वर्गीय बलजीत सिंह, निवासी ग्राम मटका, कोतवाली रुड़की ने थाने में तहरीर देकर बताया कि दो अज्ञात व्यक्तियों द्वारा उसका रियलमी कंपनी का मोबाइल फोन छीन लिया गया है। तहरीर के आधार पर कोतवाली रुड़की में मुकदमा अपराध संख्या 34/26, धारा 304(2) बीएनएस के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और गहन पतारसी-सुरागरसी की। लगातार प्रयासों के बाद दिनांक 10 फरवरी 2026 को नगर निगम चौराहे से आगे रुड़की क्षेत्र से साहिल पुत्र इनाम एवं सुहेल पुत्र स्वर्गीय तालिब को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए दो

मोबाइल फोन, एक ओप्पो ।-15 और एक रियलमी मोबाइल, बरामद किए गए। गिरफ्तार अभियुक्तों में साहिल पुत्र इनाम निवासी बदा रोड माहीग्रान, कोतवाली रुड़की तथा सुहेल पुत्र स्वर्गीय तालिब निवासी उपरोक्त शामिल हैं। इस सफल कार्रवाई को अंजाम देने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक चंद्र मोहन सिंह, हेड कांस्टेबल यूनुस बाग, कांस्टेबल राजेश देवरानी, कानि. वीरेंद्र, कानि. शूरवीर सिंह एवं कांस्टेबल चालक मुकेश शामिल रहे। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर आमजन में विश्वास और मजबूत हुआ है।

पुलिस ने छात्रों को दी साइबर सुरक्षा की जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

झबरेड़ा। थाना ध्यक्ष अजय शाह ने कहा कि वर्तमान में तकनीकी युग में साइबर सेफ्टी महत्वपूर्ण है। साइबर क्राइम के मामलों में आम आदमी को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर उसे जाल में फसाया जाता है ।उस समय आदमी मानसिक दबाव में आ जाता है । ऐसी स्थिति में आदमी को घबराना नहीं चाहिए।उसी समय संबंधित थाने में सूचना देनी चाहिए ।जिससे समय रहते पुलिस सहायता प्राप्त हो सके।

ग्राम लाठरदेवा हुण स्थित पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज प्रांगण में थानाध्यक्ष अजय शाह वहाँ उपस्थित कॉलेज स्टाफ व छात्र-छात्राओं को संबोधित कर रहे थे ।उन्होंने कहा कि आधुनिक युग में साइबर क्राइम बढ़ता जा रहा है ।साइबर क्राइम को सुप्रीम कोर्ट ने भी डकैती के समान माना है। थानाध्यक्ष द्वारा इससे बचने के लिए विस्तार से जानकारी दी गई। इसके साथ-साथ महिला संबंध ी अपराध छेड़छाड़ के मामले पोक्सो अधिनियम के संबंध में जानकारी दी गई ।महिलाओं को उनके वैधानिक अधिकारों के संबंध में भी बताया गया ।उन्होंने कहा कि हर समय उपलब्ध 112 नंबर डायल कर पुलिस सहायता प्राप्त की जा सकती है ।इस अवसर एस आई राजेंद्र सिंह विजय कुमार कांस्टेबल वसंत कुमार रीना देवी सँयोगिता कालेज प्रधानाचार्य चंद्रपाल सिंह आलोक द्विवेदी संदीप वर्मा बीना देवी जितेंद्र पवार सुशील चौधरी राजेंद्र सिंह उस्मान अहमद तथा अलका रानी उपस्थित रहे।

रामनगर औद्योगिक क्षेत्र में दवा कंपनी के कर्मचारी की संदिग्ध मौत

परिजनों का हंगामा, कंपनी पर गंभीर आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रामनगर औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक दवा कंपनी में काम करने वाले 19 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद मामला तूल पकड़ता जा रहा है। मौत से आक्रोशित परिजनों और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कंपनी गेट पर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने कंपनी प्रबंधन पर युवक से लगातार तीन दिन तक जबरन काम कराने और करंट लगने से मौत होने के गंभीर आरोप लगाए हैं।

रुड़की सजानकारी के अनुसार मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के गदरजुड़ा निवासी 19 वर्षीय आदर्श रामनगर औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एंजिया आरएस नामक दवा कंपनी में कार्यरत था। परिजनों का आरोप है कि कंपनी अधिकारियों ने बीते तीन दिनों से आदर्श को घर नहीं जाने दिया और काम का टारगेट पूरा करने के दबाव में उससे लगातार ड्यूटी कराई गई।

सोमवार शाम काम के दौरान ही आदर्श की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिजनों का कहना है कि आदर्श की मौत करंट लगने से हुई, लेकिन घटना के करीब 12 घंटे बाद मंगलवार सुबह परिवार को इसकी सूचना दी गई। सूचना मिलने के बाद परिजन और आजाद समाज पार्टी के कार्यकर्ता कंपनी के बाहर धरने पर बैठ गए और मामले की निष्पक्ष जांच तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। फिलहाल मामले को लेकर क्षेत्र में तनाव का माहौल बना हुआ है और प्रशासन की ओर से स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

दरगाह प्रशासन ने क्षेत्र से हटाया अतिक्रमण

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। तहसीलदार के निर्देश पर दरगाह प्रशासन ने पुलिस बल के सहयोग से दरगाह क्षेत्र में फैले अवैध अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। इस दौरान कई स्थानों से अतिक्रमण हटाया गया, जबकि कुछ अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर स्वयं अतिक्रमण हटाने की चेतावनी दी गई।

मंगलवार को तहसीलदार विकास अवस्थी के निर्देश पर दरगाह प्रशासन व पुलिस की संयुक्त टीम ने दरगाह पहाड़ी गेट, तालाब किनारे, हज हाउस रोड, टिन शेड सहित आसपास के क्षेत्रों में किए गए अवैध अतिक्रमण को हटाया। कार्रवाई के दौरान अतिक्रमणकारियों में हड़कंप मचा रहा।दरगाह प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी अवैध अतिक्रमण के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।तहसीलदार विकास अवस्थी ने बताया कि दरगाह क्षेत्र में जहां भी अवैध अतिक्रमण पाया जाएगा उसे हटाया जाएगा और यह कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी।इस दौरान दरगाह सुपरवाइजर इंतखाब आलम, सारिक नियाजी, अलसम कुरैशी, हारून, अफजाल अहमद सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। वहीं पुलिस बल की ओर से हैड कांस्टेबल रविंद्र बालियान, अंकित, प्रदीप समेत अन्य पुलिसकर्मी तैनात रहे।

Dainikshahtimes@gmail.com For Articles

संसद में अविश्वास प्रस्ताव

यह देखना बेहद दुखद है कि सत्ता पक्ष व विपक्ष के बीच संसद में टकराव बढ़ता जा रहा है और अब यह टकराव लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला को पद से हटाने तक पहुंच गया है। कांग्रेस व अन्य विपक्षी दलों ने मंगलवार को अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस लोकसभा सचिवालय को सौंपा। कांग्रेस सूत्रों की मानें, तो नोटिस लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक के सुरेश ने लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह को उनके कार्यालय में जाकर दिया। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने कहा कि 1:15 मिनट पर उन्होंने अविश्वास प्रस्ताव पेश किया। नोटिस के प्रस्ताव पर कुल 118 सदस्यों के हस्ताक्षर हैं। जबकि अविश्वास प्रस्ताव के लिए केवल 50 की जरूरत होती है। लोकसभा अध्यक्ष के विरुद्ध नोटिस पर उसमें लगाए गए आरोपों की जांच होगी और नियमानुसार जांच के बाद इस नोटिस पर आगे की कार्रवाई को लेकर सचिवालय विचार करेगा। नोटिस में कहा गया है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला सदन की कार्रवाई पक्षपातपूर्ण तरीके से संचालित कर रहे हैं। सत्ता पक्ष के सदस्यों को सदन में पर्याप्त समय बोलने का दिया जाता है जबकि विपक्षों को बार-बार अनावश्यक रूप से रोका टोका जाता है। नोटिस में 2 फरवरी के दिन का भी जिक्र किया गया है, जब लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चल रही चर्चा में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। नोटिस में इस बात को उठाया गया है कि किस तरह राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर जवाब देने के लिए प्रधानमंत्री के न आने का कारण बताया गया था। तीन पेज के इस नोटिस में पहला हस्ताक्षर केसी वेणुगोपाल का है जबकि दूसरे पर द्रमुके टीआर बालू का और तीसरे नंबर पर समाजवादी पार्टी के धर्मेंद्र यादव हैं। नोटिस की प्रतिक्रिया में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिडला ने अविश्वास प्रस्ताव के निपटारे पर सदन में नहीं आने की बात कही है। जहां विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष को उनकी कार्यप्रणाली को लेकर कटघरे में खड़ा कर रहा है, वहीं भाजपा उनके साथ पूरी तरह खड़ी दिखाई दे रही है। भाजपा सांसद संबिद पात्रा ने कांग्रेस की विश्वसनीयता पर सवाल उठाया है। यह आरोप-प्रत्यारोप तो चलते रहेंगे, लेकिन यह तो मानना ही पड़ेगा कि संसद का नजारा आजकल जिस तरह देखने में आता है वह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है और हमारे लोकतंत्र को बुरी तरह प्रभावित करने वाला है। हमारे माननीयों को लगता है कि अब किसी बात की चिंता नहीं रह गई है और वह अपने हितों को ही सर्वोपरि मानकर आगे बढ़ रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता तो संसद सुचारू रूप से चले, इसका इंतजाम अब तक हो चुका होता। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सभी संसद न चलने को समान रूप से जिम्मेदार हैं, लेकिन यहां यह कहना जरूरी है कि संसद सुचारू रूप से चले इसकी सबसे जिम्मेदार सरकार की होती है।

किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा

खेती से जुड़ी हर चीज विदेश से आएगी, तो देश का किसान पूरी तरह बर्बाद हो जाएगा, ऐसी स्थिति में किसान क्या उगाएगा, क्या बेचेगा और अपनी मेहनत की कमाई से परिवार कैसे चलाएगा, जब किसान को उसकी फसल का उचित दाम नहीं मिलेगा, तो वह बच्चों की पढ़ाई, घर के बुजुर्गों का इलाज और बेटियों की शादी जैसे सामाजिक दायित्व कैसे निभा पाएगा, आज का पेट भरना मुश्किल होगा, तो कल के लिए बचत की उम्मीद करना बेमानी है, किसानों को नुकसान पहुंचाकर कोई भी सरकार लंबे समय तक देश नहीं चला सकती, सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर वह विदेशी ताकतों के सामने अन्नदाता के हितों का समर्पण क्यों कर रही है, कभी भूमि अधिग्रहण के नाम पर खेती छीनने की साजिश रची जाती है, कभी काले कानूनों के जरिए किसानों को संकट में धकेला जाता है। **-अखिलेश यादव, अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी**

तोड़ डाले 1.5 लाख आशियाने और टियर्स टूरिज्म

पवन सिंह

एक घर था, पांव फैलाने लायक, कब्र जितनी जगह थी, 70 से 100 साल पुराना मोहल्ला कालोनी थी। मलिन ही सही। एक बस्ती, बसती थी। फिर हुकूमत बदली। अच्छे दिन आएी लोगों को तालियां बजाकर भजन गाने में लगा दिया गया। इसी बीच गिद्धों के साथ लोमड़ियों और भेड़ियों (नेता, लालफीता कौम व धन्नासेठों) की बैठकें हुईं। फिर न उनको इंसान दिखा, न आशियां दिखा और कुछ ही सालों में 1 लाख 50 हजार बस्तियां जमींदोज कर दी गईं। बेजान बुतों को विशालकाय आशियाना देने के नाम पर। इंसानी बस्तियों को नादिरशाही अंदाज में रौंद कर पार्क बनाने के नाम पर और कहीं किसी पूंजीपति के लिए आलीशान अट्टालिकाएं बनाने के नाम पर। बस्तियां टूटती रहीं, लोग बिलखते रहे, बच्चे अपनी बिखरी किताबों और टूटे स्कूल बैग को समेटते रहे, खाए-पिए-अभागे लोग उल्टा ठीकरा बस्तियों पर ही फोड़ते रहे और गुलाम मीडिया कातिल को ही रहनुमा व मुंसिफ बताता रहा। कुछ ही सालों में 7 लाख 40 हजार लोग खुले आसमां के तले आ गए।

हाउसिंग एंड लैंड राइट्स नेटवर्क यानी की रिपोर्ट बताती है कि देश में वर्ष, 2022- 2023 के मध्य करीब 1 लाख 50 हजार बस्तियां तोड़ दी गईं। देखते-देखते 7 लाख 40 हजार से अधिक लोग बेघर हो गए। सबसे बड़ी बात तो यह है कि विध्वंस की 95 प्रतिशत यह कार्रवाई गोबर पट्टी राज्यों में हुई। बस एक नोटिस। न कोर्ट, न डेट्स, न जज, न वकील, न तकरीर। एक फरमान। बुल्डोजर और हथियार बंद सिपाही। अंग्रेजी हुकूमत में भी फांसी पर चढ़ने वालों को न्यायालय की दहलीज तक का सफर तय करने का मौका मिलता था, लेकिन उनके मुखबिरों ने यह सुविधा तक छीन ली। अतिक्रमण हटाने व तथाकथित विकास योजनाओं के नाम पर आशियाने उजाड़ दिए गए। लोगों ने रील्स बनाईं। विध्वंस इन्ज्वाय किया। गरीबों के आंसुओं का टियर्स टूरिज्म जैसा आनंद लिया और बात खत्म हुई।

लखनऊ से किस्सागोई करते हैं। एक था अकबर नगर। इसका नाम ही इसका काल बना। वरना जो अकबर नगर बस्ती मुख्य रूप से 1970 से बसनी शुरू हुई थी, उस वक्त लखनऊ विकास प्राधिकरण का गर्भकाल भी आरंभ नहीं हुआ था। लखनऊ विकास प्राधिकरण 1974 में बना और तब तक कुकरैल नदी के किनारे इस तथाकथित अवैध बस्ती का जन्म हो चुका था। बस्ती तथाकथित अवैध थी, लेकिन राशनकार्ड वैध थे। सांसद, विधायक निधि से अंदर बनाई गई नालियां व गलियां वैध थीं। बिजली के कनेक्शन वैध थे। हाऊस टैक्स वैध था और बिजली विभाग के खंभे वैध थे, लेकिन बस्ती अवैध थी। इस बस्ती में ग्रेड थर्ड और ग्रेड-टू के तथाकथित हिन्दुओं की, मुस्लिमों के साथ मिश्रित आबादी थी। आशियाने पर, नाम अकबर भारी पड़ गया और घरों पर पार्क तामीर करवा दिया गया। 1 हजार 800 घर मटियामेट कर दिए गए। लेकिन वहीं पंत नगर बख्श दिया गया। वैसे लोग कहते हैं नाम में क्या रखा है। तोड़ने ही थे आशियाने तो पहले गरीबों का बंदोबस्त कर देते। शहर से दूर ले जाकर कूड़े-कचरे की तरह फेंक दिए गए। कहने को कुछ लाख का आवास दे दिया गया, लेकिन वह भी मुफ्त नहीं। पैसा भरना होगा। बस्ती बसने क्यों दी। किसने बसाई। कौन जिम्मेदार है। बुल्डोजर ने कुछ नहीं देखा। त्वरित न्याय। इसके बाद लखनऊ के सैरपुर पलहरी गांव, मोहन रोड कलिया खेड़ा, अमौसी और काकोरी में विकास का बुलडोजर आया, बिजनौर, सोनई कंजेरा, कल्ली पश्चिम, और भरवारा सहित कई अन्य इलाकों में भी 12 से अधिक अवैध प्लॉटिंग पर बुलडोजर चल गया। सवाल वही कि इतना ईमानदार प्रशासन ने ऐसे प्लाटों व मकानों की रजिस्ट्री कैसे होने दी गई। राजस्व विभाग हर साल गरीब जनता की करोड़ों की स्टांप ड्यूटी कैसे चबा जाता है? रजिस्ट्री ही न होने पाए ऐसी गलती के लिए आम आदमी क्यों भुगते। खैर एक बड़ा तबका खुश हुआ, जिसे विध्वंस पर, लाशों पर, तबाही पर, नफरत पर, हत्याओं पर। खुश होने के लिए इतने सालों में तैयार किया गया था। लेकिन इस खुश तबके के घर और दुकानें भी अब जद में आ चुकी हैं, क्योंकि गिद्धों को नोचना आता है। अब गिद्धों-लोमडियों-भेड़ियों की तिकड़ी आप के घरों और दुकानों की ओर है। बनारस की दाल मंडी और अयोध्या का सौंदईकरण, मेरठ के बाजार और दिल्ली की बस्तियां। यहीं पर वसीम बरेलवी साहेब का शेर याद आता है-

जलते घर को देखने वालों फूस का छप्पर आपका है

आपके पीछे तेज हवा है आगे मुकद्दर आपका है।

उस के कत्ल पे मैं भी चुप था मेरा नम्बर अब आया।

मेरे कत्ल पे आप भी चुप है अगला नम्बर आपका है।

दिल्ली विकास प्राधिकरण ने भी विगत तीन वर्षों में 5,000 से अधिक घर तोड़ डाले और एक विध्वंस की कालिख पर लिखा-अतिक्रमण व अवैध बैनर टांगा-विकास परियोजनाएं। बनारस में मंदिर, सुंदरीकरण व कॉरिडोर निर्माण काशी विश्वनाथ कॉरिडोर, मणिकर्णिका घाट पुनर्विकास के दौरान कई प्राचीन छोटे मंदिर, चबूतरे और रिहायशी इमारतें वैसे ही उड़ा दी गईं जैसे गाजा में इजरायल ने उड़ा दीं हैं। प्राप्त आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2018-2021 के बीच कॉरिडोर परियोजना के तहत 300 से पुराने मंदिर व घरों के भीतर बने मंदिर तक तोड़ दिए गए। मंदिर छोटे थे इसलिए उनके भीतर बने ईश्वर शायद Below Poverty Line के थे, इसलिए न रोक सके। अब मणिकर्णिका घाट का नंबर लग चुका है और प्रसिद्ध प्राचीन व्यापारिक दाल मंडी टूट रही है। अयोध्या में वर्ष, 2022-2024 के बीच कई पुराने मकानों, दुकानों और छोटे मंदिरों को तहस-नहस कर दिया गया। कभी समय मिले तो आस-पास के दुकानदारों व 100 स्क्वायर फीट के बचे घरों में रहने वालों से मुआवजे का सच पूछिएगा।

वह रो देगा। जो मुआवजा मिला उससे एक कमरा ही बन सकता था। तमाम वीडियो यूट्यूब पर हैं देखिए और अपनी भावना के हिसाब से द्रवित होइए या तालियां बजाइए, यह आपका अपना विवेकाधिकार है। एक रिपोर्टों के अनुसार करीब 4 हजार से अधिक दुकानें और घर नष्ट हुए। अयोध्या में राम पथ यानी नगर चौराहा से सहादतगंज बीच के निर्माण करीब 200 साल पुराने थे। उधर, गिद्धों-लोमड़ियों-भेड़ियों की नजर अब काशी द्वार के नाम पर बनारस के पिंडरा ब्लाक पर पड़ गई है। गिद्ध-लोमडियां-भेड़ियां मिलकर अब करीब 15 गांवों को पूरी तरह से खाली करा रहे हैं। इन गांव के सभी लोगों को हटाकर यहां होटल, रेस्तरां, रिजॉर्ट, विदेशों और देश के अन्य राज्यों से आने वालों के लिए ठहरने के अड्डे बनाए जाएंगे। रखो अपनी खसरा-खतौनी, रजिस्ट्री, पुश्तैनी जमीन। जो जूठन मुआवजे के नाम पर है रखो और चलते बनो। प्रभावित सभी गांव के लोग विगत कई महीनों से तहसील पिंडरा पर प्रदर्शन कर रहे थे पर गिद्ध-लोमडियां व भेड़िए सुनने को तैयार नहीं हैं। दिनांक 6 फरवरी, 2026 को चुनौली गांव में संयुक्त किसान मजदूर संघर्ष समिति के बैनर तले एक सभा आयोजित की गई। लोगों ने खाने की व्यवस्था की लेकिन प्रशासन द्वारा खाने में मिट्टी, राख मिलाकर भोजन खराब कर दिया गया। कुछ गांव वालों के अनुसार जहर डाल दिया गया। ऐसा बताया गया और खबरें आईं। सभा वाले दिन की पूर्व रात्रि को पूरे गांव को पुलिस व सीआरपीएफ ने घेर लिया। चुनौती गांव, छावनी में बदल दिया गया। सुरक्षाबलों ने गांव में घुसकर लोगों के साथ बदतमीजी की, रात में सोए हुए लोगों के दरवाजे जबरिया खुलवाए, गुड़ बनाने वाली भट्टियां तोड़ दी गईं और महिलाओं व पुरुषों के साथ गाली-गलौज हुई। अगले दिन जब लोग सभा में जाने के लिए अपने घरों से निकले तो लाठीचार्ज कर दिया गया। सरकार पूंजीपतियों के लिए जमीन की दलाली पर उतर चुकी है। अभी बनारस में ही रहिए आगे का किस्सा पढ़िए- आईडीएच-कज्जाकपुरा, जिला- बनारस, यहां है नगर निगम का आदमपुर जोन का दफ्तर और यहीं है एक विशाल कूड़ाघर।

विशाल डंपिंग यार्ड। इसी कूड़ेघर के पीछे गन्दगी में सफाई कर्मचारियों की वह बस्ती थी जो शहर को साफ रखती थी। यहां 250 से अधिक हेला यानी दलित समुदाय के यह लोग रहते थे। किसी से कोई शिकायत नहीं। शहर को साफ करते और खुद नर्क में रहते थे। वाराणसी नगर निगम ने खुद इस बस्ती को 2005 में दया के आधार पर बसाया था और अब उसी नगर निगम ने इसे अवैध घोषित कर दिया है। बस्ती पर बेदखली का नोटिस चस्पा कर दिया गया और 17 जनवरी 2025 को बुलडोजर न्याय हो गया। तत्कालीन नगर आयुक्त पुष्पपति सक्सेना जी की मानवीय सोच को निपटा दिया गया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

मूलभूत विज्ञान की सबसे बड़ी भूमिका

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्य निर्धारित किए थे। विशेषज्ञों का मानना है कि मूलभूत विज्ञानों के इनपुट के बिना इन लक्ष्यों को पाना संभव नहीं है। खाद्य, ऊर्जा, स्वास्थ्य और संचार जैसी बड़ी चुनौतियों का समाधान मूलभूत विज्ञानों में अनुसंधानों की बदौलत ही प्राप्त हो सकेगा। यही नहीं मूलभूत विज्ञानों से पृथ्वी पर निवास कर रही लगभग आठ अरब जनसंख्या के विभिन्न अच्छे-बुरे प्रभावों को समझने और किसी-न-किसी तरीके से समाधान खोजने में सहायता मिलेगी।

कोरोना वायरस की सूक्ष्म, गहन और संपूर्ण संरचना को समझने और उससे फैली महामारी का सामना करने के लिए टीका बनाने में मूलभूत यानी बेसिक विज्ञान की अहम भूमिका रही है। महत्वाकांक्षी मानव जीनोम परियोजना को पूरा करने में बुनियादी विज्ञानों का बहुत बड़ा हाथ है। आज हम इंटरनेट पर जिस वर्ल्ड वाइड वेब का उपयोग कर रहे हैं। वह मूलभूत विज्ञान की ही देन है। दरअसल यूरोपीय प्रयोगशाला सर्न में बुनियादी भौतिकी प्रयोगों में वैश्विक सहयोग के दौरान इसका आविष्कार हुआ था। अंतरिक्ष जगत में मिली तमाम छोटी-बड़ी सफलताओं का आधार मूलभूत विज्ञानों में दीर्घकालीन अनुसंधान है। साल 2022 को निर्वहनीय विकास के लिए मूलभूत विज्ञान अंतर्राष्ट्रीय वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।

इसके लिए चुनी गई थीम में जिन मुद्दों को सम्मिलित किया गया है, उनमें अंतर्राष्ट्रीय संवाद और शांति के लिए मूलभूत विज्ञानों की भूमिका, विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं की उपस्थिति बढ़ाना, नवाचार और आर्थिक विकास, वैश्विक चुनौतियों का समाधान और शिक्षा तथा मानव विकास प्रमुख हैं। वर्ष 2022 इंटरनेशनल यूनियन ऑफ प्योर एंड एप्लाइड फिजिक्स और इंटरनेशनल मैथेमेटिकल यूनियन (आएमयू) का शताब्दी वर्ष भी है। अतः IYBSSD के माध्यम से विज्ञान जगत में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के विस्तार में एक और नया अध्याय जोड़ने में मदद मिलेगी। संस्था की वेबसाइट में बताया गया है कि कोई भी वैज्ञानिक संस्थान और विश्वविद्यालय IYBSSD-2022 के लिए गतिविधियां भेज सकता है। 2017 में माइकल स्पाइरो ने यूनेस्को द्वारा आयोजित वैज्ञानिक बोर्ड की बैठक में 2022 को अंतर्राष्ट्रीय मूलभूत विज्ञान वर्ष के रूप में मनाने का विचार रखा था। उन्होंने बैठक में 2005-2015 के दौरान अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाए गए विज्ञान वर्षों का जिक्र करते हुए इस मुद्दे पर विचार मंथन और समीक्षा का विचार भी रखा था। हम लोग वर्ष 2005 में भौतिकी, 2008 में पृथ्वी ग्रह, 2009 में खगोल विज्ञान, 2011 में रसायन विज्ञान, 2014 में क्रिस्टलोग्रॉफी और वर्ष 2015 में प्रकाश एवं प्रकाश आधारित प्रौद्योगिकी थीम पर अंतर्राष्ट्रीय वर्ष मना चुके हैं। स्पाइरो ने बैठक में एक अहम विचार यह रखा था कि मूलभूत विज्ञानों के सभी विषयों के वैज्ञानिकों को एक साथ लाने की आवश्यकता है, ताकि वैज्ञानिकों के अनुसंधानों का उपयोग टिकाऊ विकास के 17 लक्ष्यों को पूरा करने में किया जा सकेगा। स्पाइरो फ्रांस के विख्यात भौतिकीविद हैं और पार्टिकल फिजिक्स की सर्न प्रयोगशाला से जुड़े हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्रसंघ की आम सभा के 76 वें सत्र (2 दिसंबर 2021) में साल 2022 को IYBSSD-2022 के रूप में मनाने की घोषणा की गई थी। घोषणा में कहा गया है कि मूलभूत विज्ञान की चिकित्सा, उद्योग, कृषि, जल संसाधन, ऊर्जा नियोजन, पर्यावरण, संचार और संस्कृति के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका है। गणित, भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान, ये चारों विषय मूलभूत विज्ञान के दायरे में आते हैं, जो प्राकृतिक और ब्रह्मांडीय घटनाओं की व्याख्या और गहन समझ बढ़ाने में अहम भूमिका निभाते हैं। इतना ही नहीं, इन्हीं विषयों की बदौलत प्राकृतिक संसाधनों के रूपांतरण में भी मदद मिली है। विज्ञान को मोटे तौर पर मूलभूत और प्रयुक्त विज्ञानों में बांटा गया है। मूलभूत विज्ञान की कोख से ही प्रयुक्त विज्ञान का उद्गम होता है। प्रयुक्त विज्ञान में अनुसंधान से प्रौद्योगिकी और नवाचारों का विस्तार हुआ है। समाज में प्रौद्योगिकी की चकाचौंध, वर्चस्व और विस्तार से मूलभूत विज्ञान की उपेक्षा हुई है। बीते दशकों में विश्वविद्यालयों में मूलभूत विज्ञान में विद्यार्थियों की दिलचस्पी घटी है। विज्ञान संस्थानों में समाज और बाजार की जरूरतों पर आधारित अनुसंधान पर जोर है। विश्व के अधिकांश देशों में सरकारों ने मूलभूत विज्ञानों में शोध-बजट में बढ़ोतरी को आवश्यक नहीं समझा है। इसके कारण हैं। पहला, मूलभूत विज्ञानों का समाज से सीधा सरोकार नहीं है। दूसरा, तत्काल लाभ नहीं मिलता। एक और कारण है कि इसकी बाजार को प्रतिस्पर्धी बनाने में भूमिका दिखाई नहीं देती। IYBSSD-2022 एक महत्वपूर्ण अवसर है, जब आर्थिक और राजनैतिक नेतृत्व और सभी देशों के नागरिकों को इस बात के लिए राजी करने का प्रयास किया जा रहा है कि पृथ्वी ग्रह का संतुलित, टिकाऊ और समावेशी विकास मूलभूत विज्ञानों में अनुसंधानों पर निर्भर है।

...स्रोत फीचर्स

गार्टर सांप दोस्तियां करते हैं

वैज्ञानिकों ने उनके बिलों पर नजर रखी और उन्हें सड़क निर्माण से सुरक्षित रखने के लिए अन्यत्र स्थानांतरित किया। उन्होंने 250 हैक्टर में फैले अध्ययन क्षेत्र में सांपों को पकड़ा, उन पर पहचान चिन्ह लगाए और 3000 से अधिक सांपों पर 12 साल तक नजर रखी। सांप की पूरी उम्र लगभग इतनी ही होती है, लेकिन निगरानी का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि स्थानांतरण के बाद गार्टर सांप ठीक से फल-फूल रहे हैं या नहीं। हालिया अध्ययन में स्किनर इन वैज्ञानिकों के साथ जुड़े और 12 वर्षों में उनके द्वारा जुटाए गए डैटा से सांपों की सामाजिक संरचना या जुड़ाव समझने की कोशिश की। सामाजिक जुड़ाव उन्होंने मनुष्यों की नजर से ही देखा। उन्होंने प्रत्येक सांप को एक बिन्दु या नोड कहा और जब दो सांपों को एक ही दिन, एक ही स्थान पर देखा गया तो उन्होंने उन दो बिंदुओं को एक रेखा से जोड़ दिया, डाटा का निष्कर्ष है कि सांप स्वतंत्र रूप से और बेतरतीब ढंग से यहां-वहां भटकने की बजाय समूह बनाते हैं। इस समूह में वे सदस्य होते हैं जिनका साथ वे पसंद करते हैं और इस तरह के एक समूह में औसतन तीन से चार सांप होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में सदस्यों की संख्या 46 तक भी हो सकती है।

सांपों के बारे में प्रायः माना जाता है कि वे समूह में नहीं रहते वरन अकेले यहां-वहां सरसराते रहते हैं, लेकिन हाल ही में बिहेवियोरल इकॉलॉजी में प्रकाशित अध्ययन इस मान्यता का खंडन करता है और बताता है कि गार्टर सांप Thamnophis butleri समूह बनाते हैं। इस समूह में वे लोग शामिल होते हैं जिनके साथ उनकी मित्रता होती है या जिनका साहचर्य वे पसंद करते हैं। समूह की मुखिया कोई बुजुर्ग मादा होती है जो उस समूह के युवा सांपों का मार्गदर्शन करती है। आम लोगों के अलावा पारिस्थितिकी विज्ञानियों को भी काफी समय तक यही लगता था कि सांप असामाजिक और एकाकी जंतु होते हैं और केवल संभोग और शीतनिद्रा के समय ही साथ आते हैं।

इसका एक कारण यह हो सकता है कि उन पर अध्ययन ही बहुत कम हुए हैं, क्योंकि वे बिलों में या छिपे हुए रहते हैं और उन्हें ढूंढना मुश्किल होता है, लेकिन वर्ष 2020 में, विल्फिड लॉरियर विश्वविद्यालय के व्यवहार पारिस्थितिकीविद मॉर्गन स्किनर और उनके दल ने प्रयोगशाला अध्ययनों में देखा कि कृत्रिम आवासों में रखे गए गार्टर सांप मित्र बनाते हैं, उनके ऐसे साथी होते हैं जिनका साहचर्य वे अन्य की तुलना में अधिक पसंद करते हैं। इसके पहले 2009 में, कनाडा के ओंटारियो परिवहन मंत्रालय ने गार्टर सांपों की सुरक्षा के लिए एक अध्ययन करवाया था। इसमें वैज्ञानिकों ने उनके बिलों पर नजर रखी और उन्हें सड़क निर्माण से सुरक्षित रखने के लिए अन्यत्र स्थानांतरित किया। उन्होंने 250 हैक्टर में फैले अध्ययन क्षेत्र में सांपों को पकड़ा, उन पर पहचान चिन्ह लगाए और 3000 से अधिक सांपों पर 12 साल तक नजर रखी। सांप की पूरी उम्र लगभग इतनी ही होती है, लेकिन निगरानी का मुख्य फोकस यह सुनिश्चित करना था कि स्थानांतरण के बाद गार्टर सांप ठीक से फल-फूल रहे हैं या नहीं। हालिया अध्ययन में स्किनर इन वैज्ञानिकों के साथ जुड़े और 12 वर्षों में उनके द्वारा जुटाए गए डैटा से सांपों की सामाजिक संरचना या जुड़ाव समझने की कोशिश की। सामाजिक जुड़ाव उन्होंने मनुष्यों की नजर से ही देखा। उन्होंने प्रत्येक सांप को एक बिन्दु या नोड कहा और जब दो सांपों को एक ही दिन, एक ही स्थान पर देखा गया तो उन्होंने उन दो बिंदुओं को एक रेखा से जोड़ दिया, डाटा का निष्कर्ष है कि सांप स्वतंत्र रूप से और बेतरतीब ढंग से यहां-वहां भटकने की बजाय समूह बनाते हैं। इस समूह में वे सदस्य होते हैं जिनका साथ वे पसंद करते हैं और इस तरह के एक समूह में औसतन तीन से चार सांप होते हैं, लेकिन कुछ मामलों में सदस्यों की संख्या 46 तक भी हो सकती है। यह भी देखा गया कि मादा सांप नर की तुलना में अधिक मिलनसार होती हैं और सबसे अधिक बुजुर्ग मादा सांप दोस्तों के साथ दिखती हैं। इसके अलावा वे ही समूह की मुखिया भी होती हैं, और समूह के युवा सदस्य उनका अनुसरण करते हैं। यह भी देखा गया कि उम्र बढ़ने के साथ नर सांप अधिक असामाजिक होते जाते हैं। यह भी पता चला है कि सांप समान लिंग और हम-उम्र सांपों के साथ भी मेल-जोल रखते हैं।

यानी यह मेलजोल सिर्फ संभोग के उद्देश्य से नहीं होता। इसके अलावा, नर और मादा दोनों में ही यह देखा गया है कि जो भी सांप अधिक सामाजिक था वह अधिक स्वस्थ थाय लगता है कि दोस्तियां करने से उन्हें फायदा होता है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि समूह में होने से शिकारियों से बचा जा सकता है, या भोजन और शीतनिद्रा के लिए अच्छे स्थान ढूंढने में मदद मिल सकती है। या यह भी हो सकता है कि दोस्तों के करीब घूमने से उन्हें गर्माहट मिलती हो। अब तक सांप-समाजों में मादाओं का महत्व उपेक्षित था। माना जाता है कि नर संभोग के लिए मादाओं की तलाश में रहते हैं, लेकिन मादाएं बच्चे पैदा करने के अलावा कुछ नहीं करतीं। अध्ययन इसे स्पष्ट रूप से गलत सिद्ध करता है, और बच्चों और युवा सांपों के मार्गदर्शन और सुरक्षा में मादाओं की भूमिका उजागर करता है। यह अध्ययन यह समझने कि दिशा में एक महत्वपूर्ण पहला कदम है कि प्राकृतिक परिस्थितियों में सांपों का समूह कैसे बनता है। स्किनर का मत है कि यदि पारिस्थितिकीविद अपने पूर्व फील्ड नोट्स या अध्ययनों पर दोबारा गौर करेंगे तो सांपों पर ऐसे और भी अध्ययन संभव हो सकेंगे।

-स्रोत फीचर्स

नई दिल्ली। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर द्वारा आयोजित एक स्वागत समारोह के दौरान उनके साथ केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल।

मैक्सवेल का संसद की समिति के सवालों का जवाब देने से इन्कार

वाशिंगटन। यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन की सहयोगी घिसलेन मैक्सवेल ने सोमवार को हाउस कमेटी टॉन ओवरसाइट एंड अकाउंटेबिलिटी के सवालों का जवाब देने से इनकार कर दिया है। ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन (बीबीसी) की रिपोर्ट के अनुसार, मैक्सवेल टेक्सास की जेल में बंद है, जहां वह यौन तस्करी के लिए 20 साल की सजा काट रही है। जेल के ही बंद कमरे से वह वीडियो कॉन्फ्रेंसिग के जरिए समिति के सामने पेश हुई थी। समिति के अध्यक्ष जेम्स कोमर ने कहा कि जैसा कि उम्मीद थी, मैक्सवेल ने पांचवें संशोधन (कानून) का सहारा लेते हुए चुप रहने के अपने अधिकार का उपयोग किया।

शबाना महमूद होंगी ब्रिटेन की पहली मुस्लिम पीएम!

कश्मीर मूल की हैं, अमेरिकी यौन अपराधी एपस्टीन फाइल्स विवाद से पीएम स्टार्मर की कुर्सी खतरे में

लंदन। अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से जुड़े विवादों के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की कुर्सी खतरे में है। अब उनकी अपनी लेबर पार्टी के एक धड़े ने ही इस्तीफे की मांग कर दी है। हालांकि स्टार्मर अभी पद छोड़ने से इन्कार कर रहे हैं। इस बीच, नए प्रधानमंत्री पद की होड़ में गृह मंत्री शबाना महमूद के साथ ही स्वास्थ्य मंत्री वेस्ट स्ट्रीटिंग और पूर्व उपप्रधानमंत्री अंगेला रेनर का नाम सामने आ रहा है।

कश्मीरी मूल की शबाना महमूद पीओ.के के मीरपुर से हैं। वह ब्रिटेन की गृह मंत्री बनने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। अगर वह प्रधानमंत्री बनती हैं, तो ब्रिटेन की पहली मुस्लिम प्रधानमंत्री भी होंगी। दरअसल, ब्रिटेन में एपस्टीन फाइल से जुड़े विवाद की वजह से पीएम स्टार्मर के सबसे भरोसेमंद सहयोगी और डाउनिंग स्ट्रीट के चीफ आफ स्टाफ मार्गन मैकस्वीनी को इस्तीफा देना पड़ा है। मैकस्वीनी पर आरोप है कि उन्होंने

■ लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं

यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन का समर्थन करने वाले पीटर मंडेलसन को अमेरिका में ब्रिटेन का राजदूत बनाकर भेजा था। मैकस्वीनी ने भी माना है कि यह नियुक्ति गलत थी। अमेरिका में ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर के साथ पीटर मंडेलसन। मंडेलसन पर आरोप है कि जेफ्री एपस्टीन को बच्चों के यौन शोषण के मामलों में सजा होने के बाद भी मंडेलसन उसके संपर्क में रहे और उसका समर्थन किया। लेबर पार्टी के नियमों के अनुसार, अगर कोई कीर स्टार्मर के खिलाफ चुनौती देना चाहता है, तो इसके लिए कुछ सख्त शर्तें पूरी करनी पड़ती हैं। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कि चुनौती देने वाले उम्मीदवार को पार्टी के संसदीय सदस्यों से कम से कम 20 प्रतिशत का समर्थन हासिल करना जरूरी है। यह नियम 2021 में पार्टी कान्फ्रेंस में बदलाव के बाद लागू हुआ था। पहले यह सीमा सिर्फ 10 प्रतिशत थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 20 प्रतिशत कर दिया गया है ताकि कोई भी आसानी से लीडरशिप चुनौती न दे सके और पार्टी में स्थिरता बनी रहे। अभी लेबर पार्टी के कुल सांसदों की संख्या लगभग 404-405 के आसपास है, इसलिए किसी भी चुनौती को आगे बढ़ाने के लिए कम से कम 81 लेबर सांसदों का लिखित समर्थन जुटाना पड़ता है। इस राजनीतिक उथल-पुथल के बीच होम मिनिल्टर शबाना महमूद को उत्तराधिकारी के तौर पर देखा जा रहा है। 45 साल की शबाना महमूद पहले न्याय मंत्री और लार्ड चांसलर रह चुकी हैं। बर्मिंघम में पाकिस्तानी माता-पिता के यहां जन्मी शबाना महमूद ने आक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की है। वह पेशे से बैरिस्टर हैं। 2010 में रुशानारा अली और यास्मिन कुरैशी के साथ वह ब्रिटेन की पहली महिला मुस्लिम सांसदों में शामिल हुईं। लेबर पार्टी में वे कीर स्टार्मर की करीबी सहयोगी मानी जाती हैं और पार्टी के दक्षिणपंथी (राइट-विंग) गुट से जुड़ी हैं। वे इमिग्रेशन (प्रवासन) नीतियों पर काफी सख्त रवैया रखती हैं और कहती हैं कि ब्रिटेन में रहना एक विशेषाधिकार है। 2010 में संसद पहुंचने के कुछ ही महीनों बाद उन्हें पार्टी की अहम जिम्मेदारी दे दी गई थी।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिका ने कब्जे में लिया वेनेज़ुएला से जुड़ा तेल का टैंकर

वॉशिंगटन। अमेरिका के सैनिक हिन्द महासागर में वेनेज़ुएला से जुड़े एक तेल टैंकर का रात भर पीछा करने के बाद उस पर चढ़ गए। अमेरिका के युद्ध मंत्री पीट हेगसेथ ने सोमवार को यह जानकारी दी। हेगसेथ ने सोशल मीडिया 'एक्स' पर लिखा कि रात भर, अमेरिकी सैन्य बल ने बिना किसी घटना के, 'मुआयने के अधिकार' के तहत समुद्री अवरोध को अंजाम दिया, एक्विला-2 पर चढ़ाई की। यह (जहाज़) भागा, और हमने उसका पीछा किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका ने वेनेज़ुएला से आने-जाने वाले तेल के टैंकरों पर प्रतिबंध लगाया है और यह टैंकर उस प्रतिबंध का उल्लंघन कर रहा था।

जापान में हिमपात के कारण 46 लोगों की मौत, 604 घायल

टोक्यो। जापान के उत्तरी और उत्तर-पश्चिमी हिस्सों में भारी हिमपात के कारण 46 लोगों की मौत हो गई है और 604 लोग घायल हुए हैं। रूस की संवाद समिति स्पूतनिक के अनुसार, देश की अग्नि एवं आपदा प्रबंधन एजेंसी के आंकड़ों के विश्लेषण में यह जानकारी दी गई है। घायलों में से लगभग एक-तिहाई (193 लोग) गंभीर रूप से घायल हैं। मौतों की सबसे अधिक संख्या निगाटा प्रान्त में दर्ज की गई, जहां 17 लोगों की जान चली गई। जापान में 20 जनवरी से जारी हिमपात की ताजा लहर आठ फरवरी को टोक्यो पहुंची।

रूस के क्रास्नोडार भूकंप के तेज झटके

मास्को। रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। यूरो-मेडिटेरेनियन भूकंप विज्ञान केंद्र (इएमएससी) ने अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी है। रिपोर्ट के अनुसार नोवोरोस्सियस्क के महापौर आंद्रेई क्रावचेंको ने मंगलवार को कहा कि भूकंप के झटके शहर से 30 किलोमीटर (18.6 मील) दूर महसूस किए गए और इससे शहर की अवसंरचना को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है।

भारत पर रूस से तेल नहीं खरीदने का दबाव: लावरोव

कहा: अमेरिका एनर्जी सप्लाई कर कंट्रोल चाहता है, ताकि दुनिया के देश उनसे महंगी गैस खरीदें

मास्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने अमेरिका पर आरोप लगाया है कि वह भारत जैसे देशों पर दबाव बना रहा है ताकि वे रूस से सस्ता तेल न खरीदें। लावरोव ने कहा कि अमेरिका चाहता है कि दुनिया की ऊर्जा सप्लाई उसके कंट्रोल में रहे और देश मजबूर होकर महंगी अमेरिकी गैस खरीदें। उन्होंने यह बातें 9 फरवरी को डिप्लोमैटिक वर्कर्स डे के मौके पर कहीं। लावरोव ने कहा कि अमेरिका ने डॉलर को हथियार की तरह इस्तेमाल करना शुरू कर दिया है। रूस की विदेश में रखी संपत्तियों को फीज कर दिया गया है और रूस के खिलाफ लगातार पाबंदियां लगाई जा रही हैं।

■ अमेरिका भारत और दूसरे ब्रिक्स देशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं: लावरोव

उन्होंने कहा कि ट्रम्प सरकार यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात तो करती है, लेकिन जो प्रतिबंध पहले लगाए गए थे, वे अब भी जारी हैं। रूस के मुताबिक, यूक्रेन पर सहमति बनने के बाद भी अमेरिका नए प्रतिबंध लगाता रहा। रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि अमेरिका भारत और दूसरे ब्रिक्सदेशों पर दबाव डाल रहा है कि वे रूस से दूरी बनाएं। रूस की तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट पर रोक लगाई गई है और रूस के व्यापार और निवेश को सीमित करने की कोशिश हो रही है। ये सब गलत और अनुचित तरीके हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया अब तेजी से बदल रही है। पहले अमेरिका पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था और पैसों के सिस्टम पर हावी था और डॉलर के जरिए अपनी ताकत दिखाता था, लेकिन अब उसकी पकड़ कमजोर हो रही है। वहीं चीन, भारत और ब्राजील जैसे देश तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। अफ्रीका के देश भी अब सिर्फ कच्चा माल बेचने के बजाय अपने यहां इंडस्ट्री लगाना चाहते हैं। भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता पर लावरोव ने कहा कि भारत जिन मुद्दों को आगे बढ़ा रहा है, वे आज की जरूरतों से जुड़े हैं। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, खाने और ऊर्जा की सुरक्षा, तकनीक और एआई जैसे विषय अहम हैं। उन्होंने बताया कि भारत फरवरी में एआई पर एक बड़ी बैठक करने वाला है, जिसमें रूस भी शामिल होगा। रूस का कहना है कि एआई को लेकर नियम ऐसे होने चाहिए, जिनमें हर देश की आजादी बनी रहे और कोई एक देश बाकी देशों पर हुक्म न चलाए। लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश अपनी पुरानी पकड़ छोड़ना नहीं चाहते। ट्रम्प सरकार के आने के बाद यह और साफ हो गया है कि अमेरिका ऊर्जा के क्षेत्र में पूरी दुनिया पर कंट्रोल चाहता है और अपने मुकाबले वालों को रोकने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने बताया कि इन हालात का असर रूस के दूसरे देशों के साथ रिश्तों पर भी पड़ रहा है। रूस पर तरह-तरह की पाबंदियां लगाई जा रही हैं। खुले समुद्र में रूसी जहाजों को रोका जा रहा है, जो अंतर्राष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। कुछ देशों को रूसी तेल और गैस खरीदने पर टैरिफ भी देना पड़ रहा है। लावरोव ने कहा कि रूस के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि देश सुरक्षित रहे और आगे बढ़ता रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि यूरोप में कुछ नेता खुले तौर पर रूस के खिलाफ युद्ध की बात कर रहे हैं। रूस का कहना है कि उसकी सुरक्षा के लिए यह जरूरी है कि यूक्रेन की जमीन से उसे कोई खतरा न हो और क्रीमिया, डोनबास और नोवोरोसिया में रहने वाले रूसी और रूसी भाषा बोलने वाले लोगों की सुरक्षा उसकी जिम्मेदारी है। ब्रिक्स को लेकर लावरोव ने कहा कि इंडोनेशिया के जुड़ने से यह समूह और मजबूत हुआ है। रूस आईएमएफ, वर्ल्ड बैंक और डब्ल्यूटीओ को खत्म नहीं करना चाहता, लेकिन चाहता है कि तेजी से बढ़ रही अर्थव्यवस्थाओं को इन संस्थानों में उनका सही हक मिले। पश्चिमी देश इसका विरोध कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसी वजह से रूस और ब्रिक्स देश मिलकर नए रास्ते तलाश रहे हैं। इसमें अपनी-अपनी करेंसी में व्यापार करना, नए पेमेंट सिस्टम बनाना, निवेश के नए तरीके और अनाज के लिए अलग बाजार तैयार करना शामिल है। लावरोव ने साफ किया कि इसका मकसद किसी के खिलाफ जाना नहीं है, बल्कि खुद को एकतरफा दबाव से बचाना है।

ईरान से जुड़े मुद्दे का शांतिपूर्ण हल जरूरी: लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि ईरान के आसपास के हालात को शांति से सुलझाया जाना चाहिए क्योंकि ताकत का इस्तेमाल करने से सिर्फ समस्याएं बढ़ेंगी। लावरोव ने मॉस्को में वल्दाई अंतर्राष्ट्रीय चर्चा क्लब के मौके पर हुए मध्य पूर्व सम्मेलन में कहा कि हम ईरान से जुड़ी कार्यवाही पर करीब से नज़र रख रहे हैं। हम ओमान सल्तनत की तरफ से की गई मध्यस्थता की कोशिशों का स्वागत करते हैं। बेशक, हम इस समझ से आगे बढ़ रहे हैं कि यहां शांतिपूर्ण समझौता होना चाहिए। ट्रम्प प्रशासन ने पश्चिमी एशिया में एक लड़ाकू विमान कैरियर स्ट्राइक ग्रुप और कई युद्धपोत तैनात किए हैं। अमेरिका ने ईरान को परमाणु समझौता करने के लिए मजबूर करने की कोशिश में उसे लगातार चेतावनी भी भेजी हैं। लावरोव ने कहा कि रूस ईरान के भविष्य को लेकर परेशान और चिंतित है, और वह ईरान एवं खाड़ी के अरब देशों के लिए सहयोग परिषद के बीच रिश्तों को पूरी तरह से सामान्य करने में दिलचस्पी रखता है। उनकी राय में, ईरान और सऊदी अरब के बीच राजनयिक रिश्तों की बहाली ने इसके लिए ज़रूरी शर्तें तैयार कर दी हैं।

ईयू-नाटो के बीच एकजुटता की कमजोरी को दर्शाती है ग्रीनलैंड की स्थिति: लावरोव

मॉस्को। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने सोमवार को कहा कि ग्रीनलैंड के आसपास की स्थिति से उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय संघ (ईयू) के इर्द-गिर्द निर्मित एकजुटता, पारस्परिक सहायता और समझ की छवि की कमजोरी को उजागर हुआ है। रूसी प्रसारक एनटीवी को दिए साक्षात्कार में लावरोव ने कहा कि यूरोप बिखर गया है। ग्रीनलैंड ने दिखाया है कि नाटो और ईयू दोनों के इर्द-गिर्द निर्मित एकजुटता, पारस्परिक सहायता और समझ की छवि कितनी अस्थिर है। मुझे नहीं पता कि यूरोप क्या करेगा। ग्रीनलैंड डेनमार्क साम्राज्य का हिस्सा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बार-बार कहा है कि यह द्वीप अमेरिका का हिस्सा होना चाहिए।

भारत और चीन ने संबंधों में सकारात्मक गति की समीक्षा

नई दिल्ली। भारत और चीन ने द्विपक्षीय संबंधों में सकारात्मक गति की मंगलवार को यहां समीक्षा की तथा लोगों के बीच संपर्कों को बढ़ाने तथा संवेदनशील मुद्दों पर लचताओं का समाधान करते हुए इन्हें मजबूत बनाने पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने यहां भारत-चीन रणनीतिक संवाद के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। यह वार्ता विदेश सचिव विक्रम मिस्री और चीन के कार्यकारी विदेश उप मंत्री मा झाओश्यू के बीच हुई। यह बातचीत भारत की अध्यक्षता में आयोजित पहली ब्रिक्स शेरपा बैठक के इतर हुई। मा झाओश्यू ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लेने के लिए भारत यात्रा पर हैं। प्रवक्ता के अनुसार दोनों पक्षों ने वैश्विक एवं क्षेत्रीय परिस्थितियों तथा बहुपक्षीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। चीन के राजदूत शू फेइहोंग ने भी अपनी पोस्ट में कहा कि चीनी मंत्री मा झाओश्यू ने पहली ब्रिक्स शेरपा बैठक में भाग लिया। उन्होंने लिखा कि मा झाओश्यू ने उल्लेख किया कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने व्यापक ब्रिक्स सहयोग के उच्च-गुणवत्ता वाले विकास की महत्वपूर्ण अवधारणा तथा शांति, नवाचार, हरित विकास, न्याय और लोगों-से-लोगों के बीच घनिष्ठ संपर्क के लिए प्रतिबद्ध ब्रिक्स के निर्माण से संबंधित पांच सहयोगात्मक रूपरेखाएं प्रस्तुत की हैं। इनसे ब्रिक्स तंत्र के भविष्य के विकास की दिशा तय होती है।

गाजा में फिर गूंजे हवाई हमले, तीन की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में युद्धविराम के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है। इजरायल के ताजा हवाई हमलों में तीन लोगों की मौत हो गई है। अस्पताल सूत्रों ने मौतों की पुष्टि की है। सीजफायर लागू होने के बावजूद हमले और जवाबी कार्रवाई की घटनाएं जारी हैं।

इससे इलाके में शांति प्रक्रिया पर नए सवाल खड़े हो गए हैं और हालात फिर तनावपूर्ण हो गए हैं। गाजा सिटी के पश्चिमी इलाके में हुए हमलों के बाद घायलों और मृतकों को शिफा अस्पताल लाया गया। अस्पताल प्रशासन ने तीन लोगों की मौत की जानकारी दी। इजरायली सेना ने कहा कि उसने रफाह शहर में अपने सैनिकों पर फायरिंग के जवाब में कार्रवाई की। सेना के मुताबिक यह युद्धविराम का उल्लंघन था और जवाब में सटीक निशानों पर हमला किया गया। करीब चार महीने पहले अमेरिका समर्थित युद्धविराम समझौता लागू हुआ था। यह समझौता हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले के बाद शुरू हुए युद्ध को रोकने के लिए बनाया गया था। इस योजना को मौजूदा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के प्रस्तावित 20 सूत्रीय ढांचे पर आगे बढ़ाया गया था। समझौते के तहत बंधकों और कैदियों की अदला-बदली भी हुई। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर झड़पें और सैन्य कार्रवाई पूरी तरह नहीं रुकी। समझौते के शुरुआती चरण में हमास ने अपने पास मौजूद सभी जीवित बंधकों को रिहा किया।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले हिंदू कारोबारी की हत्या

ढाका। बांग्लादेश में एक और हिंदू व्यापारी की हत्या की गई। सोमवार की रात यह घटना ऐसे समय में हुई, जब दो दिन बाद ही इस दक्षिण एशियाई देश में आम चुनाव के लिए मतदान होना है। घटना मेमेनसिंह जिले में हुई है। इसी जिले में पहले भी दीपू चंद्र दास नाम के एक हिंदू व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई थी। भीड़ ने उसे जीवित जला दिया था। अभी जिनकी हत्या की गई है, उनकी पहचान सुषेन चंद्र सरकार (62 वर्षीय) के रूप में हुई है। वह धान के व्यापारी थे और डाकिनकांडा गांव में रहते थे। उनकी दुकान 'भाई भाई एंटरप्राइज' बोगर बाजार के चौराहे पर थी। पुलिस के अनुसार, हत्या रात 11 बजे हुई। अज्ञात हमलावरों ने सुषेन चंद्र सरकार पर तेज हथियार से हमला किया।

अमेरिका ने बांग्लादेश को दी बड़ी राहत

व्यापार समझौते के तहत टैरिफ घटकर हुआ 19 प्रतिशत, आरएमजी सेक्टर को फायदा

वाशिंगटन। अमेरिका और बंगलादेश के बीच एक पारस्परिक व्यापार समझौता हुआ है, जो बंगलादेशी वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाकर 19 प्रतिशत कर देगा और कुछ वस्त्र एवं परिधान उत्पादों पर छूट प्रदान करेगा और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय आर्थिक संबंध और मजबूत होंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति के कार्यालय ने बताया कि यह समझौता एक ऐसा तंत्र स्थापित करेगा जिसके तहत बंगलादेश के कुछ कपड़ों और परिधान एवं उत्पादों को शून्य पारस्परिक आयात शुल्क प्रदान किया जाएगा।

■ बंगलादेश लगभग 3.5 अरब डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद करेगा, जिसमें गेहूं, सोया, कपास और मक्का शामिल हैं

इसके तहत अमेरिकी मूल की सामग्रियों का उपयोग करके बनाए गए 'कुछ कपड़ा और परिधान उत्पादों के लिए भी छूट' दिया गया है। पात्रा आयात की मात्रा का निर्धारण बंगलादेश द्वारा उपयोग किए गए कपास और मानव निर्मित फाइबर के साथ-साथ अमेरिकी सामग्री के इस्तेमाल के आधार पर किया जाएगा। व्हाइट हाउस के बयान में बताया गया है कि बंगलादेश लगभग 3.5 अरब डॉलर के अमेरिकी कृषि उत्पादों की खरीद करेगा, जिसमें गेहूं, सोया, कपास और मक्का शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 15 वर्षों में लगभग 15 अरब डॉलर ऊर्जा उत्पादों की भी खरीददारी बंगलादेश द्वारा की जाएगी। साथ ही इसमें अमेरिकी विमानों के खरीद का भी उल्लेख किया गया है। यह समझौता 2013 में हस्ताक्षरित अमेरिका-बांग्लादेश व्यापार और निवेश सहयोग मंच समझौते (टीआईसीएफए) पर आधारित है। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे एक-दूसरे के बाजारों तक 'अभूतपूर्व पहुंच' के रूप में वर्णित किया है। अमेरिका और बंगलादेश ने कहा कि इस समझौते का उद्देश्य 'द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को गहरा करना' और दोनों देशों के निर्यातकों के लिए 'बाजार पहुंच का विस्तार करना' है। सौदे के तहत, बंगलादेश, अमेरिकी औद्योगिक और कृषि सामानों के लिए 'महत्वपूर्ण तरजीही बाजार पहुंच' प्रदान करेगा, जिसमें रसायन, चिकित्सा उपकरण, मशीनरी, मोटर वाहन और पुर्जे, सूचना और संचार प्रौद्योगिकी उपकरण, ऊर्जा उत्पाद, सोयाबीन, डेयरी उत्पाद, गोमांस, पोल्ट्री, ट्री नट्स और फल शामिल हैं। दोनों देशों ने 'द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को प्रभावित करने वाली गैर-टैरिफ बाधाओं' को दूर करने के लिए प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें बंगलादेश, अमेरिकी वाहन सुरक्षा और उत्सर्जन मानकों को स्वीकार करने, चिकित्सा उपकरणों और फार्मास्यूटिकल्स के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) प्रमाणपत्रों को मान्यता देने और अमेरिकी पुनर्मानिर्मित वस्तुओं और पुर्जों पर प्रतिबंध हटाने के लिए सहमत हुआ है। बंगलादेश ने 'विश्वसनीय सीमाओं के पार डेटा के मुफ्त हस्तांतरण' की अनुमति देने और विश्व व्यापार संगठन में इलेक्ट्रॉनिक प्रसारण पर सीमा शुल्क पर स्थाई रोक का समर्थन करने पर भी सहमति जताई है।

ओमान जाएंगे ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी लारीजानी

अमेरिका से टकराव के बीच अहम बैठक

दुबई। अमेरिका और ईरान के बीच ओमान में परमाणु समझौते पर पहले दौर पर बैठक बेनतीजा रही। हालांकि दोनों ही देशों ने इस वार्ता को सकारात्मक बताया। आने वाले दिनों में फिर से वार्ता की जाएगी।

इससे पहले ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी ओमान की राजधानी मस्कट पहुंच रहे हैं। यह दौरा ऐसे वक्त हो रहा है, जब ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है और ओमान लगातार मध्यस्था कर रहा है। इस बीच इजरायल ने भी ईरान को खुली चेतावनी दी है कि वह बिना अमेरिकी मदद के भी तेहरान पर हमला कर सकता है। बता दें कि इस हफ्ते इजरायली पीएम नेतन्याहू अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प से मुलाकात करने वाले हैं। इस बीच ईरान के शीर्ष सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी के ओमान दौरे पर सबकी नजर हैं। दरअसल, ओमान ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तेहरान और वाशिंगटन के बीच अप्रत्यक्ष बातचीत में मध्यस्था की भूमिका निभा रहा है। ऐसे में ईरान की संसद के पूर्व अध्यक्ष और अब देश की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सचिव अली लारीजानी ओमान के विदेश मंत्री बदर अल-बुसैदी और ओमान के सुल्तान हैथम से मुलाकात करेंगे। राजधानी मस्कट में अली लारीजानी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी इस्लामिक रिपब्लिक न्यूज एजेंसी (आईआरएनए) ने वार्ता को अहम बताया है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि लारीजानी क्या संदेश लेकर ओमान जा रहे हैं। बता दें कि ईरान और अमेरिका ने पिछले सप्ताह ओमान में परमाणु वार्ता की। रविवार को तेहरान में आयोजित शिखर सम्मेलन में राजनयिकों को संबोधित करते हुए विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संकेत दिया कि ईरान यूरेनियम संवर्धन करने की अपनी शर्त पर अडिग रहेगा। यह मुद्दा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के साथ विवाद का प्रमुख विषय है। इससे पहले तेहरान में एक प्रेस कान्फ्रेंस में ईरान के विदेश मंत्री अराघची ने बताया था कि परमाणु वार्ता के अगले दौर की तारीख और स्थान ओमान के साथ विचार-विमर्श के बाद तय होगा।

■ राजधानी मस्कट में अली लारीजानी क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय घटनाक्रमों के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा करेंगे

ट्रम्प ने अमेरिका-कनाडा पुल के उद्घाटन को रोकने की धमकी दी

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमेरिका और कनाडा को जोड़ने वाले एक पुल के उद्घाटन को तब तक रोकने की धमकी दी है, जब तक कि कनाडा को दी गई प्रत्येक वस्तु के बदले अमेरिका को 'पूर्ण मुआवजा' नहीं मिल जाता। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार गॉर्डी होवे अंतर्राष्ट्रीय पुल पूरा होने पर अमेरिका के मिशिगन राज्य के दक्षिणी डेट्रॉइट और कनाडा के ओंटारियो राज्य के विंडसर शहर को जोड़ेगा। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कनाडा के प्रांत ओंटारियो को अमेरिका के राज्य मिशिगन से जोड़ने वाला 'गॉर्डी होवे अंतर्राष्ट्रीय पुल' को तब तक नहीं खोला जाएगा, जब तक कि कनाडा कि अमेरिका के साथ उस निष्पक्षता और सम्मान के साथ व्यवहार नहीं करता, जिसके हम हकदार हैं।